## **TASHREEHUL QURAN PARA 12** URDU, ENGLISH & HINDI TRANSLATION OF QURAN – MAJID (WITH ORIGINAL ARABIC TEXT)

## BY: PADMA BHUSHAN MAULANA ABDUL KARIM PAREKH SAHEB, NAGPUR.

URDU, ENGLISH & HINDI TRANSLATION OF QURAN-MAJID.

With Original Arabic Text

Para-12 (पारा-12)

उर्दू, अंग्रेज़ी और हिंदी भाषा में पवित्र कुरआन का अनुवाद मूल अरबी ग्रंथ के साथ

اردو، انگریزی اور ہندی ترجمہ قرآن مجید اصل عربی متن کے ساتھ

## PDF By: Zoha Parekh

ومَامِنْ دَابَرْ١ منزل٣ -ہے اور سرچاندار کے دستے کی جگڑا در سیر دیہونے کی حگ Lo Und لمذوالت فشر b (7) سے) تھلی کتاب ril 0% Cus isu مسا من كوته اتا مي .. 00 5 آساد اور inic (.) كوآزمات لخ كما) كه تم ں میں ڈالے، کہ تم میں سے کون انچیتر MIL تقا رم کو پر تكم م 96 2 .2 دن ب بني ! اگر 41 موت آچ ان کوبت نیں و معنی نبی کی دعوت کی بنات کموت = 52 ا کاری 6150 جادوكرى Und. 6 6 09 کے بعد زندہ ،وکر خداکے حضور بیشی 1. 2 W 90 2 ، *بوگی اور اپنے اپنے عل کا بدلہ پا ہے* 6 توبه بات كافرول كواليسى ناممكن أوراطيج ی اور اگر ہم ایک تحنی چنی مدت کے وقت مک ان پر عذاب -والى لكى كركيف لك يربانين جادوى بن-1 ( · ) اودة ليقو P 9 نے روک ایا، آگاہ ہوجا و اور شن رکھو کہ جس دن عذاب آ<sup>ن</sup> یا تو تہیں گے کہ یہ عذاب صب شطح کی اور س تق ورى أن كو 3216 Ji-Uis S کتے 182 2 00--) -اور جب بهم انسان کو اپنی رحمت کا مزہ چکھاتے ہیں'اور 62 6 2. 2 (9) اورا 5 [bgt] -(9) ب وه بر اما يوس ليتح من تر ي كوانسان 31 بالتفاتو نوش يوكر كمن نعمت کامزہ چکھاتے ہیں اس کے بعد کہ اس کو دکھ در دنے گھیر رکھ Te (00) 16 وحور () اترانے لگتا بادراین بوشیاری بھارتے لگتا ب 🕦 مگر بولوگ

- 6. ज़मीन पर चलने फिरने वाले हर जानदार का रिज़्क अल्लाह के जिम्मे है और हर जानदार के रहने की जगह और सुपुर्द होने की जगह, सब उसको मालूम है, ये तमाम बातें (पहले से) खुली किताब (लौहे महफूज़) में दुर्ज हैं।
- 7. और उसी ने आसमानों और ज़मीन को छः अय्याम (दिनों) में पैदा कर दिया और उसका अर्श यानी पाये तख्त पानी पर था (तुम को पैदा इसलिए किया) कि तुमको आज़माईश में डाले कि तुम में से कौन अच्छा अमल कर के आता है और ऐ नबी, अगर आप इनको बताएँ कि तुम को मौत के बाद एक दिन उठाया जाएगा, तो जो लोग इन्कारी हैं, वे बोलेंगे कि यह सब खुली जादूगरी की बात है।
- 8. और जब हम एक गिनी चुनी मुद्दत के वक़्त तक इन पर अज़ाब को मुल्तवी रखें तो कहेंगे कि यह अज़ाब किस ने रोक लिया ? आगाह हो जाओ और सुन रखो कि जिस दिन अज़ाब उन पर आ पड़ेगा, उन्हें टालने की ज़रा फुरसत न मिलेगी और जिस अज़ाब का मज़ाक उड़ाते थे वही उन को आकर घेर लेगा।

- 6. No moving creature is there on the earth but upon ALLAH is its provision, and HE knows its dwelling and resting place; every thing is in a Book luminous.
- 7. And HE it is Who has created the heavens and the earth in six Days, and HIS Throne was on the water. (HE has created you) that HE might test you, as to which of you is the best in deeds. And if you were to say to them: "You shall certainly be raised up after death," those who disbelieve are sure to say: "This is nothing but magic manifest."
- 8. And if WE delay from them the chastisement till a determined period, they are sure to say: "What keeps it back?" know it well, that the day when it will befall on them, it shall not be averted from them, and they shall be surrounded by what they have been mocking at.

1	8	1
		0.00

- 9. और अगर हम इन्सान को अपनी रहमत का मज़ा चखाते हैं और फिर इस रहमत को इन्सान से छीन लेते हैं, तब वह बड़ा नाउम्मीद और नाशुक्रा हो जाता है।
- 10. और अगर हम फिर इसको अपनी नेअमत का मज़ा चखाते हैं, इसके बाद कि इसको दुख दर्द ने घेर रखा था, तो खुश होकर कहने लगता है, मेरी सब तकलीफ रूखसत हो गयी और बेफिक्र होकर इतराने लगता है और अपनी होशियारी बघारने लगता है।
- And if WE give man a taste of Mercy from US, and then withdraw it from him, verily, he becomes despairing, ungrateful.
- 10. And if WE let him taste favour after harm has touched him, he is sure to say: "Ills have departed from me" and thus he becomes exultant and boastful.

ومامِنْ دَابَةٍ ١ متزل لي تعم معفر لوا الصَّلِحْتِ ، أولنه ر كرف والے بي روه ايسى حركت اور بردا -1(2, Jui كَبِبُرُ ، فَلَعَلَّكَ نَارِكُ بَعْضَ 60 🕕 توکيا .وحي آگ ی طرف کی گئی ہے، اُس پر 12 00 000 9 ip di 5 9% ألق داند 16 20'2 ليول نهيس أتارا كيا؛ القركوني فرم 22 يس آڀ تو شته بی آجاتا ، ىدور ام تقال والله ب نان ب r.s. الشر کیا بچتے ہیں کہ یہ کلام توانس (۱) یہ لوگ اور مفتربت ٩ 39 کے بتادو اور انٹر سے بنا کر پیش کر ی فرمادو که تم بھی ایسی دس ب، دون صبرقين . Jaul مرد کے لتے میلا سکو، سب کو میلا لو ، P 3% 12 3. يستحلبوا 32 تحیا ہے الشرکے علم سے اور اس میں یہ ، بذلاسكين، توجان لوكديد كلا تازل بتمعاري بات كاجواب لا هو ، فع 22 (1) (m) 9 ہے گا، اوراسی کی زینت اور بناؤ سنگار ہی لگارہے گا، نؤہم اس نے کی فسکر میں یہ کی بنا خسون ا اوگ (12) 27 خرة. المقرنة آت كااور جواعمال الفول. 29/ . ہوجائیں گے 'اور جو کھ کا) کرکے آئے آخرت میں سب کے سر 312

- 11. मगर जो लोग सब्र करने वाले हैं और नेक अमल करने वाले हैं (वे ऐसी हरकत नहीं करते) ऐसे लोगों के लिए मग्फिरत और बड़ा अज है।
- 12. तो क्या जो "वहय" आप की तरफ की गयी है, इस में से कुछ को छोड़ने वाले हो ? और इस बात पर तंग दिल हुए जाते हो कि वे कहते हैं, इसके साथ कोई खज़ाना क्यों नहीं उतारा गया या इसके साथ कोई फरिश्ता ही आ जाता। बस आप तो डर सुनाने वाले हो और अल्लाह हर हर चीज़ का निगेहबान है।
- 13. ये लोग क्या बकते हैं कि यह कलाम तो इसने अपने जी से बना लिया है। आप फरमा दो कि तुम भी ऐसी दस सूरतें अपने जी से बनाकर पेश कर के बता दो और अल्लाह के सिवा जिनको अपनी मदद के लिए बुला सको, सब को बुला लो, अगर तुम सच्चे हो।
- 14. फिर अगर ये लोग तुम्हारी बात का जवाब न ला सकें तो जान लो कि यह कलाम नाज़िल किया गया है अल्लाह के इल्म से और इस में यह बात बयान की जा रही है कि उसके सिवा कोई इबादत के लायक नहीं, तो क्या अब भी मुसलमान होते हो या नहीं।
- 15. जो शख्स दुनिया की ज़िन्दगी बनाने की फिक्र में रहेगा और उसीकी ज़ीनत और बनाव सिंगार में लगा रहेगा तो हम उसके कामों का बदला यहीं पूरा कर देंगे और ऐसे लोगों को यहाँ कोई कमी नहीं होगी।
- 16.ऐसे लोगों को आख़िरत में सिवाय आग के अज़ाब के और कुछ हाथ न आएगा और जो आमाल इन्होंने दुनिया में किए, सब बरबाद हो जाएँगे और जो कुछ काम कर के आए, आखिरत में सब के सब बातिल करार दिए जाएँगे।

- Not so are those who persevere and do righteous works, theirs will be forgiveness and a great reward.
- 12. Are you, perchance, to abandon a part of what is revealed to you? Or your chest is straitened because of their sayings: "Why has not a treasure been sent down on him, or an angel has come with him?" You are but a Warner and of everything ALLAH is a Trustee.
- 13. Or do they say, "he has fabricated it (the Quran)"? say you: "Bring then ten surahs the like of it fabricated and call whomsoever you can, other than ALLAH (to your help), if you speak the truth!"
- 14. Then if they do not respond, be sure that the source of it is the knowledge of ALLAH; except whom none has the right to be worshipped. Will you not, now, surrender your whole being unto HIM?
- 15. Any one who desires the life of the world and its glitter; WE shall repay them in full for their works therein; and in it they shall not be deluded.
- 16. These are they for whom there is nothing in the Hereafter except the fire; and vain are the deeds they did therein, and of no effect is that which they used to do.

ومامن دابترا ( . ) (14) وه کتنا کاآدی 19.4 (17) W 615 21 40 0.019 191 20 كالنكارى يوكا 94 4 20:0 15 2 Ċ 61.5 5. 5 3 50 4 \* [" w 1 2 (-(14) (14) ايمان تهي Ju L col. Sau الوكا جوالت じこし by توارى دى كے، كريہ وہ لوگ th. لوكوا ٥ 0 109 16 has 00,00 تح آگاه ا tu (.) (in) کو بھی روکتے ہیں ، اور اس ظالم 31 (1) -11 2 8 (19) (19) کے بارے یں بی انکار 57 Ui 2 6 01 (.); 352 39 600 و م دو 2 الله م 0 6. 0 ستن کیتے 1: 6 8 3% 33 ان کو عذاب ~ کان ہوتے ہو Ju تستطيعو 5 0 22, لحاقت (2) 313

ritor

- 17. वह कितना भला आदमी है, जो अपने रब की तरफ से आई हुई दलील पर कायम रहे और उसकी तिलावत कर के, उसका गवाह बन गया हो और इसके पहले भी मूसा (अलै.) की किताब इमाम (अगवाई करने वाली) और रहमत बन कर आयी थी इस पर ईमान लानेवाले लोग ऐसे हुआ करते हैं, और उन टोलियों और जत्थों में, जो भी इसका इन्कारी होगा उसका ठिकाना आग है, तुम इस में कुछ भी शक न करना, बस यही हक है तुम्हारे रब की तरफ से, लेकिन अक्सर लोग इस पर ईमान नहीं लाते।
- 18. और उससे बढ़कर ज़ालिम कौन होगा, जो अल्लाह पर झूठ मूठ बात बनाकर पेश करे, ऐसे लोग जब अपने रब के हुज़ूर पेशी में खड़े किए जाएँगे तो गवाह लोग गवाही देंगे कि ये वो लोग हैं, जो अपने रब के बारे में झूठी बातें चला रहे थे, आगाह रहो कि ऐसे ज़ालिमों पर अल्लाह की लानत की फटकार है।
- 19. फिर ये ज़ालिम लोग अल्लाह के रास्ते से दूसरे को भी रोकते रहे, और इस राह को टेढ़ी कर देने में लगे हैं, और आखिरत के बारे में भी इन्कार करते हैं।
- 20. ये लोग ज़मीन में किसी तरह अल्लाह को थका नहीं सकते थे और आज अल्लाह के मुकाबले में इन के कोई वली नहीं रहे, बल्कि इन को अज़ाब दुगना होगा, कान होते हुए भी ये लोग हक बात सुन लेने की ताकत से महरूम रहे और देखते भी नहीं थे।

- 17. How amiable man is he? Who relies upon an evidence from HIS LORD; recites it; and has become witness thereof ! And before it came the Book of Moosa, which was a guidance and mercy. They believe therein, but those of the sects that reject it, the fire will be their promised meeting-place. So be not in doubt about it. Verily it is the truth from your LORD, yet most of the mankind do not believe.
- 18. And who could be the greater unjust than he who fabricates a lie against ALLAH? These shall be set before their LORD, and witnesses shall say: "These are they who lied against their LORD." No doubt! The curse of ALLAH shall fall on the unjust-wrong-doers!
- Those who hinder others from the Path of ALLAH, and seek a crookedness therein, while they are disbelievers in the Hereafter.
- 20. By no means, they could in anyway frustrate ALLAH on earth, nor have they protectors besides ALLAH. Their torment will be doubled, for they could not bear to hear the truth, and they used not to see, in spite of the fact that they had the senses of hearing and the sight.

214 ومَامِنْ دَابَةٍ ١ الله الله بن خ يبصرون () أول ~ () کے کاظ سے 100 ڈالنے والے ثابت ہوتے اور جو کچھ تھوٹی باتیں بنا پاکرتے تھے وہ سب غائب ہوگئیں ~ Sur T رخسرون ٣ (.) ره هم (.~U Ut (٢٢) لے شک جو لے زیری e!!!! 9 ~ تھکے رہے ، ایسے ینے رب کی طرف عاجزی سے ا جنع 191601 O ( ) Uju ف نف کے لائق ہیں جس میں یہ ہمیش سریق کی حالت السی P دولوں Ob peru را دیکھتا اور شنتا ہوا ، مثال ہر ا، اور دو 7-19/ 10110 er (rr) (14 كي طرف رسول بناكر بصحا تتما اور بیشک، کے لوج کو اُن کی قوم (PP) ( ) (M الشريح سواحسي کي بندگي بذكرو، بين لت كملا بوا درشنان والابول (٢٠) تے اعلان ک ..... 5/21 ب يوم é دن کے عذاب کا اندلیت رکھت 01 (14) كفروا من قوم (.y.U d کے مت کر سر داریول اُنظے کہ تم تو ہمارے جیسے آ دمی ہو، اور سرسری نگاہ سے بھی معلوم ہوجا تاہے کہ ف (3 0 .... aul ے اور ذلیل قسم کے لوگ ، ک کردہے ہیں ، اور این [. ] لْنَا بَادِي الرَّايِ وَمَ کہ ع 1 بھی ہم نہیں دیکھ فضيلت ri Il i Ut 4 31 مُركبُ بِينَ ٤ قَالَ ) يقوم آ حضرت او ج بواب میں اولے اے برا در ان (re),

وي معلوم بوتل بكر محرت ور عليه العلوة والت لام كى توم ك جود حرى اور في في محسب تسب اور ذات بات كى برائ مان تح مح مشرح مي غريب لوك ايمان لات جو بيت مي غريب لوك ايمان لات جو بيت مي غريب لوك ايمان لات جو بيت مي غريب لوك ايمان لات بو مي مي مرب لوك برائ من مي اوران كامو الشر تعت لاك غزد يك مى مي جائز من مان جام بعنكى ، لو باد وغرو ، مي مان جائز بي ما بك كو ف شخص اين الدركام بر كر اتي ادراو في ذات كا بتاك ادر من مجو ا

منزل

- 21. ये लोग अंजाम के लिहाज़ से अपने आप को नुकसान में डालने वाले साबित हुए और जो कुछ झूठी बातें बनाया करते थे वो सब गायब हो गयीं।
- 22. कुछ भी शक नहीं कि ये लोग आख़िरत में बहुत ज़्यादा नुक़्सान उठाने वाले हैं।
- 23. बेशक जो लोग ईमान लाए और नेक अमल करते रहें और अपने रब की तरफ आजज़ी (नम्रता) से झुके रहें, ऐसे तमाम लोग जन्नत के लायक हैं, जिसमें ये हमेशा रहा करेंगे।
- 24. दोनों फरीक की हालत ऐसी है जैसे एक अन्धा और बहरा और दूसरा देखता और सुनता हुआ, मिसाल में क्या ये दोनों बराबर हैं ? तो फिर तुम नसीहत क्यों नहीं कबूल कर लेते ?
- 25. और बेशक हम ने नूह (अलै.) को उन की कौम की तरफ रसूल बनाकर भेजा था, उन्होंने ऐलान किया कि मैं तुम्हारे लिए खुला हुआ डर सुनाने वाला हूँ।
- 26. कि तुम अल्लाह के सिवा किसी की बन्दगी न करो, मैं तुम्हारे बारे में एक दर्दनाक दिन के अज़ाब का अन्देशा रखता हूँ।
- 27. तब उन की कौम के मुन्किर सरदार बोल उठे कि तुम तो हमारे जैसे आदमी हो और सरसरी निगाह से भी मालूम हो जाता है कि तुम्हारी इत्तेबा (बात मान लेना) हम में से कुछ गिरे पड़े और ज़लील किस्म के लोग ही कर रहे हैं और अपने मुकाबले में तुम्हारी कोई फज़ीलत भी हम नहीं देख रहे हैं, बल्कि हमारा यह खयाल है कि तुम झूठे हो।

- 21. They are those who have lost their own selves, and their invented false deities would have vanished from them.
- 22. Undoubtedly they are those, who shall be the greatest losers in the Hereafter.
- 23. Verily, those who believe, and do righteous good deeds, and humble themselves before their LORD, all such people shall be the inhabitants of Paradise to dwell therein forever.
- 24. The condition of the two parties is as the blind and the deaf; and the viewer and the hearer. Are they equal when compared? Are you not admonished then?

2 16 2

- 25. And indeed WE sent Nooh to his people as a messenger (prophet) (saying): "I have come to you as a plain Warner."
- 26. "That you worship none but ALLAH; surely, I fear for you the torment of a painful Day."
- 27. The chiefs of the disbelievers among his people said: "We find you nothing more than a human being like ourselves; nor do we see any follow you but the meanest among us, and they too followed you without thinking; nor we find in you any superiority over us; in fact we think you are liars."

ومَامِنْ دَابَةٍ ١٢ كْنْتُ عَلْ بَبْبَةٍ مِّنْ رَّبِّي وَانْعَنِي رَحْ ا يرتو ديموكداكرين اين رب كى طرف سے ايك روشن دليل پر فائم بول اوراس فے مح مِنْ عِنْدِهِ فَعُبِّيتُ عَلَيْكُمْ د أَنْلُزِمُكُمُوها وَ نواز دیا اورتم ایسے اندسے ہوکہ تم کو کچھ سو تھتا ہی نہیں، تواب کیا میں یہ چیز زبر دستی تھارے سرتقوب دوں ؟ جب ک مَا كَرِهُوْنَ () وَ لِقُوْمِ لَا أَسْئُلُكُمْ عَلَيْهِ مَ توائے نالیے ند کرتے ہو 🕥 اور اے میری تو کے لوگو ! میں نے تم سے اس بات پر کسی مال کا سوال تو نہیں نُ أَجُرِي إِلَّا عَلَى اللهِ وَمَّا أَنَّا بِطَارِدِ الَّذِينَ یا،میرا آجر توالت کے ذمیر ہے، اور میں ان ایک اولوں کو جو تمصاری کا ہیں حقیر لگتے ہیں، دھتکارنے والابھی نہیں، انْهُمْ مَّلْقُوْا رَبِّهِمْ وَلَكِنَّيْ آرْبِ لم قوم رب سے ملنے والے ہیں ، لیے کن میں دیکھتا ہوں کہتم ایک ایسی قوم ہو جو جہالت پر اُتر وُنَ 🕞 وَيَقْوُمِ مَنْ يَبْصُرُنِي مِنَ اللهِ إِنْ (۲) اے میری توم ! اگریں ان کو دستکار دول ، تو الٹر کے عذاب سے کیا هُمْ الْلَا تَنْ كَرُوْنَ ﴿ وَلَا أَفَوْلُ لَكُمْ عِنْدِي لون مددگار ہو سکے کا ؟ تھلا اب بھی تم تور کیوں نہیں کرتے 🕙 اور میں یہ نہیں کہتا کہ میرے خَزَايِنَ اللهِ وَلا أَعْلَمُ الْغُنْبَ وَلا أَقُولُ إِنَّى اور می توغیب کاعلم بھی نہیں رکھتا ، اور میں یہ بھی نہیں کہتا کہ میں فرسٹ ہوں ، اور تمعاری آنگھیر اقْوْلُ لِلَّذِينَ تَزْدَرِي أَعْلَنْكُمْ لَ ی دیکھ رہی ہیں ان کے بارے میں یہ نہیں کہ سکتا کہ ان کوا التّر بھلائی سے نہیں توازے گا، التّد خوب هُمُ اللهُ خَيْرًا ﴿ ٱللهُ أَعْلَمُ بِهَا فِي ٱ فَقُسِمَ ﴾ ہے جو کچھ ان کے دلول میں ہے ، اگر میں کوئی ایسی بات کہ دوں تو میں اشمار ان لوگوں إذا لِمِنَ الظَّلِمِينَ () قَالُوا بِنُوحُ قُدْ حُكَ جاب میں وہ لوگ اولے کہ اے نوح ایت ہم سے بحث 64 بْرُنَ جِدَالَنَا فَأَتِنَا بِهَا نَعِدُنَا إِنْ كُنْتَ ججت کر چکے، اور بہت تبعکرا کھڑا کیا، اب تو وہ عذاب، ی لے آؤجس کی تم ہمیں دھم کی دیتے ہو، مِنَ الصَّدِقِبُنَ ، فَالَ إِنَّهَا يَأْتِنِكُمُ بِهِ اللهُ إِنْ (٣) جواب مي توج في فراياك الرائش ياب كاتو عذاب عى تم ير آ يرم الكاند (٢)

واللہ معلوم ہواکد اکرکوئی سیفیر ہوت بھی یہ دعولی نہیں کرسکتا کہ وہ اللہ ک خزانے کا مالک ہے یا علم غیب دکھت ہے اور فرسفتہ ہونے کا دعولی تھی نہیں کرتا اور کام کاج یانسل اور دنگ کے سبب کسی کو او نچ نیچ نہیں مانتا نیہ سبب کسی کو او نچ نیچ نہیں مانتا نیہ مل مالم جابل اور اول در جے لیے یا وگ ہیں جو ایک طرف تو اللہ رکے طرف اللہ کے نہیتوں کے دنیا سے چلے جانے کے بعد ان کے نام پر صدب ریا دہ باتیں برط حاج رط اکر حق بات کو اگر چھا دیتے ہیں -

relio

- 28. हज़रत नूह (अलै.) जवाब में बोले, ऐ बिरादराने कौम ! यह तो देखो कि अगर मैं अपने रब की तरफ से एक रौशन दलील पर कायम हूँ और उसी ने मुझे अपनी तरफ से यह रहमत देकर नवाज़ दिया और तुम ऐसे अन्धे हो कि तुमको कुछ सूझता ही नहीं, तो अब क्या मैं यह चीज़ ज़बरदस्ती तुम्हारे सर थोप दूं ? जब कि तुम तो उसे ना पसन्द करते हो।
- 29. और ऐ मेरी कौम के लोगो ! मैंने तुमसे इस बात पर किसी माल का सवाल तो नहीं किया, मेरा अज (बदला) तो अल्लाह के ज़िम्मे है और मैं इन ईमान वालों को, जो तुम्हारी निगाह में हक़ीर लगते हैं, धुतकारने वाला भी नहीं ये सब अपने रब से मिलने वाले हैं, लेकिन मैं देखता हूँ कि तुम एक ऐसी कौम हो, जो जिहालत पर उत्तर आयी हो।
- 30.ऐ मेरी कौम ! अगर मैं उनको धुतकार दूं, तो अल्लाह के अज़ाब से बचाने में मेरा कौन मददगार हो सकेगा? भला, अब भी तुम गौर क्यों नहीं करते ?
- 31. और मैं यह नहीं कहता कि मेरे पास अल्लाह के खज़ाने हैं और मैं तो ग़ैब का इल्म भी नहीं रखता और मैं यह भी नहीं कहता कि मैं फरिश्ता हूँ और तुम्हारी आँखें जिनको ज़लील देख रही हैं, उनके बारे में ये नहीं कह सकता कि उन को अल्लाह भलाई से नहीं नवाज़ेगा, अल्लाह खूब जानता है जो कुछ इन के दिलों में है, अगर मैं कोई ऐसी बात कह दूं तो मेरा शुमार उन लोगों में होगा, जो ज़ालिम हैं।
- 32. जवाब में वो लोग बोले कि ऐ नूह (अलै.) तुम हम से बहस हुज्जत कर चुके और बहुत झगड़ा खड़ा किया, अब तो वो अज़ाब ही ले आओ, जिसकी तुम हमें धमकी देते हो अगर तुम सच्चे हो।

- 28. Nooh replied: "Bethink O my people! If I rested upon a clear proof from my LORD, and a mercy has come to me from HIM, but that has been obscured from your sight; shall we compel you to accept it when you have a strong dislike for it?"
- 29. "And O my people! I do not ask of you any riches therefor; my reward is only with ALLAH. And I am not going to drive away those who have believed; whereas you regard them valueless. Surely they are going to meet their LORD, but I see that you are a people who have resolved to be ignorant."
- 30. "O my people! Who will support me to avert ALLAH's punishment if I drive them away? Will you not then give a thought?"
- 31. "And I do not say to you that with me are the treasures of ALLAH, nor that I know the Unseen, nor do I say 'I am an angel', and I do not say of those whom your eyes look down upon, that ALLAH will not bestow any good on them. ALLAH knows what is in their inner selves. If I assert any such thing, then I shall be among the unjust."
- 32. They said: "O Nooh! You have disputed with us and much have you prolonged the dispute; now bring upon what you threaten us with, if you are of the truthful."

وَمَامِنُ دَابَتَهِ ١٢ milia ې بېغېزين 🐨 2 60 اور اگریس جا ہوں کہ تمھاری خبر خوا ہی کروں ، اور پھر تم کہیں بچے کر جا بھی نہیں سکو گے FP êl d 1842 ورمى إليه ترجعون ه هورت كَحْ قَف 56 (MM) لوط کی طرف ہے اور اسی افتريته 5 b d 0 یے آپ اُن سے کہ دوکہ اگر می نے اپنے چی سیاس قرآن کو تو دسی بنالیا ہے تو مرب آل 1/1/1/22 أوجى إلے بَرْي مِمْتَا نَجْرِمُونَ ٥ وَ 0 جرم کاوبال تھ برب اور وجرم تم کرر بے ہواس کے ویال سی بڑی ہوں () اور او تی کی طرف وجی کردی کئی کر آپ کی قوم يَّؤْمِنَ مِنْ قَوْمِكَ إِلَّا مَنْ قُلْ امْن تان لایا سو لاچکا، اب کونی ان کے سوا ایمتان مد لاتے گا، تو اب تم وم ومنست تفر معجب آدمي 5 01 بخشك يركشتي بنار باب ، كياكشتي كو كَانُوْا بَفْعَلُوْنَ رَضْ وَاصْنَ 9 المطاكردرايس فيجات كاكشن يا ناؤتوكسى درباك كنار بنانا جابية یال سے دکھی ہونا بم اری نگرانی میں اور اور تم 300 کرین جانے کے فورًا بعدا سے دریامی isi أتاردا مات ليكن تهيس جانت تق کہ اس شتی کولے جانے کے لیے دریا شتی بناؤ، اور ان ظالموں کے بارے میں مجھ تاری وجی کے مطابق ایک خوداس كاؤل مي آت كانتب على مغرفون ٢ 10: ظلبواءإنه ، وكاكه بنى كى مخالفت كاكيا اخت م -4 5% وع کی، اورجه ت نوځ نے مشق بنانی (PL) یانی می ڈلو ڈلو ک -r 6 a li in S C 4 بمثارا ان کی توم کے بودھری وہاں سے گذرتے تو نوج 3. T(L) (L) . E. E. 3 2 w 66 5. دل Jigh تِبْهِ عَدْ ودن i di کو بہت جلد یہ معلوم ہو تے کا کہ ڈسوا کرتے والا عذار TA . (TA) 215 نم عليه عداب مع آیا، اور یہ عذاب امر کر کس پر قائم ہو کر رہے گا المالية ٢ 316

- 33. जवाब में नूह (अलै.) ने फरमाया कि अगर अल्लाह चाहेगा तो अज़ाब भी तुम पर आ पड़ेगा और फिर तुम कहीं बच कर जा भी नहीं सकोगे।
- 34. और अगर मैं चाहूँ कि तुमको नसीहत करूँ और अल्लाह तुमको राहे हिदायत से महरूम कर दे, तो मेरा भला चाहना, तुमको कुछ भी नफा न देगा वही तुम्हारा रब है और उसी की तरफ तुम लौट कर जाओगे।
- 35. क्या ये लोग यूं कहते हैं कि इस नबी ने कुरआन को अपने दिल से बना लिया है आप इन से कह दो कि अगर मैंने अपने जी से इस कुरआन को खुद ही बना लिया है तो मेरे इस जुर्म का वबाल मुझ पर है और जो जुर्म तुम कर रहे हो उसके वबाल से मैं बरी हूँ।
- 36. और नूह (अलै.) की तरफ ''वहय'' कर दी गयी कि आप की कौम में से जो ईमान लाया सो ला चुका अब कोई इनके सिवा ईमान न लाएगा( तो अब तुम इन की चाल से दुखी होना छोड़ दो।
- 37. और तुम हमारी निगरानी में और हमारी ''वहय'' के मुताबिक एक कश्ती बनाओ और इन ज़ालिमों के बारे में मुझ से बात भी न करना, इसलिए कि ये सब लोग पानी में डुबा डुबा कर मारे जाएँगे।
- 38. तब नूह (अलै.) ने कश्ती बनानी शुरू की और जब जब उन की कौम के चौधरी वहाँ से गुज़रते, तो नूह की खिल्ली उड़ाते, नूह (अलै.) बोले, अच्छा तुम हमारा मज़ाक उड़ाते हो तो तुम्हारी तरह एक दिन हम भी तुम्हारी हँसी उड़ायेंगे।
- 39.फिर तुमको बहुत जल्द यहू मालूम हो जाएगा कि रूसवा करने वाला अज़ाब किस पर आया और यह अज़ाब उतरकर किस पर कायम होकर रहेगा।

- 33. Nooh said: "If ALLAH wills, the punishment will befall on you, but then you shall not be able to save yourselves by fleeing."
- 34. "Nor would my good counsel profit you, even if I wished to give you good counsel, while ALLAH wished to keep you astray. HE is your LORD, and to HIM you shall be returned."
- 35. Or do they say: "This Prophet has fabricated the Quran," say: "If I have fabricated it, upon me shall be my crimes, but I am innocent of all those crimes which you commit."
- 36. And it was revealed unto Nooh: "Verily, none of your people will believe except those who have believed already; so do not be distressed at what they have been doing."
- 37. And assemble the ship under OUR eyes and with OUR inspiration and address ME not on behalf of those who did wrong; for they are surely to be drowned.
- 38. And as he was constructing the ship, whenever the chiefs of his people passed by him, they made a mockery of him. Nooh said: "If you scoff at us, we also shall scoff at you, as you scoff at us."
- 39. "So precisely you shall know on whom comes a torment that humiliates him, and on whom is let loose the torment lasting."

" Uio ءَ أَمْرُنَا وَفَارَ التَنْغُوْرُ فَلْنَا احْبِلْ فِبْهَا (.) قیا اور تنور ( روٹی پکانے کے چولیے) میں سے پانی ایلنے لگا، توہم فے حکم دیا کہ ہزشہم کا جوڑا جوڑا جَبْنِ اثْنَبْنِ وَآ لك الأمر، ساق - 9 تی میں سوار کرلو، اور اپنے گھر دالوں کو بھی آپ مگراس کو نہیں جس کے بارے بیر امن ، وما امن معة إل 091 100 وار كروا ور أو ت برديت تقور سے لوگ ، آسی کو س ) لِسْمِ اللهِ مَجْرِ ب سوار ہوجاؤ، ایشر کے نام سے ہے اس کا چلتا اور آ : (5) ( ) ph والك مذكون منزل ب ككس جكرما تا والا اور برط الرحيم ب و (٢) اور يحشق ان س ی کولے کر پہاڈوں جیسی اولچی موجوں بات ، معفرت م اور مربق کر کشتی کمال کلم ک ے نوج ابن اس لت توج علب الصلوة والت لام ف 069 فراياكدان كالمكساتة اسكا ينيخ كو آداز دي جو الگ تھا اے۔ اور لہروں کے بیچ چلنے لگی، اور جلنااور تظهرنا بهم كوسواري مل بيختميت من مع بَبْبُنَى ارْكُبُ مَّعَنَّا وَلَا تُحَ م ، ایشتی طوفان می بولول کف آن خدا کے علم سے تیرتی چلیتی تھی، اورانشر سوار ہوجا، اور نا نسب ماذں کا سائقی 5. m اعظم سے بانی کم ہوناجب شروع ہوا، ماء ما ادى ا اور بباروں کے سرمانی سے کھلے لگے توايك ببالاجس كانام جودى بال کر اولا میں تحسی پہن اڑ بر چلا جاؤں گا، وہ مجھے پانی سے بچالے گا، نون م 13.2 eo 22 ی چوٹی بریشتی نیزنے سے معذور رجم ، و اليوم بوكريت المكس الكركم كرم كمرى-امرالته إلام ي واور بات بي، ات م ان مر ينظ كے نيچ الحين اور نوخ كا بيٹا بھى ياتى من دوب كرم نے والول من شامل ہوا () الشر كا حكم ہوا، اے زمين د) وعيف 5 نگل جا، اور اے آسمان تھم 539. 66, یا بی سوکھ کیا الجودي وقد رُ وَاسْتَوَتْ عَ ار بیر میک گئی ، اور اعلان ہو گیا ظالم قوم کو 22 لمِبْنَ ٢٠ وَنَادَى نُوْحُ رَبّ تحییا 🝘 نوع نے اپنے رب کو پکارا اور عرض کیا اے رب میرا بیٹا میرے گھر والوں م

- 40. यहाँ तक कि जब हमारा हुक्म आ गया और तन्दूर (रोटी पकाने के चूल्हे) में से पानी उबलने लगा, तो हम ने हुक्म दिया कि हर किस्म का जोड़ा इस कश्ती में सवार कर लो और अपने घरवालों को भी, मगर उसको नहीं, जिसके बारे में फैसला हो चुका है। और जो ईमान लाया है, सिर्फ उसी को सवार करो और नूह (अलै.) पर बहुत थोड़े से लोग ईमान लाए थे।
- 41. और नूह (अलै.) ने कहा कि इस में अब सवार हो जाओ, अल्लाह के नाम से है इसका चलना और ठहरना भी, बेशक मेरा रब बहुत ही मग्फिरत फ़रमाने वाला और बड़ा रहीम है।
- 42. और यह कश्ती इन सब को लेकर पहाड़ों जैसी उँची मौजों और लहरों के बीच चलने लगी और नूह (अलै.) ने अपने बेटे को आवाज़ दी जो अलग था (ऐ बेटे,) हमारे साथ सवार हो जा और नाफ़रमानों का साथी मत बन।
- 43. वह पलट कर बोला, मैं किसी पहाड़ पर चला जाऊँगा, वह मुझे पानी से बचा लेगा, नूह (अलै.) ने जवाब दिया कि आज अल्लाह के हुक्म से बचाने वाला कोई नहीं, बस अल्लाह किसी पर रहम करे तो और बात है, इतने में एक मौज दोनों बाप बेटे के बीच आ गयी और नूह (अलै.) का बेटा भी पानी में डूब कर मरने वालों में शामिल हुआ।
- 44. अल्लाह का हुक्म हुआ, ऐ ज़मीन अपना पानी निगल जा और ऐ आसमान थम जा, पानी सूख गया और फैसला पूरा हो गया और कश्ती "जूदी" पहाड़ पर टिक गयी और ऐलान हो गया कि ज़ालिम कौम को रहमत से दूर कर दिया गया।

- 40. So it was, till OUR command reached and the oven gushed forth water. WE said "Carry thereon of every kind two, (male and female), and your family- except him against whom the Word has already gone forth- and those who believe. And none believed with him, except a few."
- 41. And Nooh said: "Embark therein, in the name of ALLAH will be its moving course, and its resting anchorage. Surely, my LORD is Oft-Forgiving, Most Merciful.
- 42. And the ship moved on with them amidst waves like mountains; and Nooh called out to his son, who had separated himself apart, "O my son! Embark with us and be not with the disbelievers."
- 43. The son replied: "I will betake myself to a mountain which will shield me from the water." Nooh said: "This day there is no saviour from the Decree of ALLAH, except him on whom HE has mercy." And a wave intervened between the two, and the son was among the drowned.
- 44. And it was said: "O earth! Swallow up your water, and O sky! Withhold your rain." And the water was made to subside, and the Decree of ALLAH was fulfilled. And the ship rested upon the Mount Judi, and it was said: "Away with the wrong doing people!"

ومَامِنُدَا بَلَةِ ١٢ ritio لى وإنّ وعداك الحقّ وأنت esto . 1 = 1 = 101 نے والوں میں تو یک فَجُ إِنَّهُ لَيْسَ مِنْ 500 12.6 2203 () رب نے فرمایا اے والون ين SL تشتكن م المرققة 19 ، بس مجھ سے ایسی بات کا سوال مت کرنا جس nº L ن تكون م w Moules e ( - > 214 (m), -رتا ہوں کہ تاداؤں میں مجھی اپنے 2 もに فأعود 13 03 ، ایسے کام پرجس کا مجھےعلم نہ تھا ، اور اگر تو مجھ *پتری پن*اہ میں آیا تھے بچالے اس بات لا تغفر لے وَتَ رحمتني أكن والم إس آيت سلميحت بكرس الخسرين @ دہ لوگ ہودعولی کرتے رہتے ہی کہ نے کا تو میں بھی نقصت ان اُتھاتے والوا 23 1. 3. 19 182 C ) يو جاؤل كا اولیار، بیر پی مرکی ان کو بناه بان کا يح بني بجرف كأجاب ميساعس كرس کَتٍ عَلَدُ 10 بدان كالجوفي بكواس بججت الني سیح سلامت <sup>ا</sup> ترجاؤ ، تم پر ہماری طرف سلامتی اور پر میں ہیں اوران لوگوں پر چھ ماماكه الحانوج اب مشتى سے ابت بيط كوعذاب سے نہيں بچاسکے اورون كاكيا تعكار لك سكتابan mine 000 ، ایسے بھی ہیں جن کو ہم تھوڑی مدّت کے لئے زندگی کا سامان کا م چلانے کو بر م القال اور نَابٌ أَلِبْجُر (<) تِلْكَ مِ is of (---Ustel -1 CO BL دی گے بھر ہماری طف سے ان کو در دناک عذاب آگھ ے محد صلی الشرعلیہ و ت تع (... (5) یس سے ہیں، ہم جس کی وحی تمھاری طرف بھیج رہے ہیں، اس سے پہلے نہ تم ان بالوں کو جانتے تھے، اور نہتھ اری ة فأصبر ڤار هد (.) Fier of julis. گاروں کا جاؤ ، 2 ٢ ٢ ٢ هم هود بْنَ أَوَ إِلَى عَادٍ اغ En b (1) اور عاد کی طرف ان کے بھائی ہوڑ کو بھیجا گیا ، ہوڑ نے فرمایا اے میں 6 % كُمْ قِمْنُ إِلَٰهِ عَبُرُهُ وَإِنَّ ادرى ك لوكو ! الشرى بندكى كرو اس ك سوا تحمارا كونى معبود بنيس تم سحب راسة چهور كرمن تحرت راه 318

- 45. नूह (अलै.) ने अपने रब को पुकारा और अर्ज़ किया, ऐ रब, मेरा बेटा, मेरे घरवालों में से है और तेरा वादा बरहक है और फ़ैसला करने वालों में तू ही सबसे बड़ा हाकिम है।
- 46. रब ने फरमाया ऐ नूह ! यह तेरे घरवालों में शामिल नहीं, इसलिए कि इसका अमल नेक नहीं, बस( मुझसे ऐसी बात का सवाल मत करना, जिसका तुमको इल्म नहीं, मैं तुमको नसीहत करता हूँ कि नादानों में कभी अपने आप को शामिल न रखना।
- 47. नूह (अलै.) ने अर्ज किया, ऐ रब ! मैं तेरी पनाह में आया मुझे बचा ले ऐसी बात से कि मैं सवाल कर बैठा तुझ से एक ऐसे काम का, जिसका मुझे इल्म न था और अगर तू मुझको माफ न करेगा और मुझ पर रहम न फरमायेगा तो मैं भी नुकसान उठाने वालों में हो जाऊंगा।
- 49. हम ने फरमाया कि ऐ नूह (अलै.) ! अब कश्ती से सही सलामत उतर जाओ, तुम पर हमारी सलामती और बरकतें हैं और उन लोगों पर भी जो तुम्हारे साथ हैं और कुछ लोग ऐसे भी हैं, जिनको हम थोड़ी मुद्दत के लिए ज़िंदगी का सामान काम चलाने को बरतने के लिए देंगे, फिर हमारी तरफ से उन को दर्दनाक अज़ाब आ घेरेगा।
- 49. ऐ मुहम्मद सल्लल्लाहु अलैहि व सल्लम ये किस्से ग़ैब की खबरों में से हैं, हम जिसकी "वहय" तुम्हारी तरफ भेज रहे हैं, इससे पहले न तुम इन बातों को जानते थे और न तुम्हारी कौम जानती थी, बस, सब्र किए जाओ, अंजाम परहेज़गारों का अच्छा होगा।
- 50. और आद की तरफ उन के भाई हूद (अलै.) को भेजा गया, हूद (अलै.) ने फरमाया, ऐ मेरी बिरादरी के लोगो ! अल्लाह की बन्दगी करो, उसके सिवा तुम्हारा कोई माबूद नहीं, तुम सच्चा रास्ता छोड़कर मन घड़त राह पर चल पडे हो।

- 45. And Nooh cried to his LORD and said:"O my LORD! Verily my son is of my family, and certainly, YOUR promise is true, and YOU are the Most Just of the judges."
- 46. LORD said: "O Nooh! Surely, he is not of your family! Verily, his work is unrighteous! So do not ask ME that of which you have no knowledge. I admonish you, lest you be one of the ignorant!
- 47. Nooh said: "O my LORD! I seek refuge with YOU from asking YOU that of which I have no knowledge. And unless you forgive me and have mercy on me; I would indeed be one of the losers.
- 48. WE said: "O Nooh! come down from the ship with peace from US and blessings on you and on the people who are with you, but there will be other people also to whom WE shall grant their pleasures for a time (ordained), but in the end a painful torment will reach them from US.
- 49. This is of the news of the unseen, OProphet, which WE reveal unto you; neitheryou nor your people knew them before this.So be patient, verily, the happy end is forthose who are conscious of ALLAH.

4 14 4

50. And to Aad (people,) WE sent their brother Hud. He said: "O my people! Worship ALLAH alone. You have no other deity but HIM; leaving this straight Path, you do nothing but invent lies."

ومَامِنْ دَابَةٍ ١٢ مُفْتَرُوْنَ ٤ لِقَوْمِ لا ٱسْعَلْكُمْ عَلَيْهِ أَجْرًا إِنْ أَجْرِي چل پڑے ہو 💿 اے میری قوم کے لوگو ! میں اس پیغام پر تم سے سی اجر کا سوال نہیں کرتا، میری محنت کا اجر الَّذِي فَطَرَنِي مَا أَفَلَا تَعْقِلُونَ ٥ وَ فِقُوم توائس مالک پر ہے جس نے مجھر پیدا کیا ہے، کیا تم کو عقل نہیں اکدانتی بات تم سجھ نہیں پاتے 🕘 اے میری برا دری کے سُنَعْفِرُوا رَبِّكُمْ ثُمَّ نُوْبُوْ إِلَيْهِ بُرُسِلِ التَّمَاءَ عَلَيْكُمْ لوگو ! اپنے رب سے اپنے گناہ بخشوالو، پھر آوبر کرکے اسی کے ہور ہو تو دہ تم پر آسمان سے نوب اچھی پارش برسانے گا، اور آج ہو وبزدكم فوةا-تمھاری طاقت ہے اس میں بہت زیادہ ترتی دے تحرتمھا ری طاقت اور بڑھا دے گا اور ٹم مجرم بن کرمیری بات سے منہ مُجْرِمِبْنَ ، قَالُوًا لِهُوْدُ مَاجِئْتَنَا بِبَيْنَةٍ وَمَا نَحْنُ (a) توم کاوگ جواب میں بولے ! کرائے ہوڈ ہمارے سامنے تم کوئی دیس نہیں لاتے ،اور جمرنا چمور دو بْتَارِكِي الْهَذِبْنَا عَنْ قُوْلِكَ وَمَا نَحُنُ لَكَ بِمُؤْمِنِينَ . ، متمار یے معبودوں کو چھوڑ دالے نہیں ، اور ہم تھاری بات مان کر نہیں دی گے ( نُ تَقُولُ إِلَّا اعْتَرْبِكَ بَعُضُ الْهَتِنَا بِسُو عِ اب ہمارا تو یہ مہنا ہے کہ ہمارے کھ معبود تم پر بخر اُسط ہیں اور تم کو جھیٹ کر جملی بنا دیا ہے، تب ہود جواب میں او لے کہ میں تو نْيُ أَشْهِدُ اللهُ وَاشْهَدُ وَالْتَهَا لَكُ بَرِي اللهُ وَ اپنی دعوت برانشد کی گواہی پیش کرتا ہوں ' اور تم بھی گواہ رہنا کہ ہیں تھاری منٹرک برا دری سے مخالفت کا اعلان سَنُرِكُونَ ٢ مِنْ دُوْنِهِ فَكِيدُ وَنِي جَمِيعًا نَهُ لَا مرتا بوں 👘 اللہ بے سوانتمعارے پاس جوکونی بھی ہوں سب کوا تحطے لاکر مجھے اطلاع دیتے بغیرا جانگ مجھ پر دھا وابول دو نُنْظِرُونِ ١٤ إِنَّى تَوَكَّلْتُ عَلَى اللهِ رَبِّي وَمَ يَح ج بھی صمیل کھر نہ بکالاسکو کے فی میں نے اللہ پر *جروسہ کر*لیا ہے ہو میرا بھی دب ہے اور تھارا بھی دب ہے، ہرجا ندا رک پوٹی میشانی مَامِنُ دَابَةٍ إِلَّا هُوَ إَخِذًا بِنَاصِبَتِهَا دانَ رَ الله كى يحر مي ب، اورجان لوكه جو مير رب كو يانا جا بتاب، اے میں داہ عَلْ صِرَاطٍ مُسْتَقِدُ و فَإِنْ تَوَلَّوْا فَقَ ( بچر بھی اگر تم نہیں مانے ، تو میں نے وہ سارے پیغا م بر بلنا بوگا مَّا أُرْسِلْتُ بِبَهُ إِلَيْكُمْ وَكَشْتَخْلِفُ رَبِّي قَوْمًا عَلَى الذ فقاعة ، تک پہنچا دیہے جسے دے کر مجھ تمھاری طرف بیںجا گیا تھا ، اور اب تو میرارب متھارے سوائسی غیر قوم کو متھاری جگہ پر

"Uio وار التركي بى اور رسول تب ليخ دین کومعاش کا ذرایعه یا کارو باری چر نہیں بناتے بلکہ بلیخ دین ان کی زندكى كامقصد يوتا ب جس يرسى سے اُجرت مزدوری نہیں مانگت ان كااجرالتركي ذمترب دنياس ولدك مذبب کے نام پردوکان داری کرتے بیں اور عوام سے اپنے مزہبی منصب كامعاد فنه ليت ريت إس اوران كے ليختشش تحجعلى اوربناؤني يردان جارى كرك اينا يربط بحرت بس تعر جن سے بھاری بھاری دقم طلب کی ب ان کی خواہشات اور مرضی کاخیال اور لماظر كمعناان كومردرى بوتاب اس پردین کی ک دورورت میں تبديل ادر دين كي فرائض اور داجمات سيجوط ومتاان کے لیے لازمی ہے جس کے بب مذمهى علمار اوركتري شين مجاورول ى اىك بىرى نوج اس زمين يرطاقتور بودم يو الحسائة ساند كاند دین کے ستح خادموں کے خلاف جوف يرومكند مركوام س ايس مالات يداكرتى ب كرميح دین کے بارے میں شک وشبر ہویا آ ب تفصيل کے لئے دیکھنے - ١٠ - يون آیت ملک، ۲۲ مشوری آیت ملا ٢٢ - ٢٠ - ١٠٠٠ ١٠٠٠ ٩٠ - تو-آبت بک والم لین گذرے ہوتے وقت برا جو کھ ہوچکا، سوہوچکااس پراندے معت في مانك لوا ورائح تو-كردتاك متقبل من م يراسترك نعمت - 413% وسف مشرك قوم المسالم توبوتى بى مے صدی اور م ط دحرم بھی ہوتی ب، مترك ك توريرال كي ني ف مردليل ينش كردى بيرجى بهوذلالسكرا ى قوم يوبى كە دلېل توكچولات نېس يو بحريم كيسي تحفاري بات مان لي -والمص مشرك لوك لو الما ا - يود بار يغريون كتم فكستا في ك

- 51. ऐ मेरी कौम के लोगो ! मैं इस पैग़ाम पर तुम से किसी अज़ (बदले) का सवाल नहीं करता, मेरी मेहनत का अज तो उस मालिक पर है जिसने मुझे पैदा किया है, क्या तुम को अक्ल नहीं कि इतनी साफ बात तुम समझ नहीं पाते। 52. ऐ मेरी बिरादरी के लोगो ! अपने रब से अपने गुनाह बख्शवा लो, फिर तौबा कर के उसी के हो रहो तो वह तुम पर आसमान से खूब अच्छी बारिश बरसायेगा और आज जो तुम्हारी ताकत है, इस में बहुत ज़्यादा तरक्की देकर तुम्हारी ताकत और बढ़ा देगा और तुम मुजरिम बन कर मेरी बात से मुँह फेरना छोड़ दो।
- 53. कौम के लोग जवाब में बोले, ऐ हूद (अलै.) ! हमारे सामने तुम कोई दलील नहीं लाए और हम तुम्हारे कहने से अपने माबूदों को छोड़ने वाले नहीं और हम तुम्हारी बात मान कर नहीं देंगे।
- 54. अब हमारा तो यह कहना है कि हमारे कुछ माबूद तुम पर बिगड़ उठे हैं और तुम को झपट कर खब्ती बना दिया है तब हूद (अलै.) जवाब में बोले कि मैं तो अपनी दावत पर अल्लाह की गवाही पेश करता हूँ और तुम भी गवाह रहना कि मैं तुम्हारी मुश्रिक बिरादरी से मुखालिफत का ऐलान करता हूँ।
- 55. अल्लाह के सिवा तुम्हारे पास जो कोई भी हो, सबको इकट्ठे लाकर मुझे इत्तिला दिए बगैर अचानक मुझ पर धावा बोल दो, तब भी तुम मेरा कुछ न बिगाड़ सकोगे। 56. मैंने अल्लाह पर भरोसा कर लिया है जो मेरा भी रब है और तुम्हारा भी रब है हर जानदार की चोटी पेशानी अल्लाह की पकड़ में है और जान लो कि जो मेरे रब को पाना चाहता है, उसे सीधी राह पर चलना होगा। 57. फिर भी अगर तुम नहीं मानते तो मैंने वह सारे पैगाम तुम तक पहुँचा दिए, जिसे देकर मुझे तुम्हारी तरफ भेजा गया था और अब तो मेरा रब तुम्हारे सिवा किसी गैर
  - कौम को तुम्हारी जगह पर लाएगा और तुम उसका कुछ भी बिगाड़ न सकोगे। बेशक मेरा रब हर हर चीज़ पर खुद ही निगेहबानी और हिफाज़त करने वाला है।

- 51. "O my people! I ask of you no wage therefor; my reward rests only on HIM Who created me, will you not then reflect?"
- 52. "O my people! Ask forgiveness of your LORD, then repent to HIM: HE will send you from the sky, rain abundant, and add strength to your strength. So turn not away as guilty ones."
- 53. They said: "O Hud! No evidence have you brought to us; and we are not going to abandon our gods for your (mere) saying! Nor are we going to believe in you."
- 54. "All that we say is that some of our gods have seized you with madness." In reply Hud said: "I call ALLAH to witness for my preaching, and bear you witness that I am against of what you associate as partners in worship with HIM.
- 55. Whatever you have, so do plot against me all together and give me no respite."
- 56. "I put my trust in ALLAH, my LORD and your LORD! There is not a moving creature but HE has grasp of its forelock. Verily, my LORD is on the Straight Path."
- 57. "If then you turn away, I have preached you that with which I was sent to you. My LORD will set up in succession a people other than you, and you shall not be able to harm HIM at all. Surely, my LORD is guardian over all things."

ومامن دآبتها Wino جاس لي ان كاغيظ وخصب تم بر تَضُرُّوْنَهُ سَبْبًا وإِنَّ رَبِّيْ عَلَى كُلِّ سَبِّي عِجْفِيظً لوطابي اورالخول فيتم كو أسبب ببهناكر باؤلابناديا ب حضرت بود لائے گا ، اور تم اس کا کچھ بھی بگاڑیز سکو گے ، بیشک میرا رب ہر ہر چیز پر نور بی نگہیاتی اور حفاظت فرمانے والا ہے 🛞 عليات لام في ان كمشركا م هُودًا وَالَّنْ بِنَ امْنُوا مَعَ عقيدون كوتفوك وكراعلان كباكهي ايس كوكواه بناتا يون اورم محى كواه اورجب ہمارا تھم آپہنچا تو ہم نے ہوڈ کو اور اس کے ساتھ ایک نالاتے والوں کو اپنی رحمت کا سہت ادا دے کر رہوکہ میں تمحارے نثرک سے بیزار ٤ و نخبتهم مِنْ عَنَّابٍ غ او جس كوميرا جو محمد كرنا موكر لے-(DA) وه حضرت بود عليات لام ك نجات عطافرانى ، اور بم ف وافتى ان كوايك بميانك عذاب سے محفوظ 60 یہ جوابی تقریر کمسی کھی داعیٰ جق کے أوا بابت ربعم وعصو وتلك عادج لخ مالات ك لحاظ سما ك اتم منونة ب يكسى في سهادا نهت اور تنها یہ توم عاد کے لوگ تقے، جو اپنے پرور دگار کی نشانیوں کے مخالف بن گئے، اور اس کے رسولوں کی بات نہیں انسان کاالیسی دلیری، بهادری اور جَبَار عَنِيْهِ أَن وَاتْبِعُوا فِي هُ يباك ذبنى يفست كايد كفلااعلان التي نيوں كست م-(۵) اوراس دنیا میں بھی لعنت کی بیشکار مانی،اور ہرجبرکرنے والے صدّری کی اشتِ اع میں چلنا ا پچتے ويتص برمخلوق كى بيشانى خداك بكر لَعْنَهُ وَنُوْمُ القمة مالاين عَادًا میں ہے تمام غیراللہ اس کے آگے مجبور وليس من من فرجب الس ان کے پیچے نگی رہی اور قیامت کے دن بھی یہ ملعون ہوں گے ، خوب سٹن لوکہ یہ عاد کے لوگ جو ہو ڈکی قوم الك كاسهاداليا جومجع كمي كانا بُعْدًا لِعَادٍ قَوْمِ هُوْدٍ ﴿ وَإِلَى نَبُوْدَ دو اورم بی اس کادیا ہوا رجم والا كماتي الوقع محرف فراغ 6 والے تھے جنہوںتے اپنے رب سے تفر کیا، ان کور جمت سے دور پھینک دیا گیا 🕤 اور قوم شور کی طرف ان اور فوف كمان كي كيام ورت ٢ م قَالَ يَغْوُم اعْبُدُوا الله م هُ صلحًا والرشرك كرني والحالش ٢ کے بچان صالح کو، ہمنے رسول بنا کر بھیجا، صالح نے دعوت پیش کی اے برا دران قوم ! ایک التّد کی بندگ كوبيت دور محقة بل اسى نَ إِلَهِ عَبْرُهُ مُؤَ أَنْسَاكُمْ مِّنَ الْأ لت الشراور بن ي 3 . ... سے واسط کود کرتے ہی چربعدمیں ی<sup>و،</sup>اس کے سوانتھارا کوئی معبو دنہیں ہوسکتا ، اس نے زمین سے تم کوا تھا کراس میں تنصیں آباد کیا ہے ، کس اس دجر دجر يرواسط بي امس فاستغفروه معبود بنالے ملتے ہی اس کے رد یں بہاں فرمایا کہ میرارب قریب سے سے مغفرت مانکو ، اور اسی کی طرف توج کر کے پلے چلو، بیشک میرا رب قریب بھی ہے اورمجيب بحي لعنى نزديك اتناكر جي بَ مَجِبَبٌ ۞ فَالُوْا يَصْلِحُ قَنُ دماک، جب کی جس نے کی فورًا سے نا اورقبول كرليا-ال جواب مين قوم كم لوك بو ل كم المصالح بم كواس سي بعل والا 4 5. 5 Ja-مَرْجُوًا قَبْلَ هٰذَا أَتَنْهُ En اُمْید مَعْمی کرتم ہماری برادری میں برطب قابل اور ہونہار بنوگے ، تو کیاجن کی عیادت ہمارے باپ داد اکرتے رہے اس س وَنَنَا وَإِنَّنَا لَفِي شَاقٍ مِّمَّا تَنْ عُوْنَ مَا يَعْبُلُ أَيَا ست وفي المريس حرايقه كالرف بم كود وت ديت بواس من بم كوشك معلوم بوتاب اور بمت را دل نهير

- 58. और जब हमारा हुक्म आ पहुँचा तो हम ने हूद (अलै.) को और उसके साथ ईमान लाने वालों को अपनी रहमत का सहारा देकर नजात अता फरमायी और हम ने वाकई उन को एक भयानक अज़ाब से महफूज़ रखा।
- 59. ये कौमे आद के लोग थे, जो अपने परवरदिगार की निशानियों के मुख़ालिफ बन गए और उसके रसूलों की बात नहीं मानी और हर जब्र करने वाले ज़िद्दी की इत्तेबा में चलना अच्छा समझा।
- 60. और इस दुनिया में भी लानत की फिटकार उनके पीछे लगी रही और कियामत के दिन भी ये ज़लील होंगे खूब सुन लो कि ये आद के लोग जो हूद की कौम वाले थे, जिन्होंने अपने रब से कुफ्र किया, उनको रहमत से दूर फेंक दिया गया।
- 61. और कौमे समूद की तरफ उनके भाई सॉलेह को हमने रसूल बनाकर भेजा। सॉलेह (अलै.) ने दावत पेश की, ऐ बिरादराने कौम ! एक अल्लाह की बन्दगी करो, उसके सिवा तुम्हारा कोई माबूद नहीं हो सकता, उसने ज़मीन से तुम को उठाकर इस में तुम्हें आबाद किया है, बस अब तुम अल्लाह से मग्फिरत मांगो, और उसी की तरफ तवज्जो कर के पलट चलो बेशक मेरा रब करीब भी है और दुआ को कबूल करने वाला भी है।
- 62. जवाब में कौम के लोग बोले कि ऐ सॉलेह (अलै.) ! हमको इससे पहले उम्मीद थी कि तुम हमारी बिरादरी में बड़े काबिल और होनहार बनोगे, तो क्या जिनकी इबादत हमारे बाप दादा करते रहे, उसी से तुम हमको मना करने लगे ? बस, जिस तरीके की तरफ तुम हमको दावत देते हो, उस में हमको शक मालूम होता है और हमारा दिल नहीं मानता।

- 58. And then when OUR decree came to pass, WE saved Hud and those who believed with him by a Mercy from US, and WE really sayed them from a severe torment.
- 59. Such were Aad people. They opposed the revelations of their LORD and denied His messengers and followed the command of every proud, oppressor of the truth.]
- 60. And they were followed in this world by a curse, and so will be they on the Judgement Day. No doubt! Verily, Aad people disbelieved in their LORD. So away with Aad who were, the people of Hud.

5 11 5

- 61. And to Samud people WE sent their brother Salih, as OUR messenger. He said: "O my people! Worship ALLAH alone. You have no other deity -(Worth worshipping)- but HE. HE brought you forth from the earth and settled you well therein, so ask forgiveness of HIM and turn to HIM in repentance. Certainly, my LORD is near to all, and Responsive to all supplications.
- 62. They said: "O Salih! You have been among us a figure of good hope! Do you now forbid us to worship what our forefathers have worshipped? But we are really in disquieting doubt as to that which you invite us to.

لَيْهِ مُرِبْبٍ ، قَالَ يَغْوُمِ أَرَّ بِنَمْ إِنْ كُنْ سالح ففرمایا اے میری توم کچھ تو دیکھو بھالو کہ اگر میں اپنے رب کی طرف سے ایک مانت عَلْ بَيْنَةٍ مِّنُ رَّبِّي وَانْتِنِي مِنْهُ رُحْهُ فَ تحمل دلیل پر دیموت دیتا ہوں اور بہ ایک رحمت کی بات ہے جوالٹر کی طرف سے میری جانب بھیجی گئی ہے، بھرا کر میں اس بْصُرْبِيْ مِنَ اللهِ إِنْ عَصَبْتُهُ \* فَبَمَا تَزِيْدُ وَنَبِي ی نافرمانی کروں گا تواسطر کی پکولسے مجھے کون بچا سکے گا ،الیس حالت بی توم امیری برادری کے آدمی ہو کربھی ) میرا بہت غَبْرَ تَخْسِبُر إِنْ وَيْقَوْمِ هَذِهِ نَاقَةُ اللهِ لَكُ زیادہ نقصان کرنے پر شکے ہو س اے برا دران قوم ! یہ اللہ ک اونٹن ب، جو تھارے لتے ایک نشانی ہے اسے يَةً فَنَارُوْهَا تَأْكُلُ فِي آَرْضِ اللهِ وَلَا تَمْسُوُهُ محصل رسینے دوتاکہ چرتی بھرے اللہ کی زمین میں اور بڑے ارادے سے اسے چھونا بھی مت دریز بہت قریب ہے السُوْءِ فَبَأَخُذَكُمْ عَذَابٌ قَرِيْبٌ ، فَعَقَرُوهُ تم عذاب میں دمر نے ماؤ کے 🐨 🐨 ہم بھی انفوں نے اونڈی فَقَالَ تَمَتَّعُوْا فِیْ دَارِکُمْ ثَلْنَهٔ آبَتَا مِر اللہ ذَرِک 🐨 پھر بھی انھوں نے اونٹنی کے پاؤں پردار کیا ،اوراس کے پیرکاٹ ڈالے تب سالح نے کہاکداب اپنے تھروں میں صرف تین دن مزے وَعُلَّا غَبْرُ مَكُنَا وُبِ ۞ فَلَمَّا جَاءَ أَمُرُنَّا بَحْ بُنَا كركو، يه وعده ب يوجعي جموط مذ يوكل و بحرجب عذاب كا بمارا حكم آكيا تو، م ف صالح اوران ك صْلِحًا وَّالَّذِبْنَ امْنُوا مَعَهُ بِرَحْمَةٍ مِّنَّا وَمِنْ سائھ ایم ان لاتے والوں کو اپنی رحمت میں جگہ دے کر اس دن کی رسوائی سے تجات خِزْي بَوْمِيدٍ انْ رَبِّكَ هُوَ الْفَوِتْ الْعَزِيزُ دى، بِ شَك آب كا ربيرُى توت اور غلب والا ب ( وَ أَخَذَ الَّذِينَ ظَلَمُوا الصَّبِي فَ فَاصْبَحُوْ الْحِ اور ان ظالموں کو ایک زور دار آواز نے آبکرٹا ، پھر وہ صبح کو اپنے تھروں میں اوند سے مست دِبَارِهِمْ جَنْبِينَ \* كَانُ لَمْ بَغْنُوا فِبْهَا مَالَاً إِنَّ كر بي الوت عظ اور أن كامال يد الدارجي و مجمى ان تفرول مي بس بري مذت خوب ش تَبُودا حَفْروا رَبَّهُمْ مُ الا بُعْدًا لِّحُود ٢ 2 بید قوم شود متح بخصول نے اپنے رب کے قرمان کا انکار کیا، آگاہ ہوجا و کر قوم شود کو التد کی رحمت سے دور بھینک دیا گیا 🕀

وع يعنى برطى الميد تقى كتم جيسا ہوئ ارجوان توم کے لئے فخر کاسبب ب كالمرتم في بركياانولمى بات متردع كردىكد الكلح باب داداول كا دين جور كرنيا طريقة بتانا شروع كرديا بم تواب شك مي يرك اورتم ف بر الجعن بيد اكردى-و22 حترت صالح عليه السقلام ى قوم في معجزه طلب كيا، الترف بب الرمي س ايك اونشى كالرى اور بيقرب بابرآتے ہي تورًا اس أُدِّي في بي جي جنا جوائسي وقت اين مال ك قد يرا برمولكا، يرات ايك يت ہی اہم معجزہ کی ہوگی کہ قوم کو لیتے بن أجلت اس علاقي يانى كابت تنكى محى اوريد اولمنى جس جلم يا نى یہے کوجاتی دوسرے جانور بدک کر بماك كمر بوت، آخر حفرت صالح اورأن كى قوم كاجعكر اببت بر هرگیا، به اونٹنی با ندحی نہیں جاکمی تقى اس ليح كه التّد في الصحلي كلف كاحكم دياتها تبجساك مديورةالقر آين ٢٢ تا٣١ مي بان بواي که بانی پینے کی اری قرر کردی كى ليكن توم نے ايك بديخت كو اُچکایا ، اُس نے اوْمَنْ کے یاؤں پر واركا، «ا٩يسورديمس» آيت ا سے 10 کے مسلحی دکھ لیں آخر يدقوم السي تنباه موتى كرنام ونشان بمى دنياي نبي ريااس قوم كافعتل مال ٢٢- سورة شعرار: آيت ١ مما الكروك لس-ويتل لبستى والول يرجب عذاب آيا تواب وبال سے بچ کرنکل جاناسخت نامکن تھا، اس لتے بہاں التّرک صفت قوى اورعزيز بتانى كمى كرسخت مصيبت کے وقت مرف التركى توت اور الاحتى سے ي آدمى كو يناه م ور: بس-

ruino

पारा-12 ( PARA-12)

- 63. सॉलेह (अलै.) ने फरमाया, ऐ मेरी कौम ! कुछ तो देखो भालो कि अगर मैं अपने रब की तरफ से एक खुली दलील पर दावत देता हूँ और यह एक रहमत की बात है जो अल्लाह की तरफ से मेरी जानिब भेजी गयी है, फिर अगर मैं इसकी ना फरमानी करूंगा तो अल्लाह की पकड़ से मुझे कौन बचा सकेगा ? ऐसी हालत में तो तुम (मेरी बिरादरी के आदमी होकर भी) मेरा बहुत ज़्यादा नुकसान करने पर तुले हो।
- 64. ऐ बिरादराने कौम ! यह अल्लाह की ऊँटनी है, जो तुम्हारे लिए एक निशानी है, इसे खुली रहने दो, ताकि चरती फिरे अल्लाह की ज़मीन में और बुरे इरादे से इसे छूना भी मत, वरना बहुत करीब है तुम अज़ाब में धर लिए जाओगे।
- 65. फिर भी उन्होंने ऊँटनी के पाँव पर वार किया और उसके पैर काट डाले, तब सॉलेह (अलै.) ने कहा कि अब अपने घरों में सिर्फ तीन दिन मजे कर लो, यह वादा है जो कभी झूठ न होगा।
- 66. फिर जब अज़ाब का हमारा हुक्म आ गया तो हम ने सॉलेह (अलै.) और उनके साथ ईमान लाने वालों को अपनी रहमत में जगह देकर उस दिन की रूसवाई से नजात दी, बेशक आपका रब बड़ी कुव्वत और गुलबे वाला है।
- 67. और उन ज़ालिमों को एक ज़ोरदार आवाज़ ने आ पकड़ा, फिर वो सुबह को अपने घरों में औंधे मुँह गिरे हुए थे।
- 68. और उनका हाल यह हुआ कि जैसे वो कभी उन घरों में बसे ही न थे, खूब सुन लो यह कौमे समूद थे, जिन्होंने अपने रब के फरमान का इन्कार किया, आगाह हो जाओ कि कौमे समूद को अल्लाह की रहमत से दर फेंक दिया गया।

- 63. He (Salih) said: "O my people! Tell me, if I have a clear proof from my LORD, and there has come to me a Mercy from HIM, who then can help me against ALLAH, if I were to disobey HIM? Then in that case (having been of my own community), you are bent on increasing me not but in loss!"
- 64. "And O my people! Here is the she-camel of ALLAH, a sign to you, so leave her to graze at will in ALLAH's land, and do not touch her with evil intent, lest there may overtake you an instant chastisement."
- 65. But they killed her. So Salih said: "Enjoy yourselves in your homes for three days. This is a promise that will not be belied."
- 66. Then when OUR decree came to pass, WE delivered Salih and those who believed with him by a mercy from US and from the humiliation of that day. Verily, your LORD! HE is the All-Strong, the All-Mighty.
- 67. And the shout (awful cry) over took the wrong doers, so they lay dead, on their faces down side, in their homes-
- 68. -as if they had never lived at ease therein. No doubt! Verily, Samud people disbelieved in their LORD, so away with Samud!

6 8 6

ومامن دا به ١ ruino وَلَقَدْ حَاءَتْ رُسُلُنَا إِبْرَهِ إِمَ بَالْشَرْحِ قَالُوْ ا در بیشک ہمارے بصبح ہوئے فرشتے ابراہیم کے پاس بشارت لے کر پہنچے توابراہیم کو پہلے سلام کہا ، جواب میں ابراہیم نے بھی سَلَبًا فَالَ سَلْمُ فَبَالَتُ أَنْ حَاءَ بِحُلْ حَنْبُ ا سلام کیا، اور بھر مقور میں ہی دیریں ابراہیم کھی میں بھت ہوا ایک بچھ طرا لے حر آتے ووو، بى اس آيت سكى التي فَلَيَّا رَأَأَبْدِيهُم لَا تَصِلُ إِلَيْهِ نَكْرَهُمُ وَأَوْجُسَ ما فراضت انساني شكلون بي أسكتر بي بجرجب ديجها كه كهاف كى جير كى طرف توان كے بائة برطھ تہيں رہے، تو ان كو پيچان بذسكا، اورائي جى بيں أن سے مد فرشت انبيار كوسلام محقق بن بحواب مِنْهُمْ خِيْفَةٌ وَقَالُوْ لَا تَخْفُ إِنَّا أَرْسِلْنَا إِلَى س انبياريمي أن كوسلام تحيت إي -المست وستتحجب انساني شكل س آتے ڈرنے لگا، فرشتے ہولے فوف مذکرو بیشک ، کم تو لوکل کی قوم کی طرف بیم بھیج ہیں تو بیغم بھی ان کو بہجان نہیں سکتے قَوْمِ لُوْطِ أَوَامْرَأَتُهُ قَابِهَةٌ فَضِحَكْتُ فَبُشْرُنُهُ اكريبجانا بوتاكه يفشته بس توحفزت ابراسم عليكم فساوة والشكام كمان گئے ہیں 🕑 اور ابراہیم کی بیوی کھڑی ہوتی تھی، یہ باتیں شن کرہنس پڑی تب ہم نے اسے اسلحق \* كانتظا كيوں فرماتے اور أيك احجيا خاصة بجير المحى مين تل يحون كرمها نول بَاسْخُقٌ ﴿ وَمِنْ وَرَاءِ إِسْخُقَ بَعْقُوْبَ ﴾ قَالَتْ کے لئے دستر خوان پر کیوں رکھتے۔ () ابرانیم کی بیوی ی بشارت دی ، اور اسلی مح بعب یعقوب کی م معلوم بواكه فر مشت دستر خوان لْوَبْلَتْي ءَ إَلَى وَإِنَّا عَجُوْزُ وَهٰذَا بَعْلِي شَبْخًا م بركهان ك لخ بيط بحى كم ليكن كانى كرف إتقانيس برهات بلكه فالموش بيطح رب اور حفرت س الل الت ميرا تصيب اب جاما كريس مال بنول كى جب كريس سوكمي برطهيا الويحى الول اوريه مير سيتوار اراتيم أن كويجان ندسك، اورايراتيم إِنَّ هُذَا لَنْنَى ءُعَجِبُ ﴿ قَالُوْا أَتَعْجَبِهُنَ مِنْ أَمْرِ عليات لام كے دل ميں بہانوں کے بالصي دربيدا بوكيات فرشتول كواين بمى بور صربو يحدين بيتك يد تو برطى عجيب بأت بهوك () فرضت جواب بي بولي كيام كوالشر كم يس معجنب حقيقت بيان كرنى يرمى كم انسأن اللهِ رَحْمَتُ اللهِ وَبَرَكْتُهُ عَلَيْكُمُ أَهْلَ الْبَيْتِ « تېيى بلكه ملائحه بين جوانسان شكل یں آپ کے پاس آئے ہی۔ ہور باب اے ابراہیم کے تھراتے والوم بر تو الترکی بڑی رحت و برکت ب بیشک التر بہت ہی تعریف کے م الخوس ات يمعلوم موتى كم إِنَّهُ حَبِيْكُ مَّجِبُكُ ﴾ فَلَبَّا ذَهَبَ عَنْ إِبْرَهِ بِه فرشة روب بدل سكت بي ليكن ان ى فطرت بنيس بدلتى ، اكران كى فطرت لائق اوربر مى بزركى والاب صلى بعرج ابرا سم كا درماتا ربا، اوران كولرك كى بشارت م تبديلي مكن بوتي توكمانا كمالية الْبُنْذُرِ يُجَادِلْنَا فِيُ قُوْمِ بروء وجاء ته ليكن كمانا شبيس كماسك مديرهي اندازه بوتلب كدان كوكي ماجت بشرىمى مِلْ تَحْدَثِ آو ہم سے لوط عليہ السلام کی توم کے بارے میں بحث ليُمْ تَحَلِبُهُمْ أَوَّاكُ مُّنِيبُ · بینک ابراہیم بہت برداشت کرنے والے برط نرم دل اوراللہ ک طف تجھند والے تھ () بَابُرْهِبُمُ اعْرِضْ عَنْ هٰنَاءً إِنَّهُ فَنَا جَا نے کہا اے ابراہیم اس بات کوجائے دو، یقینا یہ تھارے رب کا حکم ہے جو آچکا ہے اوراب ان پر ایک

معلوم بوس:

- 69. और बेशक हमारे भेजे हुए फरिश्ते इब्राहीम (अ.स.)के पास बशारत लेकर पहुँचे तो इब्राहीम (अ.स.)को पहले सलाम कहा, जवाब में इब्राहीम (अ.स.) ने भी सलाम किया और फिर थोड़ी ही देर में इब्राहीम (अ.स.) घी में भुना हुआ एक बछड़ा लेकर आए।
- 70. फिर जब देखा कि खाने की चीज़ की तरफ तो उनके हाथ बढ़ नहीं रहे, तो उनको पहचान न सका और अपने जी में उनसे डरने लगा, फरिश्ते बोले खौफ़ न करो, बेशक हम तो लूत (अ.स.) की कौम की तरफ भेजे गए हैं।
- 71. और इब्राहीम (अ.स.) की बीवी खड़ी हुई थी, यह बातें सुनकर हँस पड़ी, तब हमने उसे इसहाक (अ.स.) की बशारत दी और इसहाक(अ.स.) के बाद याकूब (अ.स.) की।
- 72. इब्राहीम (अ.स.) की बीवी कहने लगी हाय मेरा नसीब! अब जागा कि मैं माँ बनूंगी, जब कि मैं सूखी बुढ़िया हो चुकी हूँ और ये मेरे शौहर भी बूढ़े हो चुके हैं, बेशक यह तो बड़ी अजीब बात होगी।
- 73. फ़रिश्ते जवाब में बोले क्या तुम को अल्लाह के हुक्म में ताज्जुब हो रहा है? ऐ इब्राहीम (अ.स.) के घराने वालो ! तुम पर तो अल्लाह की बड़ी रहमत व बरकत है बेशक, अल्लाह बहुत ही तारीफ के लायक और बड़ी बुजुर्गी वाला है।
- 74. फिर जब इब्राहीम (अ.स.) का डर जाता रहा और उन को लड़के की बशारत मिल गयी तो हम से लूत की कौ़म के बारे में बहस करने लगे।
- 75. बेशक इब्राहीम (अ.स.) बहुत बरदाश्त करनेवाले, बड़े नर्म दिल और अल्लाह की तरफ झुकने वाले थे।

- 69. And verily, there came OUR messengers to Ibrahim with glad tidings. They greeted him with 'Peace', to that he also conveyed 'Peace' upon them. And soon he brought a calf roasted in butter, to entertain them with.
- 70. But when he saw their hands did not touch the meal, he felt some mistrust of them, and conceived a fear of them. They said: "Fear not, verily, we are sent to the people of Lut."
- And his wife was standing there at a side, laughed. But WE gave her glad tidings of Ishaq; and after Ishaq, Yaqoob.
- 72. She said (in astonishment): "See! That good fortune may come even at this later stage! Shall I bear a child while I have reached to an old age and here is my husband who is more advanced in years than me! This is a strange thing!"
- 73. The Angels said: "Do you wonder at the decree of ALLAH? Mercy of ALLAH and HIS Blessings be upon you, O the family of Ibrahim! Verily, HE is Praiseworthy; Glorious."
- 74. Then, when the fear had gone away from Ibrahim, and the glad tidings had reached him, he began to plead with US for the people of Lut.
- 75. Verily Ibrahim was forbearing, affectionate and repentant.

ومامن دآبها رَبِكَ وَانْهُمُ انْبَعِمْ عَذَابٌ غَيْرُ مَرُدُودٍ ٥ اياً مذاب آبرك الم جے كون مط نبي مكا () وَلَمَّا جَاءَ نُنْ رُسُلُنَا لُوْطًا سِنْي ءَ بِهِمْ وَجَافَ اور جب بهاد بصح اد تي فرشت لوظ ك ياس بيني تو أن كا دل دهك دهك . الوكر بِعِمْ ذَرْعًا وَقَالَ هٰذَا يَوْمُ عَصِبْ ٥ وَجَاءَة المحف لگا اور اولے کہ آج کا دن بہت ہی سخت مشکل کا ہے 😳 اور ان کی قوم کے قَوْمُهُ يُهْرَعُونَ إِلَيْهِ مُوصَى قَبْلُ كَانُوا يَعْمَ لةن لوگ ان کے پاس دوڑتے مما تحت آت اوران کے تھر پر دھاوا بول دیا اوراس کے پہلے بھی یہ لوگ برے بڑے کا موں السَّبَّاتِ مِنْأَلَ بِغَوْمِ هُؤُلاً مِنَاتِيْ هُنَّ أَطْهَرُ مین شنول تفار بندرواز بران کا بر جمکوت دیکھ کراؤط اولے اے برادران توم میری بہو بیٹیاں تھارے لئے پاک صاف لَكُمْ فَاتَّغُوا اللهُ وَلا تُخْذُونِ فِي ضَيْفِي مَ أَلَبْسَ یس راورتم اپنی صرورت کا صاف ستھرا ذریعہ تھوڑ کرگندہ ذریعہ حاصل مذکر د) بلکہ النہ سے ڈر دادرمیرے مہما تو ل میں مجھے ذلیل مِنْكُمُ رَجُلٌ رَشِبُكُ @ فَالْوُا لَفَدُ عَلِمْتَ مَالَنَّا یز کرو کیا تم میں ایک بھی بَصِلا آدمی تہیں ؟ 💮 بچھ بیچ کر بولاکہ تم کو معلوم ہے ابھی ہم کو تمصاری بیٹیوں سے فِيْ بَنْتِكَ مِنْ حَتْ وَإِنَّكَ لَتَعْلَمُ مَا بَرُبُلُ ( و مطلب نہیں ، اور ہم جو کھ چاہتے ہیں تم کو معلوم ب قَالَ لَوْ أَنَّ لِحُ بِكُمْ فَتَوَةً أَوْ أَوِ يَ إِلَى زُكْنِ لوُّط كَبْ لَكْ كاسْس مجمع تمار مقالِم كى طاقت ہوتى يا بھر كسى مضبوط فلعد يس بناه شَدِيكِ ٥ قَالُوًا بِلُوطُ إِنَّا رُسُلُ رَبِّكَ كُنْ لیت ہوتا 💮 تب لوظ کے بہان بدلے، اے لوظ ہم تو آپ کے رب کی طرف سے بھیج بتصلوا إليك فاسر بأهلك بفطع قر ہوتے فریضتے ہیں، حملہ آور لوگوں کا ہاتھ آپ تک مجھی نہیں بہنچ سکتا، رات کے ایک حصتہ میں اپنے وَلَا بَلْتَغْنُ مِنْكُمُ أَحَلُ إِلَّا امْرَانَكَ وَإِنَّهُ مُصِيبُهُ لھر دالوں کو لے کرنکل جانبے اور خوب سمجھ لوکہ تم میں سے کوئی بھی پیچھ مرط کر مذد بیچھ مگر آپ کی بیوی اس تکم کی پابندی مَا آصًا بَعُمْ دِإِنَّ مَوْعِدَهُمُ الصَّبِحُ النَّبِي الصَّبِ یہ کر سکے گی ، اس لیے کہ اُس پر بھی وہی بُلا آنے والی ہے جو اِن پر آئے گی 'ان سب کے دعدہ کا وقت صبح کا ہے کیا

وعدمعلوم بوتام كفرشة حفزت لوطعليله شلام كالستى مي اوجوان كم ين اور فولصورت لرطكول كتسكل يس يهنج اور حفزت لوط عليات اُن کو پیچان نہ سکے کہ بیفرشتے ہیں تب بت علين بوت كداب الشرخير كرب میری قوم کے بدنیت لوگ بیتہ نہیں ان مہانوں کے ساتھ کیا سلوک کرس اور میں کمزور ہوں دہمانوں کو بچابھی نہ سکوں گا۔ ومعدمه حزت لوط فدا كينى ب اس علاقہ وتوم کی عورتوں کوآت نے این بیتیاں کہ کرتوم کوغیرت دلانی اورقوم وسمحها باكر بصل آديمو الحي ميرى بينيال تتحار ا كمول ميں نهي كرتم آدمى بوكرعورتول كو چيوركر مردول في محجبت كرنا جاسة الو جب كدماف يتحرى ولال عودت أل منسى فعل كے لئے جائز ہے، نبى قوم كاسرداداور يزرك يوتا باس لتي بم في ترجم من هؤ لاء بسابق کے لئے بہو بیٹیاں کا لفظ استعال -44 بمار يخيال بس حفزت لوطير اجانك دات يس حمله باكيا انتهان بينس كمعالم يرحزت لوطعل ياشلام في قوم كويدالفاظ كم ، اس كي يعنى تهيس كمحرت لوط عليات لام توداي بيثيول كوبجر كسامغ بيش كريم بس بلك حضرت لوط ك مرف دويشيال تحيس ايسا بأتبل كاكماب يبدانش الما أيت شداور ف سي يزتفيرابي كثرم صاحب فيرالامام الجليل الحافظ عا والدين اسمت أعمل ابن كثيرالقرشي الدشقي ف\_اين عربي تفسيرين حضت لوط عليات لام كى مف ایک لڑکی کاذکر کیا جلک يادوكر كمال ايس بدمعات مجمع كرمام تحسى نبى في يسايو يرمكن نبين تابم لوط عليه المت لام نے ہاہے خیال میں قوم کی بیوبیٹیوں کو

منزل

- 76. हम ने कहा, ऐ इब्राहीम इस बात को जाने दो यकीनन यह तुम्हारे रब का हुक्म है, जो आ चुका है और अब इन पर एक ऐसा अज़ाब आ पड़ेगा, जिसे कोई हटा नहीं सकता।
- 77. और जब हमारे भेजे हुए ये फ़रिश्ते लूत के पास पहुँचे तो उनका दिल धक धक होकर अटकने लगा और बोले कि आज का दिन बहुत ही सख्त मुश्किल का है।
- 78. और उन की कौम के लोग दौड़ते भागते आए और उन के घर पर धावा बोल दिया और इसके पहले भी ये लोग बुरे बुरे कामों में मशगूल थे, अपने दरवाज़े पर उनका यह जमघट देखकर लूत बोले ऐ बिरादराने कौम ! मेरी बहू बेटियाँ तुम्हारे लिए पाक साफ हैं (और तुम अपनी ज़रूरत का साफ सुथरा तरीका छोड़कर गन्दा ज़रीया हासिल न करो) बल्कि अल्लाह से डरो और मेरे मेहमानों में मुझे ज़लील न करो, क्या तुम में एक भी भला आदमी नहीं ?
- 79. मजमा (भीड़) चीख कर बोला कि तुम को मालूम है अभी हम को तुम्हारी बहू बेटियों से कुछ मतलब नहीं और हम जो कुछ चाहते हैं, तुमको मालूम है।
- 80. लूत कहने लगे काश, मुझे तुम्हारे मुकाबले की ताकृत होती या फिर किसी मज़बूत किले में पनाह लिया होता।
- 81. तब लूत (अलै.) के मेहमान बोले ऐ लूत ! हम तो आप के रब की तरफ से भेजे हुए फरिश्ते हैं, हमलावर लोगों का हाथ आप तक कभी नहीं पहुँच सकता, रात के एक हिस्से में अपने घरवालों को लेकर निकल जायें और खूब समझ लो कि तुम में से कोई भी पीछे मुड़कर न देखे, मगर आप की बीवी इस हुक्म की पाबन्दी न कर सकेगी इसलिए कि इस पर भी वही बला आनेवाली है, जो इन पर आएगी, इन सब के वादे का वक्त सुबह का है, क्या सुबह का वक्त करीब नहीं ?

- 76. O Ibrahim! Leave off this, indeed the decree from your LORD has already come.Verily, there will come a torment for them, which is unavoidable.
- 77. And when OUR messengers came to Lut, he was distressed on their account and felt himself straitened for them; and he said: "This is a day dreadful."
- 78. And his people came rushing towards him, and since aforetime they used to commit crimes, he said: "O my people! Daughters of my community are purer for you, (leaving instinctive way, follow not unnatural course); so fear ALLAH and do not disgrace me in the presence of my guests. Is there not among you a single right minded man?"
- 79. They said: "Surely, you know that we have no desire of daughters of your community, and indeed you know well what we want."
- 80. Lut said: "Would that I had strength to overpower you, or that I could betake myself to some powerful safe place!"
- 81. Then the guests of Lut said: "O Lut! Verily, we are the messengers from your LORD! The town people can never reach up to you. Then go forth you, with your family in a part of the night, and beware, let not any of you look back; but your wife would not be able to resist to look back; because she is among those upon whom the punishment is bound to afflict. The torment for them is in the morning; is not the morning near?

ومَامِنْ دَابَةٍ، rijo جوجمع والول کے گھروں میں بی ای بريب () فلمّا جاءَ أَمُرْنَا جَعَلْنَا عَالِبُهَا سَافِلُه تغيس ايني بيثيان كمهكم فجرمون كوغرت دلانی اوراس بدمعا ش محص کے مسيح كاد ت تربيع جبين ؟ () بس جب بهادا تحكم أتحيا تو بهم نے اس علاقہ كا تخت ألط كر او ير كا حصته بينچ كر ديا، لوكول كوابي كمروايس ماكراني فرديات وَأَمْطَرْنَا عَلَيْهَا حِجَارَةً مِّنْ سِجْبُلِ فَمَّنْضُوُدٍ \* باورى كرف كاطرف اشاره كيا بحلآور بمع کے دل پر چوٹ پڑتی کر ہم نے یکی مٹی کے تحت کر برساتے اور ان پر لگامار ال کردهاوا اول دیا، اور سرماری مُّسَوَّمَةً عِنْكَ رَبِّكَ م وَمَا هِيَ مِنَ الظّ قوم كى كورتوں كواتى بيٹياں بتكاكر كتنى دسورى اور نرى سيبش آدب اور ان من کردں پر تیرے رب کی طرف سے خاص نشان لگا ہوا تھا اور یہ علاقہ ان ظالموں سے کچھ ين ، حزت لوط عليال الم بِبَعِبْدٍ فَ وَإِلَى مَدْيَنَ آخَاهُمْ شُعَبْبًا م قَالَ كايدا تزى دانشمدا بذكوشش وع تقى مكرظ الم قوم كے دل اس (۳) اور مربن کی طرف ان کے برا در شعیت کو ہم نے رسول بنا کر بھیجا، انھوں نے اپنی نوم سے دمایا دور. جس بروى ترم مرير المالك الثاحفرت لوط نِقَوْم اعْبُلُوا الله ما لَكُمْ مِّن إِلَٰهِ عَبْرُهُ دو كودانثاكداس دقت بمكوابية كحركى عورتوں سے تحصطلب نہیں ہارے ر اب برادران توم ! الشرك عيادت كرو، اس كسوا تمهاد التي كونى بحى عبادت كالائق نهي ، ناب اور تول اراديم ومعلوم بل-تنفضوا المكتال والمبزان إني أراكم بخ وام فرشت توبمورت لركول كشكل ين آت اب تك ابني اص مين ظاير یں کم دینا بچوڑ دو میں تم کورس وقت اچھ حال میں دیکھ رہا ہوں راگر تم اپنی حرکتوں سے باز ندائے تو) بهي بوت تق، حفزت لوط علالتثلاً) اَخَافُ عَلَنْكُمْ عَنَابَ بَوْمِ مُحِبْطِ وَب ک بہان ک پرانیان دیچی توابیت مال بے نقاب کیا کہ آپ ہ ڈریں اور مجھ تھارے بارے میں اندلیش سے کہ آگے تم پرایک بھیانک دن میں عذاب کا کھرایر جائے کا () اے میری قوم تاپ اور وزن کو فكرد كري لستى دال آيتك بني مَكْتَالَ وَالْمِنْزَانَ بَالْقُسُطِ وَلَا تَبْخُسُوا بالفي سكت ، تب معزت لوط عليات لام كمعلوم إواكم يرارع مهان تيس يك اتصاف كى بنياد بريدراكرو، اور لوكول كوجير بن تول كرديت وقت ان كا تقصر ان مت كرد، اور قرشت بي اس آيت بي ال لوكول آءَهُمُ وَلا تَعْتُوا فِي الأَرْضِ مُفْسِدٍ بِنَ ٥ كواينا جهره دلجينا جابية جونبى اوريغير كوعالم الغيب كيت بي ادر ومرف بجيلانا بت كردو میں فساد 60. زمين التركوعالم الغيب مانح اسط كالبيال مُ إِنْ كُنْنَمْ مُؤْمِنِينَ ة الله - 012 نقتت مع عذاب مي تقرول كى بارش أكرايت ان قبول ركموتو الشركا ديا بواجو تجميه اتى رب السي من تتصارا بجلا بوكا، ادريس تم بر تتحراني بوتى معلوم بوتا برجس يرجو بقركرنا لَمْ بِحَفِيظٍ · فَالَوَا بِشَعْبُ أَصَ طيايا تغاشايد بريقر براس ظالم كا فتاف نام لکھا پوگاکدائسی پر بطے، پر پھر بی جواب میں قوم کے لوگ اولے کہ اے شعیب ! والا 25 vy بہت ذہر یک ادے کے پاآتش گر تَأْمُرُكَ أَنْ نَنْتُرُكَ مَا يَعْبُدُ إِيَّا وُنَّا أَوْ أَنْ نَفْعَ بول کے جس پر بہ پھر کر برطادہ ای جكرجل بمجن كيا ادربورى يستى كاعلاقه کیا تھت ارم مناز تم کو یہ سکھاتی ہے کہ ہمارے باپ دادے جن کو پوجے رب انھیں ہم چھوڑ تھے۔ اڑ اكن دياكيا اور يعلاقه كمروا المشكو سے کچھ زیا دہ دور نہیں تھا یعن تجاز فِيُ أَمُوالِنا مَا نَشْؤُا وإِنَّكَ لَانْتَ الْحَلِيمُ الرَّشِينُ ٥ وشام کے راستے میں یہ علاقہ نہایت دیں ، اور اپنے مال میں بھی جو چاہیں نہ کر سکیں ، بس م ہی ایک باوقار اور بھلے آ دمی رہ گئے ،ى بىمانك اورا مار سابى تخلط والول كوات قي الترين دكمان دينام-

- 82. बस, जब हमारा हुक्म आ गया तो हम ने उस इलाके का तख्ता उलट कर ऊपर का हिस्सा नीचे कर दिया और उनपर लगातार पक्की मिट्टी के कंकर बरसाये।
- 83. और इन ककरियों पर तेरे रब की तरफ से खास निशान लगा हुआ था, और यह इलाका इन जालिमों से कुछ दूर नहीं।
- 84. और मदयन की तरफ इनके बिरादर शुऐब (अलै.) को हमने रसूल बनाकर भेजा, उन्होंने अपनी कौम से फरमाया कि ऐ बिरादराने कौम ! अल्लाह की इबादत करो, उसके सिवा तुम्हारे लिए कोई भी इबादत के लायक नहीं, नाप और तौल में कम देना छोड़ दो, मैं तुम को इस वक्त अच्छे हाल में देख रहा हूँ (अगर तुम अपनी हरकतों से बाज न आए तो) मुझे तुम्हारे बारे में अन्देशा है कि आगे तुम पर एक भयानक दिन में अजाब का घेरा पड़ जाएगा।
- 85. ऐ मेरी कौम ! नाप और वज़न को इन्साफ की बुनियाद पर पूरा करो और लोगों को चीज़ें तौल कर देते वक़्त उनका नुक़्सान मत करो, और ज़मीन में फसाद फैलाना बंद कर दो।
- 86. अगर ईमान कबूल रखो तो अल्लाह का दिया हुआ जो कुछ बाकी रहे, उसी में तुम्हारा भला होगा और मैं तुम पर निगरानी करनेवाला तो नहीं।
- 87. जवाब में कौम के लोग बोले, कि ऐ शुऐब ! क्या तुम्हारी नमाज तुमको यह सिखाती है कि हमारे बाप दादे जिनको पूजते रहे, उन्हें हम छोड़ छाड़ दें और अपने माल में भी जो चाहें न कर सकें ? बस, तुम ही एक समझदार और भले आदमी रह गए हो !

- 82. Then when OUR Commandment came, WE turned the upside thereof downward, and WE rained on them stones of baked clay, piled up;
- 83. marked from your LORD. And that area is not ever far from these wrong-doers.

7 15 7

- 84. And to the Madyan people WE sent their brother Shoeb. He said: "O my people! Worship ALLAH Alone, you have no other -(Ilah)- deity but HIM; and give not short measure or weight. I see you in prosperity today, (but if you leave not evil doing,) I fear for you the torment of a Day encompassing"
- 85. "O my people! Give full measure and weight with equity and reduce not the things that are due to the people, and do not commit mischief in the land, causing corruption."
- 86. "That which is left by ALLAH for you (after giving the right of the people) is better for you, if you are believers. And I am not set over you as a guardian."
- 87. They said: "O Shoeb! Does your Prayer command you that we should abandon what our forefather worshipped; or are we not at liberty to do with our business as we please? It appears you only have emerged as the forbearer-, right-minded!

ومامن داية MYD. لَ نِقُوْمِ أَرْءَبْنَمْ إِنْ كُنْتُ عَلَى بَيِّنَةٍ مِّنْ رَّـ تب شعیب فے فرایا کہ اے برا دران قوم ! مجلا یہ لو دیکھوکہ یں اپنے رب کی طرف سے دلیل پر قت اتم ہوں ورزقنى مِنْهُ رِزْقًا حَسَبًا وَمَآ أَرِبْدُ أَنْ أَخَالِفُ اوراس ف مجھے اچھا رزق بھی عطافر مایا ہے اور میرا تو مجھی ارادہ بھی نہیں ہوا کہ جس بات سے تم کو متع کرتا ہو ل إلى مَا ٱنْضَكْمُ عَنْهُ وإنْ أُرِبْبُ إِلَّا الْإِصْلَاحَ مَا اس کے خلاف تود کرنے لگوں، میں توجننا بن سکے صرف اصلاح کرنا جا بتا ہوں اور برسب توقیق تجھ صرف اسْتَطَعْتُ وَمَا تَوْفِبْقِي إِلَّا بِاللهِ عَلَيْهِ تَوَكَّلْتُ اللدى طرف سے ملى ہے، اسى پر ميں نے بجروم كرلياہے، اور اسى كى طرف لوط كر مجھ بھى وَإِلَيْهِ أُنِيْبُ ٥ وَنِقَوْمِ لَا يَجْرِمَنَّكُمْ شِقَاقِ جانا ہے ... (ای اور میری برادری کے لوگو ! میری مخالفت میں مجرم مت بنو، ورند بِّصِيْبَكُمُ مِنْلُ مَا آصَابَ قَوْمَ نُوْجِ أَوْ فَوْمَ هُوْدٍ كہيں تم پر بھی وليا ہی عذاب لوٹ پڑے گا ، جیسا كە لۇج كى قوم پر ، اور ہو داور مت كے كى قوم پر قۇم صلى دوما قۇم لۇل ھنى بىعبار ، واشتغفر آچکا بے اور قوم کوط (کی جودر کت بن تقی وہ واقعہ تم سے زیادہ دورکی بات نہیں 🐼 بھے آد بیوائے رب سے كُمْ نَبْمَ نُوبُوْ البُهُ مَانَ رَبِّي رَجِبْمُ وَدُودُ فَالْوُا معاقىطلب كروادرم وديم ويكرك المى ايك كي طف كر بود بوميت مرارب برا مريان ادربندول كوبيت باست والاب . لا المعدن ما تفقه كَثِبْرًا مِمَّا تَغُولُ وَإِنَّا لَنُرْ لِكَ کے لوگ بولے اے شعب تھاری بہت سی بانیں ہماری بچھ می بنیں آتیں، اور ہم دیکھ دہے ہیں کہ ہمادے درمیان تھاری کوئی فبناضعيفاء ولؤلا رهطك لرجمنك دوم مستی اور حیثیت جنیں ، اور اگر تمصاری برادری اور کنیہ کا خیال ہیں مذہوتا تو، م تم کو پیچروں سے مارڈالے اور تم کوئی عَلَيْنَا بِعَزِيْزِ فَالَ نِفُوْمِرارَهُطِي أَعَنَّ عَلَيْكُمُ مِّ ہارے سردار بنیں ہو () شیب نے کہا اے میری تو ) ملاکیا الشر کے مقابلہ میں تم فے میری برادری اور کینے کے الله دوانْخَذُنْهُوْهُ وَرَاءَكُمْ ظِهْرِتَّا داِنَّ رَبِّ دیاؤ کازیادہ خیال رکھااوران کے احکام کو پیٹھ پیچے ڈال دیا شن لومیرے رب نے تھارے تمام کر تو تول کو ہر طسر ح تَعْبَاؤُنَ مُجِبًّ () وَبِقَوْمِ اعْبَاؤًا عَلَى مَكَانَتِكُمُ سے تھیسر رکھت ب ( اور اے میری قوم اپنی جگر تم بھی عل کے جاوز اور میں بھی اپنے کام میں لگا

و٨٩ كسي آدمي كواكركوني چيز يجي كمي تواب يدجيز المس ك ملكيت بوكمي. اس لت قرما باكر لوكوں كوان كى چيزى ديتے وقت ناپ تول ميں کمي به كرو يرببت براكام ب حس كسب مكون من قساداً عظمًا، بالداداور غريب آيس مي ايك دوسر اك تون قرابہ کرنا ستروع کردیں گے۔ جب تحارت عمعالات اور سوداكرى مي بدديانتى كارداج ، توكاتوسماج ميں ايك آدمى دوس در مرد الجور در کا - تب آباديال فساد کے تھے ميں آكر ابمن سے محروم او مائیں گ۔ وا ملال کاروزی سے بو تقع تجرب ياب تفور ا، ى بواس ين ترج اور وايك ن وقول ركھيں اُن برلازم بكرات تول یں کمی کرکے دولت کماتے سے بچتے ريس - كمت كارول برداروغ بن كر آنااوران كے تمام كام كن كران كرتے رستانىكاكام بيس-اس كخدمة تومرف فيجت كرك بات مجعادينا ب- آگالترتع ال ورى ايخ -12- J-2- J2-ومحم بدكارقوم فيتماز كاطعنديا كنت ازى بوكراية بايدادول بحطرية بندكى كوجهور ديا-يه كيسا غضب دسايامعلوم بواكدان كى قوم من تازكارواج يوكال ہی سٹر کھی کوتے ہوں کے اور باب دادول کی دسومات کا دین المع اول في عسارة كل بارے دور کے ملان بجاتی، ک کچه مذکچه دینداری بی سائد لگی باورشك بمى ساتة عل راب-و٨٨ معلوم بواكر جعزت ستعيث تودي تجارت كرت بول كاس لي قوم كول بولول كرام كو من كر خ وداب ول م كمكرك

منزل

بالدارين كااراد و بنديمي معلوم بواكر محترت شعيب كوالترتعان في المحما خامارز عطافرايا تحااور قوم كوك بدايان كرسب أس باس كى تجارتى مندلول بي ابن ساكو كمو يج تقر-325 पारा-12 ( PARA-12)

- 88. तब शुऐब ने फरमाया कि ऐ बिरादराने कौम ! भला यह तो देखो कि मैं अपने रब की तरफ से दलील पर कायम हूँ और उस ने मुझे अच्छा रिज्क भी अता फरमाया है और मेरा तो कभी इरादा भी नहीं हुआ कि जिस बात से तुम को मना करता हूँ उसके खिलाफ खुद करने लगूं, मैं तो जितना बन सके सिर्फ इस्लाह (सुधार) करना चाहता हूँ और यह सब तौफीक (सनमार्ग) मुझे सिर्फ अल्लाह की तरफ से मिली है, उसी पर मैं ने भरोसा कर लिया है और उसी की तरफ लौट कर मुझे भी जाना है।
- 89. और मेरी बिरादरी के लोगो ! मेरी मुखालिफत (विरोध) में मुजरिम मत बनो, वरना कहीं तुम पर भी वैसा ही अजाब टूट पड़ेगा, जैसा कि नूह (अलै.) की कौम पर और हूद और सॉलेह (अलै.) की कौम पर आ चुका है और कौमे लूत (अलै.) (की जो दुर्गत बनी थी, वह वाकेआ) तुम से ज्यादा दूर की बात नहीं।
- 90. भले आदमियो ! अपने रब से माफ़ी तलब करो और फिर तौबा करके उसी एक तरफ के हो रहो। बेशक मेरा रब बड़ा मेहरबान और बन्दों को बहुत चाहने वाला है।
- 91. जवाब में कौम के लोग बोले, ऐ शुऐब (अलै.) तुम्हारी बहुत सी बातें हमारी समझ में नहीं आतीं और हम देख रहे हैं कि हमारे दरमियान तुम्हारी कोई हस्ती और हैसियत नहीं और अगर तुम्हारी बिरादरी और कुम्बे का ख़याल हमें न होता, तो हम तुम को पत्थरों से मार डालते और तुम कोई हमारे सरदार नहीं हो।
- 92. शुऐब (अलै.) ने कहा, ऐ मेरी कौम ! भला क्या अल्लाह के मुकाबले में तुम ने मेरी बिरादरी और कुम्बे के दबाव का ज्यादा खयाल रखा और अल्लाह के हुक्मों को पीठ पीछे डाल दिया ? सुन लो, मेरे रब ने तुम्हारे तमाम करतूतों को हर तरह से घेर रखा है।

- 88. He said: "O my people! Tell me, if I rested upon an evidence from my LORD, and HE has given me a good sustenance from HIMself (shall I corrupt it by mixing it with unlawful practices?) I wish not, in contradiction to you, to accomplish that which I forbid you. I desire only reformation, so far as I am able, to the best of my power. And my guidance cannot come except from ALLAH, in HIM I trust and unto HIM I will return."
- 89. "And O my people! Let not the opposition with me incite you so that there may befall on you the like of what befell on the people of Nooh, and the people of Hud and the people of Salih, and (what was the fate of) the people of Lut is not a matter far away from you!"
- 90. "And ask forgiveness of your LORD, and turn unto HIM in repentance. Verily, my LORD is Most Merciful, Most Loving."
- 91. They said: "O Shoeb! We do not understand much of what you say, and we see you a weak among us. Were it not for your tribe, we had surely stoned you, and you are not a leader among us."
- 92. Shoeb said: "O my people! Is my tribe then stronger with you than ALLAH? And you have cast HIS commandments away behind your backs neglected! Verily my LORD is Encompasser of what you do."

ومامن دابته" + Jio إِنَّى عَامِلٌ مَسُوفَ تَعْلَمُونَ مَنْ بِتَأْتِبُهِ عَذَابٌ ربوں گا، بہت جلدتم كومعسوم ہوجائے گاكہ ذليل كر ڈلنے والاعذاب كس پر آ پردا، اور جھوٹا كون ہے، نتيجہ كا وم فرعون ايمان لاكرالشرك رحمت كاستق بهوكرجنت ين جاسكتا تقامكر بزيْهِ وَمَنْ هُوَكَاذِبٌ دوارْتَقِبُوْآ إِتَّىٰ مَعَه كفركي راه جل كر توديجي بتم مي جا پر ا کی مدّت میں تمحارے اورايف ساته والول كوبعي بلكت اور انتظر کرو ، میں بھی اس انتظار ساتھ ہوں ایری مذاب میں لے دویا-تحننا شعنا ٥ ٥٠ وَلَتَّمَا جَاءَ أَمُونَا و9 بنده نيك يولوم في كابعد اس دنيا مي لوگ أس اچھام سے اور ہمارے حکم کی جب وہ گھڑی آئی تو ہم نے شعیب اوراس کے ساتھ ایک ان يادكرس، اورمالك كحصنور ينتح تو امَنُوامَعَهُ بِرَحْمَةٍ مِّنَّا، وَآخَذَتِ الَّذِينَ ظَ يكىكااتعام بات ،ليكن بركارلوكوں بردنيا مي لعنت الممت اوقى اور لائے والول پر مہر بانی کرکے نجات عطاک اور یا ٹی سب ظالموں کوایک بھیانک ڈرا ڈی آ دازنے دھر دبوحی قيامت كردن اليغرب سے انعا لصبحة فأضبحوا في ديا رِهِمْ جَبْنِينَ ٢ الفر مح بحات نذاب مول لحليا-بهال سی کو بیشبه برط که دنیامی اور صبح کو یہ لوگ ایٹ گھروں میں اوند سے منہ پڑے تھے @ (انظالموں کی ایسی ڈرکت توببت سير بركار مكاراور فَنُوْا فِيهَا الا بْعَدَّا لِمَدْيَنَ كَمَا بَعِدَتْ تَمُودُ 2929: 2 چالبازلوگىنى ككون ير ايتيخامو سے یادیخ ولتے ہی اوران کریلے ینی که ) گویا به لوگ یهان پر محصی آبا د ، می مذیقے ، آگاه او جاؤکہ کرین والول کو بھی قوم شود کی طرح الشد کی رشت سے دور میں نیک دیا گیا 🐵 ارْسَلْنَا مُوْسَى بِابْتِنِنَا وَسُلْظِن مَّبِبْنِ ٠ بناكرتادان لوك سطركون اورج دابون بركوف كرت بن اوران يتكول كو إريجول بمى بينات بي مرمان لينا اور موسلی کو بھی ، کم نے رسول بنا کر اپنی آیات اور محصلی دلیل کے ساتھ بھیجا تھا 94) چا میت که بد کارلوگوں کی تاریخ کھ زیادہ لَابِهِ فَاتَّبْعُوْا أَمْرَ فِرْعَوْنَ ، وَمَا لی فرغون وم دن تك ملتى نبس ايك كلى بندى ترت كذرف يرجب ان كرتوت عوام موسلی کو فرعون اوراس کے درباری چو دھریوں کی طرف، ہم نے بھیجا تھا ( مگر یہ لوگ موسلی کی بات تہیں مانے) اور فرعون کے تکم بر بركصلته بي توان كى مجرا مزز زركتان رُفِرْعَوْنَ بِرَشِبْلٍ ﴾ يَقْدُمُ قَوْمَهُ تنفير كي محمر من أجاتى بن اور اص بات تفلخ يرعوام كاغيظ ومنب یط جب کد فرعون کے تکم میں کھ محل بات نہیں تھی 🐵 فرعون قیامت کے دن اپنی قوم کے آگے آگے چلے گا اور زاپنی سرداری أن يرايسا لونتاب كمجراك كح يتل وَرَدَهُمُ النَّارَدَوَيَتُسَ الُورَدُ الْمُؤْرُودُ ﴿ أُسْتِبِعُوْا تورية مات بن مى كالجعن كقرول ے اُن کی سر ی کلی لا شیں نکال کر بوا) یں) ان کولے کر آگ میں جاہوئے گا، کیا پی بڑا گھاٹ ہے جہتاں یہ لوگ جا چہنچے 🚯 اس دنیا ہی ان کے پیچے بابر مينك ديت بي - اور نوب عنت لَعْنَةً وَيَوْمَ الْقِبْحَةِ دِبِ كي يعظاران ير برسات بن بار ( mit زمانے میں لینن واسٹالن اوراسی لعنت کی پھٹکار ارستی دہی ، اور قیامت کے دن بھی کمیک ہی ای انف انف 01 قبيل كربت سيظالمول كرماتة مُفْدُد وذلك مِنْ أَنْبَاءِ الْقُبْ نَقْصَدُ السابى معامل بوابعف كى قبرول ساتوروس كے شہر ماسكوس ميں بوا۔ (··· یہ آن آبادیوں کے مالات ہیں جوہم م پر بیان کرتے ہیں ان میں کھ استیاں ای تک کھو ی ہی ila لى كومغالط من مواس الح قرآن لے آيم وحصيك ظَلْمُنْهُمُ وَلَكُم اس میں ایک اشارہ دے ہی دیا کہ وما (1...) والتبعوا في هاد ولغنة وسيروم یه توجرم کا کرا جار دی کئیں اور دیران پڑی ہیں ، تم نے ان پر ظلم نہیں کیا، لیکن یہ لوگ خود ہی اچتے آپ  $\bigcirc$ الْقِبْحَة بِعُسَرَالِرِّ فَدُ الْمَرْنُوُدُ 326

- 93. और ऐ मेरी कौम ! अपनी जगह तुम भी अमल किए जाओ और मैं भी अपने काम में लगा रहूंगा, बहुत जल्द तुम को मालूम हो जाएगा कि जलील कर डालने वाला अजाब किस पर आ पड़ा और झूठा कौन है ? नतीजे का इन्तेज़ार करो, मैं भी इस इन्तेज़ार की मुद्दत में तुम्हारे साथ हूँ।
- 94. और हमारे हुक्म की जब वह घड़ी आ गयी तो हम ने शुऐब (अलै.) और उसके साथ ईमान लाने वालों पर मेहरबानी करके नजात अता की और बाकी सब जालिमों को एक भयानक डरावनी आवाज़ ने धर दबोचा और
- सुबह को ये लोग अपने घरों में औंधे मुँह पड़े थे। 95. (इन ज़ालिमों की ऐसी दुर्गत बनी,) जैसे कि यह लोग यहाँ पर कभी आबाद ही न थे, आगाह हो जाओ कि मदयन वालों को भी कौ़मे समूद की तरह अल्लाह की रहमत से दूर फेंक दिया गया।
- 96. और मूसा (अलै.) को भी हम ने रसूल बनाकर अपनी आयतें और खुली दलील के साथ भेजा था।
- 97. मूसा (अ.स.) को फिरऔन और उसके दरबारी चौधरियों की तरफ हम ने भेजा था (मगर वह लोग मूसा की बात नहीं माने) और फ़िरऔन के हुक्म पर चले, जब कि फिरऔन के हुक्म में कुछ भली बात नहीं थी।
- 98. फिरऔन कियामत के दिन अपनी कौम के आगे आगे 'चलेगा और (अपनी सरदारी में) उन को लेकर आग में जा पड़ेगा, क्या ही बुरा घाट है, जहाँ ये लोग जा पहुँचे।
- 99. इस दुनिया में उन के पीछे लानत की फिटकार बरसती रही और कियामत के दिन भी ! क्या ही बुरा इनाम इन को मिला।
- 100. ये उन आबादियों के हालात हैं, जो हम तुम पर बयान करते हैं, उन में कुछ बस्तियाँ अभी तक खड़ी हैं, और कुछ तो जड़ से काटकर उजाड़ दी गयीं और वीरान पड़ी हैं।

- 93. "O my people! Act according to your position, verily, I am going to work in my way. You will come to know who it is and whom descends the torment humiliating, and who is a liar. Wait for the result I shall be waiting with you during this period."
- 94. And when OUR decree came to pass, WE saved Shoeb and those who believed with him by a Mercy from US; and an awful shout seized the wrong-doers, and they lay dead in their dwellings on their faces downwards;
- 95. as if they had never lived there at ease! So a far removal for Madyan people (from ALLAH's grace and mercy), even as Samud people were removed afar. 8 12 8
- 96. And assuredly WE sent Moosa with OUR signs and a clear authority;
- 97. to Firaun and his chiefs; (but they denied Moosa), and followed the command of Firaun; whereas there was no right guidance in his (Firaun's) command.
- 98. Firaun will lead his people, on the Day of Resurrection, into the Fire. And evil indeed is the station whereat Firaun led his people to descend.
- 99. They were pursued by a curse in this world, and so they will be on the Day of Resurrection. How bad is the curse pursued by another curse!
- 100. These are the conditions (news) of the towns which WE relate unto you; of them some are standing, and some have been (already) abondoned.

ومامن دآتاوا م فياً اغنت عنهم mei 15 ب کے رب کا عذاب آئے پر اُن کو وہ معسبود کھ بھی کام مذائع ، جن کو یہ يَكْ عُوْنَ مِنْ دُوْنِ اللهِ مِنْ شَى إِ لَهُ یے سوا (دعایس) پکارتے تھے اور (انشر کے سوا دوسروں کو دعاکر کے میکارنے بیس) ان کی زادۇھە غېرىتېپ الا و قال 6. و بربادی اور زیاده برطر محتى وال اوراسي طرح ظالم آبا ديول كو آب يتِكَ إِذَا آَخَذَ الْقُرُبِ وَهِي ظَالِمَةُ مَانَ أَخْذَ أَخْذَ مرب ی پر بی آنے پر تحییل دیا جاتا ہے، بینک اس ی پر بر مرد دردناک اور بہت ، بی بُمُ شَدِيْكُ أَ إِنَّ فِي ذَلِكَ لَا بَهُ لَّهُنَ خَافَ اور جولوگ بھی آخرت کے دن کا ٹوف رکھتے ہوں ، ایسی آباد بول کے ین ا (1-1) خرة وذلك بوم مجبوع له الناس المح ایک ایک نشان موجو دیے اور بددن ایسا ہو گا کہ سارے انسانوں کو الحظ چے مالات مي ان شَهْدُدُ 🕤 وَمَا في يوم م اور یه دن مامری اورگوایی کا بوگ 🐨 اوراس دن کولاتے میں ہم دیر جی لگارہے ہی مرایک تقریرہ بڑت مَعْدُودٍ ﴿ بَوْمَرِ بَأْتِ لَا نَكْلُمُ نَفْسُ إ لريادن کی کمنٹی پوری ہوتے تک 🐨 روقت کی کمنٹی پوری ہوتے ہر) جب یہ دن آجلتے کا تو اللہ کی اجازت کے بغیر کوئی نفس بات بھی هُمْ شَعِينٌ وَسَعِيْكُ ، فَأَمَّا الَّذِينَ شَغُوا - مذکر سکے گاجب کہ ان میں پر بخت اور تیک بخت لوگ سب وجو د ہوں گے 🐵 جولوگ بزنخت ہوں گے وہ تو آگ میں ڈال دینے جانیں گے زفير وشهني ٣ يان في اوروبال دھاڑیں مارمار کر بہت ہی بھیانک اور ڈراؤنی آواڈ سے چلائیں کے 💮 وہاں بران کو ہمیشہ رہنا ہے جب تک زمین شاءَ رَيَّك رض الأما ب السَّمُوْتُ وَ سمان رہیں ہاں اگر آپ کے رب کو پھراور نظور ہوا تو پھر الگ بات ہے، بے شک آپ کا رب بو ارا دہ رَبِّكَ فَعَالٌ لِبَا بُرِيْبُ 💮 وَاَمَّا الَّذِينَ سُعِدُوًا فرمالے وای کرکے رہت ہے تن اور جو لوگ نیکی والے ہوں گے وہ جنت یں بابن فِبْهَا مَا دَامَتِ السَّبُونُ يتد كور باكويس كر ، جب يك أسمسان و زمين ربي ، بال أكراب كارب بيام تو اوربات م،

وال جب التركا عذاب آيا توج لوگ عام حالات ميں غرائت سے دعاتيں انك را بنا ذہبى رنگ جات ہوتے تق ان كا مجلانہ ہوا بلك ألخ اور زيادہ برباد ہوتے -ميشہ رہندي مادر بند سے ہيں الترك بيني فرق حلوم ہوا، التركييشہ ہيں رہے گا ليكن بندہ كا ہميشدر منا التر مرج كا ليكن بندہ كا ہميشد ر منا التر مرج كا كون اكر دے اور جتنا چا ج بندے وفناكر دے اور جتنا چا ج

ruis

- 101. हम ने उन पर जुल्म नहीं किया, लेकिन ये लोग खुद ही अपने आप पर जुल्म ढा रहे थे, तब आप के रब का अज़ाब आने पर उन को वह माबूद कुछ भी काम न आए, जिनको यें लोग अल्लाह के सिवा (दुआ में) पुकारते थे और (अल्लाह के सिवा दूसरों को दुआ कर के पुकारने में) उनकी तबाही व बरबादी और ज्यादा बढ गयी।
- 102. और इसी तरह जालिम आबादियों को आप के रब की पकड़ में आने पर कुचल दिया जाता है, बेशक उस की प्रकड़ बड़ी दर्दनाक और बहुत ही सख्त है।
- 103. और जो लोग भी आखिरत के दिन का खौफ रखते हों, ऐसी आबादियों के हालात में उन के लिए एक एक निशान मौजूद है और यह दिन ऐसा होगा कि सारे इन्सानों को इकट्ठा जमा कर लिया जाएगा और यह दिन हाजरी और गवाही का होगा।
- 104. और उस दिन को लाने में हम देर नहीं लगा रहे हैं, मगर एक मुकर्ररा (तयशूदा) मुददत की गिनती पूरी होने तक।
- 105. (वक्त की गिनती पूरी होने पर) जब यह दिन आ जाएगा, तो अल्लाह की इजाजत के बगैर कोई नफ्स बात भी न कर सकेगा, जब कि इन में बदबख्त और नेकबख्त लोग सब मौजूद होंगे।
- 106. जो लोग बदबख्त होंगे, वो तो आग में डाल दिए जॉएँगे और वहाँ दहाड़ें मार मार कर बहुत ही भयानक और डरावनी आवाज से चिल्लायेंगे।
- 107. वहाँ पर उनको हमेशा रहना है जब तक ज़मीन 107. They shall abide there so long as the और आसमान रहें, हाँ अगर आप के रब को कुछ और मंजूर हुआ तो फिर अलग बात है, बेशक आप का रब जो इरादा फरमा ले वही कर के रहता है।
- 108. और जो लोग नेकी वाले होंगे. वो जन्नत में हमेशा को रहा करेंगे जब तक आसमान व जमीन रहें. हाँ अगर आपका रब चाहे तो और बात है, यह अता और बख्शिश ऐसी होगी, जिसका सिलसिला कभी खत्म न होगा।

- 101. And WE wronged them not, but they wronged themselves. So their gods whom they invoked (in supplication) beside ALLAH did not avail them in ought, when there came the decree of your LORD, nor did they add anything to their lot except destruction.
- 102. Such is the seizure of your LORD when HE seizes the (population of ) towns while they are doing wrong. Verily HIS seizure is painful, and severe.
- 103. Verily, in that there is a lesson for those who fear the torment of the Hereafter. That is a Day whereon mankind will be gathered together, and that is a Day when all will be present.
- 104. And WE delay it not, but to a term (already) fixed.
- 105. (At the end of the time bound counting,) that Day would be brought when no soul shall speak except by ALLAH's leave; then of them some shall be wretched and some blessed.
- 106. As for those who are wretched, they will be in the fire sighing and crying in most high dangerous tone.
- heavens and the earth remain, except as your LORD may will. Verily, your LORD is the doer of whatever HE intends.
- 108. And as for those who are blessed, they shall be in Paradise, abiding therein so long as the heavens and the earth remain; except as your LORD may will, a gift without an end.

ومامن دآته ruine الأماشاء رَتُكُ عَطاءً عَبْرَ مَجْدُودٍ شش ایسی ہوگی ح 6 92 (1·A), LL الشرك سوا دوسرول تے ہیں ، ان کی بندگی کا پرفعل ای وهم من فد لیقر بندگی تھا، تو تم ان کے انٹ ) پرشکہ باب دادوں کا براط نْقُوْصٍ ﴿ وَلَقُدُ (iii) à mà é seu Er 🕑 اورموسی کوبم نے تماب عطا کی بخبی اس 82 ان کو اورا دیں گے جس کے 5.5 والدرب كافران جارى بوجكا ودولولا ك الكتك فأخت كركماب مي محوث دالخ والول كى سزاكاوقت آخرت كادن مقررب فرمان جاري شكيا كما يوتا توان كافيصله المعى كرديا جاتا، بحراخلاف مان سے سل اکم اس لخابجی اس دنیا میں کسی کوبوری ى ينتهم م (S W W سزانہیں دیتے وریز آج ہی فیصر 9 بوجاما ، بولوك التي كتاب اورايخ باختلاف ڈال کر) خود ہی شک 1 5 4 1 31 00 0 دين مي آب، ي يوف دالكرفرة له مربب 260 ین جاتے بی اوراپتے دین کے بارے (S) w, 9 (11.) یں شک میں برط جاتے ہیں، تو الجس 🕕 اور جانے بھی ہیں ان میں سے ایک ایک کو تیرا رب ان کے اعمت برص لکتی ہے،مسلمان ایس سے 01 لُون الله بها يغد بیجنے کی فسکرکریں کہ یہ آخری امتن بن الريقي يحوط تحت توجر اورا بدله دے گا، بیتک وری ان کے تمام اعمال کی اوری خبر رکھت (11), يس آب اور جولوكر كسىكا علاج مكن نبسt. ت ومن تات مع مال اين ايز عمل كا ياب (5 نيك بهويا بد،سيكوبدله يا تاب تكنيك بمت وتي بكودالك اورهد بکے سب اس حکم پرمضبوطی سے قائم دیو جو آپ كونى جوف نهيس سكتاكررب كوابك ایک کام ک پوری فر ب-ن يُن رباب اورظالموں كى طرف مت تجمكنا ورد آكم كو تجلس ڈالے كى، ن دون 200 1202218 121 ے کوئی بھی اولیا۔ کچ ودرون ورواقع الصّلوة س اوردن کے دونوں سرول پر نماز قائم کرو، اوردات 2 5 2 کو جم کوتی ل دان الحس لت باره . ب نیکیوں میں بیانٹر ہے کہ بترائیوں کو دور محردیتی ہیں یہ بات ان سب کو ، صبح من تمي نارقائم كرو، بيشك 32.8

109. जो लोग अल्लाह के सिवा दूसरों की बन्दगी करते हैं, उनकी बन्दगी का यह फ़ेल (कर्म) ऐसा ही (खराब) है, जैसा इन के पहले, इनके बाप दादाओं का बुरा तरीका था, तो तुम इनके अंजाम पर शक में न पड़ना और उनके नसीब में लिखा हम उन को पूरा देंगे, जिसमें कुछ भी कम न किया जाएगा।

- 110. और मूसा (अलै.) को हमने किताब अता की थी, उसमें भी इख्तिलाफ डाला गया अगर आप के रब की जानिब से पहले एक फरमान जारी न किया गया होता तो इनका फैसला अभी कर दिया जाता और ये लोग (मूसा अलै.) की किताब में इख्तिलाफ डाल कर) खुद ही शक में पडकर आपस में उलझ कर रह गए।
- 111. और ये जितने भी हैं, इन में से एक एक को तेरा रब इनके आमाल का पूरा पूरा बदला देगा, बेशक वही इन के तमाम आमाल की पूरी खबर रखता है।
- 112. बस आप और जो लोग तौबा कर के आप के साथ हो गए हैं, सब के सब इस हुक्म पर मज़बूती से कायम रहो जो आप को दिया गया है और हद से आगे निकलने की हिम्मत कोई न करे, बेशक, तुम जो कुछ काम करते हो, अल्लाह उसे देख रहा है।
- 113. और जालिमों की तरफ मत झुकना, वरना आग तुमको झुलस डालेगी, तब तो फिर अल्लाह के सिवा तुमको दूसरे कोई भी औलिया कुछ काम न आएँगे और तुम्हारी मदद को भी कोई न आएगा।
- 114. और दिन के दोनों सिरों पर नमाज कायम करो और रात के एक हिस्से में भी नमाज कायम करो, बेशक नेकियों में यह असर है कि बुराइयों को दूर कर देती हैं, यह बात उन सबको याद रखने की है, जो नसीहत को ध्यान में रखने वाले हैं।

- 109. These people worship others beside ALLAH -this their worshipping- is (equally disgusting) as was their forefathers' tradition of worship. So be not you in doubt concerning their final result, verily, WE will repay them their portion in full, undiminished.
- 110. And indeed WE gave the Book to Moosa, wherein also disputation was raised. Had it not been a Word that had gone forth before from your LORD, the case would have been judged between them. For these people got themselves involved in the mutual wrangle because of their generated doubts in the Book given to Moosa.
- 111. And verily to each of them your LORD will repay their works in full. Surely, HE is All-Aware of what they do.
- 112. So stand firm and straight on this commandment, you and your companions, who turn in repentance unto ALLAH, with you, and transgress not the limits. Verily, HE has full sight of what you do.
- 113. And do not incline towards those who do wrong, lest the Fire should touch you; hence you will have no protectors other than ALLAH, nor you would then be helped.
- 114. And offer prayers regularly at the two ends of the day and in some hours of the night. Verily, the good deeds remove the evil deeds. That is a reminder for the mindful, who accept advice.

ومامن دائه، السَبِيناتِ وذلِكَ ذِكْرَ لِلنَّ حِرِبْنَ ٥ وَاصْبَرُ رکھنے کی ہے بونصبحت کو دھیان میں رکھنے والے بی (۱۳) صبر کرکے اپنا فَانَ اللهُ لَا يُضِبُعُ أَجْرَ الْمُحْسِنِينَ ، فَلَوْلا جى تفام د بولس بربات سى بولست كرالترك باس بى رف والول كا جريهى اكارت تبيس جات كا (جب زمین میں حَانَ مِنَ الْغُرُونِ مِنْ قَبْلِكُمْ أُولُوًا بَقِبَة ما دیچیلایا گیا) توقم سے پہلے زمانہ کے لوگوں میں تبجھ دار آ دمیوں نے فسا دیوں کو زمین میں اودھم مچانے سے منع کیوں يَّبْهُوْنَ عَنِ الْفُسَادِ فِي الْأَرْضِ إِلَّا قَلِبُلًا مِّتَن بنیں کیا، لیکن بہت تقور او کول نے منع تحیا تو ہم نے ان کو بچالیا، گر بردی تعداد کے ظالم ٱنْجُبْنَا مِنْهُمُ ، وَاتَّبْعَ الَّذِينَ ظَلَمُوا مَا أُنْرِفُوا فِيهِ نوشحال لوگ اپنی عیش پر شتی کو قائم رکھنے کے لئے السل محبر مول کے سے التقی وَكَانُوا مُجْرِمِينَ 🛙 وَمَاكَانَ رَبُّكَ لِبُهْلِكَ با اور آئ کے رب کا یہ دستور نہیں کہ بستی والوں کو 0. -2 الْقُرْح بِظْلُم وَّ أَهْلُهَا مُصْلِحُونَ ١٠ وَلَوْ شَاءَ ہاک کر ڈالے جب کہ وہاں کے لوگ اصلاح میں لگے ہوں 🖭 اگر آئ کا رب رَبُّكَ لَجُعَلَ النَّاسَ أُمَّةً وَّاحِدَةً وَّلا يَزَالُونَ چا ہت کہ تمام لوگ ایک ہی طرح کے ہوجائیں توولیا بھی کر سکتا تھا کر یہاں ان لوگوں کو الگ الگ راستوں پر چلتے مُخْتَلِفِبْنَ أَلَا مَنْ تَرْجَمَ رَبُّكَ وَلِذَلِكَ خَلَقَهُمُ م رہنے کی پھوٹ دی گمی ہو ای گمر بو بھی حق بات میں اختلاف کرنے سے بچ کیا تواس نے آئی کے رب کی رحمت حاص وتبن كلبة رتك لأمكن جهدم من الجنة كرلى، اوراسى الخ اس في ان كوبيد كياتها، أور آب كرب كى يدبات بھى يورى بوكر رب كى كريس دوزخ كوجنا توں لنَّاسِ أَجْمَعِيْنَ () وَكُلَّا نَفْضُ عَلَيْكَ مِنُ (I) پہلے بھیج گئے رسولول کے بہت سے تھتے اور واقعات ہم کے اور انسانوں کو انحظا کرے بجے وں کا نْنَاء الرُّسُل مَا نُنَبِّتُ بِهِ فَؤَادَكَ وَحَاءَكَ فِ آت يربيان كة تاكدان كمالات بتاكريم آفي كا دل منبوط كردي، اوران ك واقعات من آفي ك پاس من اور هْ يَ لا الحَقْ وَمَوْعِظَةٌ وَذِكْرَى لِلْمُؤْمِنِينَ ﴿ وَقُ مت کی باتیں بھیج دی تحکیم، ادر ایک ان والوں کے لئے یہ باتیں بہت دھیان کرنے کی ہیں () اب بھی جولوک

والدجب بحى زمن من بكاريد اورنساد، مار، کاٹ، سترک ویدیات زنا ، جموط، كم تولنا، ببنان ، غيبت وغره مصل تو محدداراو گھرے باہر آكرفساديون كاباته ردمحن ككوشش كري توعذاب أتغ يرمنع كرف وال بچ سکتے ہیں، لیکن بخطے زمانے سے بالداراور توشحال طبقه كايرطريق جلا أرباب كداين بودها بهك اوريران ى مفاظت كے لئے مجم طبقى حايت كرتي بن اور ظلوم طبقة كاساته بين ديت، كمات من لوك بمشر التي من بر ان ما خوات بن ان كاكام ب كرايس وقت من ظالمول كا بالله روك دي ور بنزاب آغير أك ك بحى فيريت نهيس -و>المعلوم بواكس بستى بر بران بصلغ يركجه لوك اصلاح اورشرهادك كوشش من برا برلگ جائيس تواك كا يراصلاحى كام عذاب كحظ لفكالبب -4 [ ... وملا اكرسب كوايك داست يرحيلانا التركامقعود بوتاتو وه ايساكرسكتا تخا لیکن دنیاکواس نے امتحان کی جگہ بناتى باس لت ج جورامت بيند ہواس پرائے چلنے کی آذا دی ہے ، برمال برايك كوابي ك كااتي برابدليانا--

" dib"

329-A

- 115. सब्र कर के अपना जी थामे रहो, बस यह बात सच है कि अल्लाह के पास नेकी करने वालों का अज कभी अकारत नहीं जाएगा।
- 116.(जब ज़मीन में फ़साद फैलाया गया) तो तुम से पहले ज़माने के लोगों में समझदार आदमियों ने फ़सादियों को ज़मीन में उधम मचाने से मना क्यों नहीं किया ? लेकिन बहुत थोड़े लोगों ने मना किया, तो हम ने उनको बचा लिया, मगर बड़ी तादाद के ज़ालिम खुशहाल लोग अपनी ऐश परस्ती को कायम रखने के लिए उलटे मुजरिमों के साथी बन गए।
- 117. और आप के रब का यह दस्तूर नहीं कि बस्तीवालों को ज़बरदस्ती हलाक कर डाले, जब कि वहाँ के लोग इस्लाह (सुधार) में लगे हों।
- 118. अगर आप का रब चाहता कि तमाम लोग एक ही तरह के हो जाएं, तो वह ऐसा भी कर सकता था, मगर यहाँ इन लोगों को अलग अलग रास्तों पर चलते रहने की छूट दी गयी है।
- 119. मगर जो भी हक बात में इखितलाफ करने से बच गया तो उस ने आप के रब की रहमत हासिल कर ली और इसीलिए उसने इनको पैदा किया था और आप के रब की यह बात भी पूरी होकर रहेगी कि मैं दोजख को जिन्नातों और इन्सानों को इकट्ठा कर के भर दूंगा।
- 120. पहले भेजे गए रसूलों के बहुत से किस्से और वाकेआत हम ने आप पर बयान किए, ताकि उनके हालात बता कर हम आप का दिल मज़बूत कर दें और इन के वाकेआत में आप के पास हक और नसीहत की बातें भेज दी गयीं और ईमान वालों के लिए ये बातें बहुत ध्यान करने की हैं।

- 115. Forbear and be patient; verily, ALLAH does not waste the wage of the well-doers.
- 116. Why were there not among the generations before you, owners of wisdom, restraining others from corruption on the earth, except a few of those whom WE delivered from among them? Those who did wrong persuade the enjoyment of luxuries of (this worldly) life; and they had been sinners.
- 117. And your LORD would never destroy cities wrongfully, while their inhabitants were men of rectitude.
- 118. And had your LORD willed, HE would surely have made mankind of a single community but instead, HE has allowed to go on different ways of their choice.
- 119. (They will not cease to disagree, all) except him on whom your LORD has bestowed HIS Mercy, and for that HE has created them. And fulfilled will be the Word of your LORD: "Surely I will fill Hell with the jinn and mankind together."
- 120. And all that WE relate to you the history of the messengers is in order that WE may make strong and firm your heart thereby. And in this there has come to you truth and an exhortation as well as an admonition and a reminder for the believers.

۲۱ <u>بوسع</u> وَمَامِنَ دَا بَهُ ا ~ Jiio 6. لا يُؤْمِنُونَ اعْمَاوًا عَلْى مَكَانَتِكُمْ ا ایمان نہیں قبول رکھتے،ان سے کہ دوکرتم اپنی چگہ کام 2 کے ماؤ، اور ہم بھی ایت وْنَ ﴿ وَانْتَظِرُوا اللَّهُ مُنْتَظِرُونَ ﴾ م بھی انتظار کروا ورہم بھی انتظار کرتے ہیں (ITT) (۱۲) اورندی الول اور شي بي وجي فأغه 221 ،التركاب اورسي كامول كاانجام أسى كى طف جاكرسا مت آت كا؛ بس آب ب ريعني لوگوں کي تکاہ سے تھ 2)00 2 رَيَّكَ بِعَاف Er (175) الشركى بندگى كرتے رہتے ، اورانسى كى مد دبر بھروسە ريجية ، اورلوكو اجو كچه شم كرتے ہوالشراس سے برخبر نبي سے سات مورة وسف ورة يوسف مكه كمرمة من نازل بوين اس من ايك توكيارة آيات اوريارة ركوع بن والله الرحمن الرّج روع الشرك نام سے جو يوا مهر بان نهايت رحم كرتے والا ب كتب المببن آ لاتف تأك الن ويس حضرت محرق الشيطيد وكم في كسى سے کچھ بڑھانہيں، لکھنا پڑھنا ى كتاب كى بوساف صاف بكان كرتى ب () بيشك بم خاس قرآن كونازل قرمايا الف-لام-را- يدأيتين بين اس بمى بهي جانت مح يوسف لي السلا 2 29 تَ فَ عَ سَا ( ... اوران کے معایتوں کے سبب ایک بڑی P قومعي بن امرائيل كا دنيا م بيدادس كو اورعف ل ہے جربی زمان میں تاکہ تم بات کو سمجھ (P) UI آي پرير طرح بوا، اس داقد س مفرت ليجر الفصص بما أوْحَبْنا إلَيْكَ 210 (.)m2] é يق، جب قرآن بي اس كابريان آيات واقف بوت الترفياس ہے، اس میں ہم ایک قطتہ بیان کرتے ہیں جو بہت ہی 7.19/018 Ujl. 2º 1 101 64 ققتركواحس القصص فرايا يرتهايت 200 (.). Jal ( lies ى جرت أنجر اور دردناك داستان ہے، لیکن نتیج کے لحاظ سے دنیااور قرآن کے نازل ہوتے سے پہلے آ بچ کو بھی اس واقعہ کی (P), if i آخرت دونوں جگر کے لیے کامیابی فأزانت م - اور بقصة قرآن مي مرف أى سورة ميں ايك ساتة بيان بواادر ب نواب آيا، ديجتا مور 1016 21 مى تىس-مس والفي ز كتا وا تهم لی سجدین (7) di 191 مورج Ut B ننتى: 6.6 اخون 9 یں يعقوب اولے كر بيا اس خواب كا بيان اپنے بھا يُول سے مت كرنا ، ورنہ وہ

- 121. अब भी जो लोग ईमान नहीं कबूल रखते, उन से कह दो कि तुम अपनी जगह काम किये जाओ और हम भी अपना काम किए जाएँगे।
- 122. और नतीजे का तुम भी इन्तेज़ार करो और हम भी इन्तेज़ार करते हैं।
- 123. आसमानों और जमीन में जो भी गैब है (यानी लोगों की निगाह से छुपा है) वह भी सब अल्लाह का है और सब कामों का अंजाम उसी की तरफ जा कर सामने आएगा, बस, आप सिर्फ उसी एक अल्लाह की बन्दगी करते रहिए और उसी की मदद पर भरोसा रखिए और लोगो ! जो कुछ तुम करते हो, अल्लाह उस से बेख़बर नहीं है।

## 12. यूसुफ़

सूरह यूसुफ मक्का में उतारी गई इस में एक सौ ग्यारह (111) आयतें हैं और बारह (12) रूकूअ़ हैं। "शुरू अल्लाह के नाम से जो बड़ा मेहरबान बहुत बहुत रहम करनेवाला है।"

- अलिफ–लाम–रा, यह आयतें हैं उस किताब की, जो साफ साफ बयान करती है।
- बेशक, हमने इस कुरआन को नाज़िल फरमाया है अरबी ज़बान में, ताकि तुम बात को समझ सको और अक़्ल से काम लो।
- 3. हम ने आप (स.अ.व.स.) पर यह कुरआन नाज़िल फरमाया है, इसमें हम एक किस्सा बयान करते हैं, जो बहुत ही उमदा और बेहतर किस्सा है और इस कुरआन के नाज़िल होने से पहले आप (स.अ.व.स.) को भी इस वाकेआ की ख़बर न थी।
- 4. जब यूसुफ (अलै.) ने अपने वालिद (पिता) से कहा कि ऐ अब्बाजान ! मुझे एक ख्वाब आया देखता हूँ कि ग्यारह सितारे और सूरज और चाँद मुझे सजदा कर रहे हैं।

- 121. And say to those who do not believe: "Act according to your understanding. Verily, we are going to work in our way."
- 122. "And you wait for the outcome! We too are waiting."
- 123. And to ALLAH belongs the Unseen, (that which can not be perceived by any creature's eyes), of the heavens and the earth. And to HIM shall return all affairs for decision. So worship HIM, and rely on HIM; and your LORD is not heedless of what you people do.

#### **12. SURAH: YUSUF**

## REVEALED AT MAKKA (CONTAINS) 111 AYATS AND 12 RUKUS.

In the name of ALLAH, the Most Beneficent, Most Merciful.

- Alif. Lam. Ra. These are the Verses of the Book which is clear and unambiguous.
- Verily, WE have sent it down in Arabic language that you may understand and reflect.
- WE relate unto you the best of stories through OUR revelations unto you, of this Quran. And before this, you were among those who knew nothing about it.
- 4. When Yusuf said to his father: "O my father! Verily, I saw in a dream, eleven stars and The Sun and The Moon, I saw them prostrating before me.

1.

ومامن دا تهما لِيُنُوا لَكَ كَيْنًا دانَ الشَّيْطَنَ لِلْإِنْسَانِ عَلُوُّ تھارے لتے دھوکے کی کوئی چال چلیں گے ، بے شک سشیطان انسان کا کھ لا ہوا دشمن ين ( وَكَنْ لِكَ بَجْتَسْكَ رَبُّكَ وَنُعَلَّمُ (۵) اوراسی طرح بوگا که تمحارا رب تم کویسند فرما نے گا اور تم کو نواب دادرواقعات تَأْوِيلُ الْآحَادِيْثِ وَيُبْحُ يَعْمَنَهُ عَلَدُ اورمعالمات کا فلاصہاوراس) کی ترکیب بٹھانے کی تعلیم فرائے گا،اور ٹم براور بیعقو ب کے خاندان پراین نعمتیں ل يغفون عَلْ أَبُونُكَ مِنْ بحر اور محرف کا، میس کراس نے پہلے بھی بہت انع م فرما یا ہے متھارے باب دادوں ایرا ہم میں اور المُ اِبْرُهِبْمُ وَاللَّحْقِ إِنَّ رَبِّكَ عَلَيْهُ حَكِيْمُ -47= السحق بر، يقيب المتحارا رب بيت علم والا اور برا دانش مند ب ( لَقُلُكُانَ فِحْ يُوْسُفَ وَإِخْوَتِهُ إِنَّ لِلسَّابِلِينَ (2) دراصل پوسف اور آس کے بچا تیوں کے قصر میں پوچھتے والول کے لئے نشانیاں موجود بیں ۵. لَبُوْسُفُ وَآخُوْهُ أَحَبُ إِلَى أَبِيْنَا مِنْ 9 جب یوسف کے برادر آپس میں تھتے لگے کہ جارے والدکو لوسف اوراس کے سکھ بھا تی سے ہم سے جن زیادہ مجتن ہے نُ عُصْبَةً وإِنَّ آبَانَا لَغِي صَلِل مَّبِبُنِ فَ ب كريم توايك جمعة بين داور جماعتى طاقت رقصة بين) بمار صوالدوا قعى محصلي بوتى غلطى بر بين 🔬 اب ايسا كرو ك يُوسف أواطرجوه أرضًا بخل لكم وحة أبد پوسف کومارہی ڈالویا تھی ویران جگہ ریا پر دلیس ) میں چھوڑ آ ؤ، تب کہیں تمھارے باپ کا دل اس کی مجتنت سے وُنْوَامِنْ بَعُدِهِ فَوْمًا صَلِحِبْنَ ٠ قال قار تبان میں سے ایک ترمیخ خالى بوكر بتحارى طف مائل بوكا - اس كام كے بعد تم نيك . بن جانا تقتلوا يوسف والفولا في غبيت یے کہا کہ یوسف کو **تست کرو اور اس ک**و کسی اندھیرے گمنام کنویں میں ڈال دو کہ را ہ چلتے کسی نافلے والے السَبَيَارَةِ إِنَّ كُنْنَمْ فَعِلِينَ . کے باتھ پڑجاوے گا ٹو وہ اُسے لے کر چلتے بنیں گے، اگر نم کو کچھ کرنا ہے تو ایسا  $(1\cdot)$ 25 لوا بابانا مالك لا تأمنًا عَلَى يُوسف و ، رید مجانی آبس میں سازش طے کرچکے تو ) کہا اے آباجان کیا وج ہے کہ آپ یوسف کے بارے میں ہم پر بحروسہ ہ

وى مشرك لوك وى كتاب اورنيوت كجقبقت سيناواتف رسح بسال الت مكر كم مشركول في يهودي عالمول سے مدوطلب کی کہم کو کچھ ایسے سوال بتاديجوهم محرس إوتعيس جن كاجواب وە بروىسىكىن، تتب يہود نے ايك سوال بتاياكدا برابيم كاوطن تؤشام تقاييران كي اولا دجوحفزت يعقوب سے چلی اور بنی اسرائیل کے نام سے مشہور ہوتی معرمی کیے آگی کہ ولئ اورفرعون كامقابله موا بهودت ي سمجهكر سوال بتا باكد فخرف كبس کھر مطانبیں ہے ان سے تواب بنيس بن يرف كانب التدني سورة يوسف نازل فرائى اورادر جواب کے ساتھ ایک بہترین قصت بجى عام لوكول كى معلومات مين آيا -وم حزت يوسف عرس تجو تق اورأن كرسط بعاتي في تحوق عمر کے تقریر دونوں ایک ماں سے تھے باتى بمانى دوسرى السے تھرە سبعمين برطي تقحاد رتعداد كحلحاظ سا یک جقر تھا تیا کی زندگی س جقرادراد<sup>ل</sup> زياده أبمقى ليكن حفرت بيحقوب كايباريو اوران کے سکے بھاتی بنیامین کی طرف كجرزباده تقا، مجتت كايد تحكاؤبرط بمايتوں كواكم كيا-و یعنی تمت کرکے پیکام کرڈا لو بيرتوبه كركے نيكى ميں لگ جانا گناہ كا - 82 Logi Ky 21. وا بجايول في السف كوتسل كرنے باجلاد طن كرنے كافیصلہ كرى لیا تھا اوراس برعل کرنے کی ترکیب سوچ رہے تھے تب ان س سے ک في كماكدا بساكر كم يرط اكناه مول لمن کے بچاتے کسی گہرے گمنام کنویں میں ڈال دو-

" Jio

- 5. जनाब में याकूब (अलै.) बोले कि बेटा इस ख्वाब का बयान अपने भाईयों से मत करना वरना वो तुम्हारे लिए धोके की कोई चाल चलेंगे, बेशक शैतान इन्सान का खुला हुआ दुश्मन है।
- 6. और इसी तरह होगा कि तुम्हारा रब तुमको पसंद फरमायेगा और तुमको ख़्वाब (और वाकेआत और मामलात का खुलासा और इस) की तरकीब बिठाने की तालीम फरमायेगा और तुम पर और याकूब के खानदान पर अपनी नेमतें भरपूर कर देगा, जैसे कि उसने पहले भी बहुत इनाम फरमाया है, तुम्हारे बाप दादा इब्राहीम और इसहाक पर, यकीनन तुम्हारा रब बहुत इल्म वाला और बड़ा दानिशमंद है।
- दरअसल यूसुफ़ (अलै.) और उसके भाईयों के किस्से में पूछने वालों के लिए निशानियाँ मौजूद हैं।
- 8. जब यूसुफ़ के बिरादर आपस में कहने लगे कि हमारे वालिद को यूसुफ़ (अलै.) और उसके सगे भाई से, हम से भी ज़्यादा मुहब्बत है जब कि हम तो एक जत्था हैं (और जमाती ताकत रखते हैं) हमारे वालिद वाकई खुली हुई गलती पर हैं।
- 9. अब ऐसा करो कि यूसुफ (अलै.) को मार ही डालो या किसी वीरान जगह (या परदेस) में छोड़ आओ, तब कहीं तुम्हारे बाप का दिल उस की मुहब्बत से खाली होकर तुम्हारी तरफ लग जायेगा, इस काम के बाद तुम नेक बन जाना।
- 10. तब उन में से एक कहने वाले ने कहा कि यूसुफ (अलै.) को कत्ल मत करो और उसको किसी अंधेरे गुमनाम कुवें में डाल दो कि राह चलते किसी काफिले वाले के हाथ पड़ जावेगा तो वो उसे लेकर चलते बनेंगे, अगर तुम को कुछ करना है तो ऐसा करो।
- 11.जब (ये भाई आपस में साज़िश तय कर चुके तो) कहा, ऐ अब्बा जान ! क्या वजह है कि आप यूसुफ़ के बारे में हम पर भरोसा नहीं करते, जब कि हम यूसुफ़ का बहुत भला चाहने वाले हैं।

- 5. (In reply,) Yaqoob, (his father), said: "O my son! Relate not your dream to your brothers, lest they may scheme a plot against you; verily Shaitan is to men a manifest enemy."
- 6. "Thus will your LORD choose you and teach you the interpretation of dreams (and discourses and other things), and shower HIS favour on you and on the offspring of Yaqoob; as HE perfected it on your fathers, -Ibrahim and Ishaque- aforetime! Verily, your LORD is All-Knowing. All-Wise.

1 6 11

- Verily, in Yusuf and his brothers, there are lessons for those who ask.
- Recall when they said: "Truly, Yusuf and his brother are loved more by our father than we, but we are a strong group. Really, our father is in a plain error.
- 9. "Kill Yusuf or cast him out to some (other distant) land, so that the favour of your father may be given to you alone, and after that you become righteous and favoured folk."
- 10. One from among them said: "Do not slay Yusuf, but if you must do something, cast him into the bottom of a well, then he will be picked up by some caravan of travellers."
- 11. When (those brothers agreed upon the plot), they said: "O our father! Why is it that you do not trust us with Yusuf, when we are indeed his well-wishers?"

٢١ يۇشغ ومَامِنْ دَابَةٍ mm منزل isod w) (11) جب كم اوسف كابهت بعلاجات والي ال اتباجان كل ان كو مار ال سائمة بيميج دين كمان يبين اور تعيل كوديين ان كا در in 20 5 بھی پہلے گااور ہم ان کی تفاظت بہت اچھی طرح کریں گے (۱) تب یعقوب ہونے کہ تھے اس کی برطری فس لكى رايتى بي اور ب وَأَخَافُ أَنْ تَأْكُلُهُ النِّنْ ان ريواور اس بحرط 1102 لے کتے کو تھے وں (PC) 🕑 جواب میں بھانی ہولے کہ ہماری اتنی بڑی ڈولی اور جماعت کے ہوتے ہو۔ بے چی اسے بھڑیا کھاجاد۔ 26 'n w ذهب w1 (m)()) 120. تیجے ثابت ہوں کے ب لے کرچلے اور اس بات بر تنفق ہو گئے کہ اسے اند حیر ب لوسف كويد لوك E. D. E. (11) 19 w 2 . 9 W 9 C غلبت الج d ?11 w 026 کنویں میں ڈال دیں تو ہم نے وی سے یوسف کو تسق کر دی کہ ایک وقت ایسا صرور آ تے گا کہ تم ان کو ان کی اس ترکت (10) ی خبر دوگے جب کہ وہ تم کو پہچانتے بھی بتر ہوں قالؤايا 9 w نے کی دوڑیں لگ تے، اور ا في تو ايك بولے اتا جان جب ہم (1) - 22-20 ارع: عد DU eng گیا، اوراب تو آپ ہماری بات پر بھروسہ نہیں قتي توأس بقريا كها الوسف كو تھوڑ -110-いい i (14) اور پوسف کی قمیص پر تھوٹ موٹ کا نون لگا کر لے آ-اكرم ، م محت ، مى 2 yeu 6 تخرص من شكات نے فرمایا کہ ایسا تہیں بي س اب تومرقه تے ایک من تھرطت بات بنالی ( - ) (1) اورایک قافله کا گذر کانام مذہوادر جو کچھ تم بیان کررہے ہواس پر توالطہ کی مدیکے ذریعہ می دھیرج حاصل ہو سکتی ہے 12:0 5 ردهم فاذ 9689 9 یہ وانوا تقوں نے اپنے بنہا ہے کو بھیجا کہ وہ یا ٹی لاتے ، جیسے پی اس نے پناڈول کمویں میں ڈالا پکارا تھا کہ بشارت ہو بشارت 332

332-A

- 12. अब्बाजान ! कल उनको हमारे साथ भेज दें, खाने पीने और खेल कूद में उनका दिल भी बहलेगा और हम उनकी हिफाज़त बहुत अच्छी तरह करेंगे।
- 13. तब याकूब (अलै.) बोले कि मुझे इसकी बड़ी फिक्र लगी रहती है और तुम कहीं उसे ले गए तो मुझे डर पड़ गया है कि तूम (सैर सपाटे में) इससे बे ध्यान\* रहोगे और उसे भेडिया खा जाए।
- 14. जवाब में भाई बोले कि हमारी इतनी बडी टोली और जमात के होते हुए भी उसे भेड़िया खा जावे, तो हम बडे निकम्मे साबित होंगे।
- 15. बस, जब यूसूफ़ (अलै.) को ये लोग लेकर चले और इस बात पर मुत्तफिक हो गए कि इसे अंधेरे कुवें में डाल दें, तो हम ने वहय के ज़रीये से यूसुफ़ (अ.स.) को तसल्ली कर दी कि एक वक्त ऐसा ज़रूर आएगा कि तूम इन को इन की इस हरकत की ख़बर दोगे, जब कि वे तुम को पहचानते भी न होंगे।
- 16. और यूसुफ (अलै.) के भाई लोग रात को रोते पीटते 16. And they came to their father in the early अपने बाप के पास आए।
- 17. बोले, अब्बा जान, जब हम गए तो एक दूसरे से आगे निकल जाने की दौड़ में लग गए और अपने सामान के पास यूसुफ (अलै.) को छोड़ गए तो उसे भेड़िया खा गया और अब तो आप हमारी बात पर भरोसा नहीं करेंगे, अगर हम कितने ही सच्चे हों।
- 18. और यूसुफ़ (अलै.) की कमीस पर झूट मूट का खून लगा कर ले आए, याकूब (अलै.) ने फ़रमाया कि ऐसा नहीं है, बल्कि तुम ने एक मन घड़त बात बना ली है, बस, अब तो सिर्फ ऐसा सब्र चाहिए जिसमें शिकायत का नाम न हो और जो कुछ तुम बयान कर रहे हो, उस पर तो अल्लाह की मदद के ज़रिये ही धीरज हासिल हो सकती है।

- 12. "Send him with us tomorrow to enjoy and refresh himself and play: and verily, we shall take care of him."
- He (Yaqoob) said: "Verily, it grieves me 13. that you should take him away, and I fear lest a wolf may devour him, while you are negligent of him."
- They said: "If a wolf devours him, while 14. we are a strong group to guard him, then surely we are the losers."
- 15. So when they took him away, they all agreed to throw him down to the bottom of the well, then WE inspired in him: "Indeed, you shall one day inform them of this their affair, while they will know (you) not."
- part of the night weeping and pretending great mourning.
- They said: "O our father! We went off 17. competing racing with one another, and left Yusuf by our belongings and a wolf devoured him; but you will never believe us even when we speak the truth."
- 18. And they brought his shirt stained with false blood. He (Yaqoob) said: "Nay, but your own selves have invented a tale. So for me, patience is most fitting. And it is ALLAH (Alone) Whose help can be sought against that which you assert."

ومامن دابترا هٰنَا عُلَمٌ وَٱسَرُّوْهُ بِضَاعَةُ وَاللهُ عَلِيمُ عَلَيْهُ عَلَيْهُ عَلَيْهُ عَلَيْهُ عَلَيْهُ عَلَي یہ تو بڑا اپھالڑ کا ہاتھ آگیا ، اور قافلہ دالے پوسف کو مال کمانے کی غرض سے پونجی کی طرح چھا کر چلیتے بنے ادران کے کا سے انٹر داقف تھا 🕑 وَشَرُوهُ بِثْمَنِ بَخْسٍ دَرَاهِم مَعْدُودَةٍ ، وَكَانُوْا فِيه اورائھوں نے پوسف کو بہت کم قیمت پر یعنی تحتی کے چند درہم میں (قافلہ والوں کے ہاتھ) بچ ڈالا اور ان کے دل میں مِنَ الزَّاهِدِبُنَ ﴿ وَقَالَ الَّذِي اشْتَرْبِهُ مِنْ مِّصْرَ یوسف کی بچھ زیادہ قدر ہر تھی 🛛 💮 اس کے بعد رجب ، صرمی پوسف کو ربیچا کیا توان کو ) خریدنے والے نے اپنی لا مُرَانِبَهُ أَكْرِمِي مَنْوَلِهُ عَلَى أَنْ يَنْفَعَنَّا أَوْ بیوی سے کہا، کہ اس کو ٹوب عز ت واکرام کے ساتھ اپنی دیکھ بھال میں رکھنا بہت ممکن ہے کہ آگے برلڑ کا ہمادے لئے بہت تَخْذَهُ وَلَدًا وَكَذَلِكَ مَكْنَّا لِبُوسْفَ فِي الأَرْضِ مفید ثابت ہویا ہم اس کواپنا بیٹ ہی بنالیں گے، اور اس طرح ہم نے ملک مصریں یوسف کے قدم لِنْعَلِّمَهُ مِنْ نَأُوِيْلِ الْآحَادِ بْنِ وَاللَّهُ غَالِبٌ عَلَى جما دیئے، اور ہم نے پوسف کو (اپنی تربیت میں) خواب کی تعبیر کے ذریعے حقیقت کی گہرا تی کا علم عطا فرمایا ، الشر آمُرِجٍ وَلَكِنَّ أَكْثَرُ النَّاسِ لَا يَعْلَمُوْنَ ﴿ وَلَكُنَّ أَكْثَرُ النَّاسِ لَا يَعْلَمُوْنَ ﴾ ولَتَنا بَلَغُ اپنے محکم کوجاری کرنے میں غالب ہے، لیکن اکٹرلوگ اس بات سے نا واقف ہیں 🦉 اورجب یوسف اپنی بھری ٱنْنُتْ ةَ ٱتَّبَيْنَهُ حُكْمًا وَعِلْمًا وَكُذَلِكَ بَجُزِى الْمُحْسِنِينَ جوانی کو پہنچ گئے تو ہم نے اُن کودانشمندی اور علم عطافرمایا، اور ہمارا تو بید ستور ہے کہ تی کرنے دالوں کو ہم خوب چی طرح جزادیا کرتے ہیں 🐨 وراود ته التي هُوَفِي بَيْتِهَا عَنْ نَفْسِهِ وَغَلْقَتِ اورجس عورت کے تھریں پوسف کور کھا گیا تھا وہی اُن کو پیشسلانے لگی (اور ڈورے ڈالنے لگی) کر پوسف کا جی ڈھلک جاتے، الأبواب وفالت هبن لك مقال معاذ الله إنه اور در وازے بند کرکے بولی یوسف آجا، جو کھ ہے سب تیرے لیے ہے، یوسف بولے! التّر کی بناہ وہ میرا رب ہے مجھ رَبْيُ أَحْسَنَ مَنْوَاي إِنَّهُ لَا يُفْلِحُ الظَّلِبُونَ ﴾ وَلَقُلُ اس فے اب تک ایھی طرح رکھا بے، اور ظالم لوگوں کو وہ کامیاب نہیں ہونے دیت (٢٠) اس عورت هَتَنُ بِهِ، وَهُمَّ بِهَا لَوْلاً أَنْ تَرَا بُرْهَانَ رَبِّهِ • نے یوسف کے ساتھ ارادہ کر بیاتھا اور یوسف نے اگر اپنے رب کی دلیل اور تجت کو دیکھا نہ ہوتا توان کا بھی ارا دہ كَذَلِكَ لِنصرف عَنْهُ الشُّوءَ والْعُنْنَاءَ ﴿ إِنَّهُ مِنَ ہوجاتا ، اس طرح ہم نے یوسف کو بڑان اوربے حیانی کے کام سے بچالیا ، بیشک وہ ہمارے خاص بندوں

فت شايدلوسف ك فريي صبح بير أتح بول كاورقا فلددالون كاليحط كركے پوسف پرایناحق بتارے ہوں کے اس اخلاف میں آخریہ طي وأكدا تظارة در م يعني آج كرساب سے چار رویتے بچاس میے میں بج بیچ ڈالا ۱۰ ب قانلددالوں کو س يوسف يرحق ملكيت حاصل بوكسا اور معاتى لوك سار مصح جاررويب الرياتي بن اوراو مايول في دد دوياؤليا لقسيم كرلس، ايك بياني نے کچھ نہ لیا ان کوزیا دہ قیمت لینے ک ف كربعي نهيي تقى صرف كسي طرح يوسف كوابن باب س مجد اكروينا مقصودتها جس بحانى نے کچھ بھی نہیں لیادہ شاید مشورہ کے دقت قبل سے منع کرنے دالا ، وكا، جس في كها تفاكد السف كوتست ل بنر وبلکسی کنو یں میں ڈال دو۔ والم معلوم بواكة فافله والول في مصر کے ازار میں پوسف کو بیچا اس زمانہ میں آدمی کو نفر پر کریا بچر کریا جنگ بين بالتوآف يرأ سےغلام بناليخادر بھرغلاموں کی جرف اور تبلانی کے بازار لكت يوسف كومصرك بازار ہی حکومت مصرکے اعلیٰ افسر نے خرید ليا،جوا دشاه كامختار يتبااوراس كو اولادنہیں تقی، اس طرح حضزت يوسف كنوس مي سے تكالے حالے برحكمت البى كے تحت مسرى حاكم كے دربارس يبنجا ديخ تخ إور حكومت اورسلطنت کے ماتول میں ایک بڑے راج محل میں خاندان کے ایک تمبر کی چیتیت ہے آن کے پلنے اور سے كابندوبست بوكيا.

متزل

333-A

- 19. और एक काफिले का गुज़र वहाँ से हुआ तो उन्होंने अपने पनिहारे को भेजा कि वह पानी लाए, जैसे ही उसने अपना डोल कुवें में डाला, पुकार उठा कि बशारत हो बशारत ! यह तो बड़ा अच्छा लड़का हाथ आ गया और काफिले वाले यूसुफ (अलै.) को माल कमाने की गरज़ से पूंजी की तरह छुपाकर चलते बने और उनके काम से अल्लाह वाकि़फ था।
- 20. और उन्होंने यूसुफ़ (अलै.) को बहुत कम कीमत पर यानी गिनती के चंद दिरहम में (क़ाफिले वालों के हाथ) बेच डाला और उनके दिल में यूसुफ़ (अलै.) की कुछ ज़्यादा क़द्र न थी।
- 21. इसके बाद (जब) मिस्र में यूसुफ़ (अलै.) को (बेचा गया तो उन को) खरीदने वाले ने अपनी बीवी से कहा कि इसको खूब इज्ज़त व इकराम के साथ अपनी देखभाल में रखना, बहुत मुमकिन है कि आगे यह लड़का हमारे लिए बहुत मुफ़ीद साबित हो या हम इसको अपना बेटा ही बना लेंगे और इस तरह हम ने मुल्के मिस्र में यूसुफ़ (अलै.) के कदम जमा दिए और हम ने यूसुफ़ (अलै.) को (अपनी तरबियत में) ख्वाब की ताबीर के ज़रिये हक़ीकृत की गहराई का इल्म अता फरमाया, अल्लाह अपने हुक्म को जारी करने में गालिब है, लेकिन अक्सर लोग इस बात से नावाकिफ हैं।
- 22. और जब यूसुफ़ (अलै.) अपनी भरी जवानी को पहुँच गए तो हम ने उन को दानिशमंदी और इल्म अता फ़रमाया और हमारा तो यह दस्तूर है कि नेकी करने वालों को हम खूब अच्छी तरह जज़ा (बदला) दिया करते है।
- 23. और जिस औरत के घर में यूसुफ़ (अलै.) को रखा गया था, वही उन को फुसलाने लगी (और डोरे डालने लगी) कि यूसुफ़ का जी ढुलक जाए और दरवाज़े बन्द कर के बोली यूसुफ़ आ जा, जो कुछ है सब तेरे लिए है, यूसुफ़ बोले, अल्लाह की पनाह! वह मेरा रब है। मुझे उसने अब तक अच्छी तरह रखा है और जालिम लोगों को वह कामयाब नहीं होने देता।
- 24. उस औरत ने यूसुफ़ के साथ इरादा कर लिया था और यूसुफ़ ने अगुर अपने रब की दलील और हुज्जत को देखा न होता, तो उनका भी इरादा हो जाता, इस तरह हमने यूसुफ़ (अलै.) को बुराई और बेहयाई के काम से बचा लिया, बेशक वो हमारे खास बन्दों में से थे।

- 19. And there came a caravan of travellers; they sent their water-drawer, and as he let down his bucket (into the well, he exclaimed: "What a good news! Here is a boy." So they hid him as merchandise ( a slave). And ALLAH was the All-Knower of what they did.
- 20. And they (Yusuf's brothers) sold him for a low price, for a few Dirhams (-silver coins-), to the people of caravan; for they were not at all keen to Yusuf on making a bargain.

2 14 12

- 21. And he who bought him -(Yusuf)- in Misr said to his wife: "Make his stay comfortable, may be he will profit us or we shall adopt him as a son." And thus did WE establish Yusuf in the land, that WE might teach him the interpretation of events. And ALLAH has full power and control over HIS affairs, but most of men know not.
- 22. And when he (Yusuf) reached his maturity, WE endowed him with judgement and knowledge. Thus WE reward the doers of good.
- 23. And she, in whose house he was, sought to seduce him. She closed the doors and said: "Come on, O you." He said: "I seek refuge in ALLAH! Truly HE is my Master! HE made my stay agreeable! Verily to wrong doers HE never lets to prosper."
- 24. And indeed she did desire him, and he would have inclined to her, were it not that he had seen the argument of his LORD. Thus WE did, in order that WE might avert from him all evil and indecency; verily he was a single-hearted bondman of OURS.

333-A

ومامن دابة ruino ادِنَا الْمُخْلُصِيْنَ ، وَاسْتَبْقَا الْبَابَ وَقَلَّتْ فَمِيْصَهُ مس دروازه جوكملا توسيكم عزيزت شوبركو در وازے بركھرا يا يا، بس (۲) دروازے کی طرف پوسف آگے اور عورت سیچھے دوڑی، اور پوسف کی تشیعر بحما تقاعشق كاسارا لنشرائز ككابات برطری خطزماک اورکمبھیر ہوگئی تھی اور مِنُ دُبُرِوَّالْغَيَّاسَبِّدَهُ كَلَا الْبَابِ فَالَتُ مَاجَزَا بكمعزيز في تودكو اين شوبرك عورت نے بیچھے سے تھینچ کر بچاڑ دی اس بھاگ دوڑ میں دونوں جیسے ہی دروا زے کے پاس پہنچے توعورت کے متو ہرکو موبو د سامغ شرخ رواور بےخطا ثابت كرت كے لتے بوكھل بسط ميں كي مَنْ آرَادَ بِأَهْلِكَ سُوْءَا إِلا أَنْ بَسُجْنَ أَوْ عَنَ إِ تتھاری ہوی کے ساتھ جو بڑاتی کا اراده كرے أسے جبل بھیجنا چاہتے یا بیگم عزیز یوبی اس بے سوا اور کیا سزاہو بحق ہے اس آدمی کی <u>بوتیری گھر</u>دا ی*ل بے ماتھ بڑ*اارادہ محرب کوبس اسے جیل خارز میں بند کمیا جائے ، ياكوني اور شخت سزادين عايت ، ٱلِيْمُ ۞ فَالَ هِيَ رَاوَدَ نَبْنِي عَنْ نَفْسِي وَشَهْدَ شَاهِلْ جمع كالنمير صرد كحفته كى شدتك اظهار بوتاب كويااس كى بوى ك یوسف نے کہاکہ ایس نے محصے پیسلانا چاہا ، اور کوشش کی کہ میرا چی اس کی طرف لگ جائے ادر بالم كونى سخت سے خت مرادى مائے (٢٦) اس کچ روی نےصرف اس کو پی صْنْ أَهْلِهَا إِنْ كَانَ فَمْتُصَبَّ فَتَوْمِنْ قَبْل فَصَدَ قَ تهيس بلكه يورى فبنس عورت كواس ى تكابول بي فريب كاراور مكار اسی وقت عورت کے رکھتے داروں میں سے ایک گواہی دینے والے نے کواہی دی کہ اگر یوسف کی قنیص آگے سے بھٹی ہوتو یہ بناديا تها، عزيز مصرك ببربات كنم وَهُوَمِنَ الْكَذِيبَنَ @ وَإِنْ كَانَ فَمَنْصُهُ قُلْ مِنْ عورتوں كا فريب برط زبر دست ہوتاہ، يمزيز ممركاقول ہے، عورت سیحی ب اور دہ جوٹا ہے (۲) اور اگر یوسف کی قمیص پیچے سے تعبی ہے تو عورت جموق ہے ، اور وہ قرآن كااينابيان يااصول نہيں بلكه دُبُرِ فَكُنَا بَتْ وَهُوَحِنَ الصَّلِقِبْنَ ، فَلَتَازًا فَمَبْصَ قرآن في توشاد معرك نائب كاقول جوقفته كااتم جزيج، نقل كيا ب-ريوسف، حبّ م فَكَّ مِنْ دُبُرِ فَالَ إِنَّهُ مِنْ ٢٠ جب عزيز مصرف ويحماك وقل برا ے گھرانے کی بیوی کامعاملہ كَبُلِكُنَّ ﴿ إِنَّ كَبُنَكُنَّ تفاكم كر كموي رفع دفع كرف لتے راج محل ہی میں بڑے بوڑھوں یوسف کی کہیص تو پیچھے سے بھٹی ہے تب بولا کہتم عورتوں کا یہ فریب ہے ، بیٹک متصاری چالاکیاں برطری عضب نے تیج بچاؤ میں اوسف علیات لا عَظِيْمٌ ، بُوْسُفُ أَعْرَضْ عَنْ هُذَا الله وَاسْتَغْفِرِ مُ كوسمجها باكداب جانے دوجو كچى تىمت تم برلگی اس می تم بیصور ہو اور Ut S عورت سے كماكياكم معافى الك كروات لِذَنَبِكِ ٢٠ إِنَّكِ كُنْتِ مِنَ الْخِطِبْنَ 
</ - 5 كردى جات -دراجده فانيس التبريخ برط (19) مانگ لو، یقنی ا بھول اور خطا تو تھے اری ہے فى المكرينية المراك العَن يز تُرَاودُ فَنْهَا عَن نَفْسِه مرانوں کی بیگمات اس بات کا چرچا کرنے لگیں کہ بیگم عزیر تواپنے غلام پر جی جان سے فلا ہو کراس کے پیچھے پڑ گتی ہے اب اس بات کا قَدْ شَعْفَهَا حُبًّا وإِنَّا لَبَرْبِهَا فِي ضَلِل مُّبِينِ . یقین ہوچکا ہے کہ غلام کی مجتنب اس کے دل میں تھرکرتی ہے ہم تواہ سے تھلی ہوتی غلطی میں دیکھ رہی بیں (.) فَلَبْنَا سَمِعَتْ بِمَكْرِهِنَّ أَرْسَلْتَ إِلَيْهِنَّ وَأَعْنَدُاتُ عزیز نے جب ان کے چرچے شنے رقوعصہ سے بچھر کئی اور) بڑی بڑی بڑی بیگمات کوایک دعوت پر بلایا اور سندن کیموں سے

पारा-12 ( PARA-12)

334-A

- 25. दरवाज़े की तरफ यूसुफ़ (अलै.) आगे और औरत पीछे दौड़ी और यूसुफ़ (अलै.) की कमीज औरत ने पीछे से खींच कर फाड़ दी, इस भाग दौड़ में दोनों जैसे ही दरवाज़े के पास पहुँचे तो औरत के शौहर को मौजूद पाया, बेग़म अज़ीज़ बोली, इसके सिवा और क्या सज़ा हो सकती है उस आदमी की जो तेरी घरवाली के साथ बुरा इरादा करे कि बस उसे जेलखाने में बन्द किया
- जाय, या फिर कोई सख़्त से सख़्त सज़ा दी जाए। 26. यूसुफ़ (अलै.) ने कहा कि इसी ने मुझे फुसलाना चाहा और कोशिश की, कि मेरा जी इसकी तरफ़ लग जाए और उसी वक्त औरत के रिश्तेदारों में से एक गवाही देनेवाले ने गवाही दी कि, अगर यूसुफ़ की कमीज़ आगे से फटी हो तो औरत सच्ची है और वह झूठा है।
- 27. और अगर यूसुफ़ (अलै.) की कमीज़ पीछे से फटी है, तो औरत झूठी है और वह (यूसुफ़ अलै.) सच्चा है।
- 28. जब अज़ीज़ मिस्र ने देखा कि यूसुफ़ (अलै.) की कमीज़ तो पीछे से फटी है, तब बोला कि तुम औरतों का यह फ़रेब है, बेशक तुम्हारी चालाकियाँ बड़ी ग़ज़ब की हैं।
- 29. फिर कहा गया कि यूसुफ़ (अलै.) इस बात को नज़र अन्दाज़ कर दो और ऐ बेगम अज़ीज़ तुम अपने कुसूर की माफ़ी मांग लो, यकीनन भूल और गलती तो तुम्हारी है।
- 30. (राजधानी में) शहर के बड़े घराने की बेगमात इस बात का चर्चा करने लगीं कि बेगम अज़ीज़ तो अपने गुलाम पर जी जान से फ़िदा हो कर इस के पीछे पड़ गयी है, अब इस बात का यक़ीन हो चुका है कि गुलाम की मुहब्बत इस के दिल में घर कर गयी है, हम तो इसे खुली हुई गुलती में देख रही हैं।

- 25. And the two raced to the door and she tore his shirt from the back. They both found her lord (i.e. her husband) at the door, she said: "What is the recompense for him who intended an evil design against your wife except that he be imprisoned, or an afflictive chastisement?"
- 26. He (Yusuf) said: "It was she that sought to seduce me-" On that occasion a witness from her own household bore witness (saying) "If it be that his shirt is torn from the front, then her tale is true and he is a liar."
- 27. "But if it be that his shirt is torn from the back, then she has told a lie and he is speaking the truth."
- 28. So when he (her husband) saw his (Yusuf's) shirt torn from the back; (her husband) said: "Surely, it is a plot of you women! Certainly mighty is your plot!"
- 29. "O Yusuf! Turn away therefrom. And you woman! Ask forgiveness for your sin, verily, you have been guilty."

3 9 13

30. And elite women of the (capital) city gossipped mainly that: "The wife of Al-Aziz is seeking to seduce her slave young man who has inflamed her with love! Verily, we see her in error manifest."

ومَامِنْ دَابَةٍ ١٢ لَهُنَّ مُتَّكًا وَانْتُ كُلُّ وَاحِدَةٍ مِّنْهُنَّ سَكِّبُنَّ محفل سجائی اور ہرایک کے پائفہ ہیں جا قو چگری دے دی' اور پوسٹ سے لولی کہ ذرا اُن کے سامنے بھی آجا بس کیا تھا 'میںسے پی لَتِ اخْرُجُ عَلَيْهِنَّ فَلَمَّا رَأَيْنَهُ أَكْبُرُنَهُ وَقُطَّعُنَ رعوت میں آئی ہوئی عورتوں نے یو سفت کو دیکھا بہت جران رہ گئیں ، اور اپنے باتھ ٱبْدِيْبِهُنَّ، وَقُلْنَ حَاشَ لِللَّهِ مَا هٰذَا لَبُنْدًا إِنَّ هٰذَا كاط كرز تمى كرائة ، اور لول أتمين كه برزگ نویس صرف الله ب ، به كونى آدى لرَّحَلَكْ كَرِبْجُ ﴿ فَالَتْ فَذَٰلِكُنَّ الَّذِي لَمُنْنَبِّنِي فِيهِ ، تہیں بلکہ یہ تو کوئی لورانی فرشنہ ہے 🕐 تب عزیز کی بیوی یو لی کہ یہی وہ جوّان ہے جس کے بارے میں تم کیھ طعید دیتی تقلیل لَقُنُ رَاوَدُنَّهُ عَنْ نَفْسِهِ فَاسْتَعْصَمَ مَ وَلَيْن باں یہ بات کی سے کہ میں تے اس کواپنی طرف مائل کرتے کی ک<sup>وش</sup>ش کی تھی لیکن یہ پاک باز رہا،اور اگر اب بھی یہ میرن بات تہیں يَفْعَلْ مَا امْرُة لَبُسْجَنْ وَلَيَكُونا مِّنَ الصَّعْرِينَ . مانے کاتو پر مزور اسے جیل فانہ میں ڈال کر بے عرّت کیا جاتے (FT) قَالَ رَبِّ السِّجْنُ أَحَبُّ إِلَى مِتَمَا بَدُ عُوْنَنِي إِلَيْهِ نب یوسق کے دعا کی کہ اے پرور دگا دسی بات کی طرف مجھے بیعو زنیں ٹلارہی ہیں اس سے بچنے کے لئے ( تَصْرِفْ عَنِّي كَيْدَهُنَّ أَصْبُ مجیجیل فارز بادہ اچھارہے گا، اور اگر توٹے بچھے ان کے فریب سے بہیں بچایا تو ہیں ان کی طرف جھک جا وُں گا اور المعلين فاستجاب لَهُ رَبُّهُ فَصرف عَنهُ كَبْدَهُنَّ نا دانی کا کا کر پیچلوں گا 💬 تب اس کے رب نے یوسف کی دما قبول فرمالی اوران عور توں کے فریب سے یوسف کو بحیت الیا إِنَّهُ هُوَالسَّجِيْعُ الْعَلِبُمُ إِنَّهُ بَهُ الْهُمْ مِّنْ بَعْدٍ مَا رَأَوُ بیشک وہ دیا کاسٹنے والااور مالات کا جاننے والاہے 🐨 پھر کچھ نشانیاں دیکھنے کے بعد ماکم لوگوں کو یہ سوجھا کہ ایک مترت عَنَّ حِبْنِ ﴿ وَدَخَلَ مَعَهُ یک پوسف کو قیب میں ڈالنامی تھیک رہے گا 🛛 🕙 اور پوسف جب قیدخانہ میں گئے تو دولوجوان فَنَبْنِي مَ قَالَ أَحَدُهُمَّا إِنِّي آَرْنِنِي أَعْصِرُ خُمُرًا ، وَ ان کے ساتھ جیل میں داخل ہوئے ، ان میں سے ایک نے کہا کہ میں نواب میں کیا دیکھتا ہوں کہ مشراب پڑ الأخرابي أربني أخِل فَوْق رَاسِي خُبْرًا تَأْكُر ہوں اور دوسرا بولا میں نے خواب دیچھا ہے کہ اپنے سر پر روطیاں الحفائے ہوں ادر برندے اس میں سے

والا ايسي بأنس تجيني نهيس سكم عزيز ى بدامى كے جرح نوب سيلے كريد أو ايت غلام يرعاشق ب يدش كرأس فممرى برطى برطى برطى بكات كے لي دعوت كاانتظام كيا، عين كماني ك موقع بربرم محلس من جب كد كرين منحيول يرمهمان عورتين تحجري كأنول سے کھانے میں صرف تقین حفرت يوسف كوحكم وباكه ذرا ان كاسام سے گذرجاؤ جیسے ہی اوسف اُن کے سامغ سينظرين نيح كخ بوت كذب ان بر ات نے ارے جبت کے اپنے اخذ شمى كراية معلوم بواكه مصرى تمدّن ين آج سے ہزاروں سال بيل کھاتے یں چھری کانٹوں کارواج ہوگا۔ مس اب تك مرف بيم عزيز بي عاشق تقى كميكن اب توبر الحرك بكرك بكمات بھی حضرت پوسف عليد سکام کے بیچ پراکتیں، اس سے یوسف نے دعاکی کر مہیں ان کے فریب میں آگیا تو نادا في كاكام كربيطول كايب ال سے چیشکارہ کے توجیل خانہ ی میں زادہ عافیت ہوگی کہ گناہ سے تو تج جاول كا-

- Jio

و من معلوم ہوتا ہے کہ می مزیز اور مر کے پایڈ تخت کے برط کھرانے کی تو ایں صرت یوسف علیا است لام پر عاشق ہوں جیسے آ میں موزا ، عشقی کیت کا نا ہوں جیسے آ میں موزا ، عشقی کیت کا نا دین ماکم لوگوں کو یہ سو جما کہ بڑی بڑی بیکمات کو برنامی سے ب کوان کی تکاہ سے ممثا کر قد میں ڈال دینا ہی اس صید ب کا علاج ہے، نرال ہے درات تری تو دس کھائی ہی یہاں و بے خطا نکل اے حیوزا نہیں کرتے पारा-12 ( PARA-12)

कोई नूरानी फुरिश्ता है।

- 31. बेगम अज़ीज़ ने जब इस के चर्चे सूने (तो गुस्से से बिफर गयी और) बडी बडी बेगनात को एक दावत पर बुलाया और मसनद तकियों से महफिल सजायी और हर एक के हाथ में चाकू छुरी दे दी और यूसुफ़ से बोली कि ज़रा इनके सामने भी आ जा, बस क्या था, जैसे ही दावत में आयी हुई औरतों ने यूसुफ़ (अलै.) को देखा, बहुत हैरान रह गयीं और अपने हाथ काट कर ज़ख्मी कर लिए और बोल उठीं कि बुजुर्ग तो बस सिर्फ अल्लाह है, यह कोई आदमी नहीं बल्कि यह तो
  - 32. तब अजीज की बीवी बोली कि यही वह जवान है, जिसके बारे में तुम मुझे ताना देती थीं, हाँ यह बात सच है कि मैंने इसको अपनी तरफ मायल (मोहित) करने की कोशिश की थी, लेकिन यह पाक बाज़ रहा और अगर अब भी यह मेरी बात नहीं मानेगा तो फिर ज़रूर इसे जेल खाने में डाल कर बेइज्ज़त किया जाएगा।
  - 33. तब यूसुफ़ (अलै.) ने दुआ की कि ऐ पालनहार ! जिस बात की तरफ मुझे ये औरतें बुला रही हैं उससे बचने के लिए मुझे जेलखाना ही ज़्यादा अच्छा रहेगा और अगर तूने मुझे इनके फ़रेब से नहीं बचाया तो मैं इनकी तरफ झुक जाऊँगा और नादानी का काम कर बैठूंगा।
  - 34. तब यूसुफ (अलै.) के रब ने उनकी दुआ कबूल फ़रमायी और उन औरतों के फ़रेब से यूसुफ़ (अलै.) को बचा लिया, बेशक वह दुआ का सुनने वाला और हालात का जानने वाला है।
  - 35. फिर कुछ निशानियाँ देखने के बाद हाकिम लोगों को यह सूझा कि एक मुद्दत तक यूसुफ (अलै.) को कैद में डालना ही ठीक रहेगा।

- 31. And when wife of Al-Aziz heard slanderous society gossip, she sent to those ladies of high rank and status, a messenger inviting them to a banquet; and prepared for them a repose; and thereat she gave each one of them a knife. Then she said (to Yusuf): "Come out before them." As they saw him, they were astonished at him and they made a cut in their hands, and said: "How perfect is ALLAH! No man is he; he is naught but a noble angel!"
- 32. She said: "This is he, the young man, about whom you did blame me. Assuredly, I solicited him, but he abstained. And now if he refuses to obey my order he shall certainly be cast into prison, and will be one of those who are disgraced."
- 33. Yusuf supplicated: "O my LORD! Prison is more to my liking than that to which these women call me to: and if YOU do not avert their guile from me; I might incline towards them and become of the ignorants."
- 34. So his LORD answered his invocation and averted their guile from him. Verily, HE ! HE is the Hearer, the Knower!
- 35. Thereafter, it occurred to the counsellors, even after they had seen the signs (of his innocence) to imprison him for a season.

وَمَامِنْ دَآبَةٍ ١٢ r Ujio ويتله جيل خابذمين سب چورڈ اکو الطُّبُرُمِنْهُ مُنَبَّعْنًا بِتَأُوبُلِهِ ﴿ إِنَّا نَزْلِكَ مِنَ الْمُحْسِنِينَ اند فرم ہی نہیں ڈالے جاتے بلکہ قانون کی کمزوری اورانسانی علم ک نوچ نوچ کر کھارہے ہیں؛ یوسف ہم تم کو بہت نیک اور بچلے لوگوں میں سے دیکھ رہے ہیں؛ ہم کواس کافلا صاد تعبیر تبادد 💬 كمى اورنصف كى مادا فى ياحاكم تخطكم قَالَ لا يَأْتِنَكُما طَعَامُ تُرْزَقْنِهُ إِلَّا نَتَّأَتَّكُما بِتَأُوبُلِهِ سے بہت سے لیے گناہ بھی جیل میں مرال دیتے جاتے ہیں ، *حفزت یوس*ف یوسف نے فرایاکہ یہاں جو قبیر میں تھیں کھا نابینا ملتاہے ، اس کے آنے سے پہلے میں تھیں اس خواب کی تعبیر عليك سكام جب قيد مي تفرقو دو قَبْلَ أَنْ يَأْتِيكُما وذَلِكُما مِتَّا عَلَّمَنِي رَبِّي وَإِنَّ ملزم اوریجی داخل ہوئے ان میں سے آپ بادشاہ کا ستراب ساز تقسا بتادوں گا، میرے برور دگارنے جو مجھ سکھا پاہے اسی علم کا ایک حصر ہے، بھایتو شن لوا میں نے اس اوردوسرانا نباتى يعنى بأوراحي خانه تركت ملة قوم لا يؤمنون بالله وهم بالاخرة هم كاذمته دارتهاان دولول إربادتناه كوزمرو يكرمار دان كالزام تقا-قوم کی ملت کو چھوڑ دیا ہے جواللہ پر ایمتان سے ہم سط تھی ، اور یہ سب آخرت کے بھی انکاری ہو گئ وي معلوم بواكم مفرى مكومت ف فِرُوْنَ ١٠ وَاتْبَعْتُ مِلْهُ أَبَاءِ فَي إِبْرَهِ إِمْ وَإِسْحَقَ جيل خابة من قيد لول كوكها تا دين كا انتفائم مجى ركها تهااوراًج تك يه 🐑 میں نے تو ملت ابراہیم کی اتباع کر کی ہے جس کی دعوت میرے باپ دادا ابراہیم، ساسلهطا آرباب كرجيل فانزميس يَعْفُونَ مَاكَانَ لَنَا أَنُ نَسْتُرِكَ بِاللهِ مِنْ شَيْءٍ قيديون كوكها ناديخ كا وقت مقرم ،وتاب بعراوسف عليات السحق اور بعقوب نے جاری قرمانی ، ہماری سٹان کے خلاف ہے کہ ، تم الشد کے ساتھ محسی چیز کو بھی سفر کیب سجب قيديول في اين تواب ذٰلِكَ مِنْ فَضْلِ اللهِ عَلَيْنَا وَعَلَ النَّاسِ وَلَكِنَّ ٱكْثَر بیان کے اورتعبہ پوتھی تواوّل کھڑ يوسف ف الخيس تسلّى دى ادركها بتلائیں، بہ اللہ کا ہم بر اور لوگوں پر برط احسان ہے، لیکن اکثر لوگ اللہ کی اتنی برطی تعسب کا كركھانے کے وقت جب جیل کے كاركن تمعارب لخ كها نالاني ك النَّاسِ لا بَشْكُرُونَ ﴿ بِصَاحِةِ السِّجْنِ ءَ أَرْبَا بُ اس سے پہلے میں تمھا رے تواب شکریمی ادا تہیں کرتے ، ٢٠ قید فانے کے اے میرے سائقیو ! بہت سے الگ الگ كى تعبير يتادون گالعبيراً سي وقت مَنْفَرِقُونَ خَبْرُ أَمِرِاللهُ الْوَاحِدُ الْفَقَارُ مَا تَعْبُدُونَ اس الخريس بتاني كد حفزت يوسف أن كويهك بيل التركي توجير ربكوما ننا ا يحقايا ابك الحيل التدكوما ننا ا يحقا جو برطر سے زبردست معبود ب ؟ ٢٠ يرجو التد كے سواح دو مرد كادرس دينا جاست تقح ناكايان لاتے کے لیتے ان قید یوں کوذہن مِنْ دُوْنِهُ إِلَّا ٱسْمَاءَ سَمَيْتُمُوْهَا طور برتياركيا جاسك اوربعدي ی عبادت کرتے ہو یہ سب نام ہی نام ہیں جو تم نے گھڑ لئے ہیں اور تھارے باپ داداؤں نے بھی یہی کچھ کیا تھا خواب كالعبير بتادى اس طرح برمى مكمت سرحزت لوسف ف بَاللهُ بِهَامِنْ سُلْطِنْ إِنِ الْحُكُمُ التركى توحيدك المقين حرفت كرادى اور ترك ك كندك اورغراد شرك بندك جس پرالترف کوئی دلیل بہیں اُتاری، خردار ہوجا و کر حکم تومف ایجل الترکام، اوراس نے برحکم دیا ہے کہ سانسانيت كارونقصان ب نَعْبُدُوا إِذَا يَجْاهُ دَذَلِكَ التِّبْنُ الْفَبِيمُ وَلَكِنَّ أَكْثَرُ اس سے واقف کرادیا، آگے کی آيتي برزان حق ایک التد کے سوائس کی بھی بندگی مذکرو، یہی دین ہے جس سے مضبوط بندوبست قائم ہوتا ہے، لیکن اکثر کے لتے الترک طرف بلانے کے لنَّاسِ لا يَعْلَمُونَ ، بِصَاحِبَ السِّجْنِ أَمَّا أَحَدُكُم لخامك ترحكمت تموية من فتحس بوسف علبالستكام في بيش فرمايا -۔ اس مسید هی بات کونہیں جانت 💮 اے قید خانہ کے سائتیو ایم دونوں میں سے ایک جو ہو کا وہ اپنے ومسكوس من دالحواف لي

- 36. और यूसुफ (अलै.) जब कैदखाने में दाखिल किये गये तो दो नौजवान इन के साथ जेल में दाखिल हुए, उनमें से एक ने कहा कि, मैं ख़्वाब में क्या देखता हूँ कि शराब निचोड़ रहा हूँ और दूसरा बोला, मैंने ख्वाब में देखा है कि अपने सर पर रोटियाँ उठाए हूँ और परीन्दे उस में से नोच नोच कर खा रहे हैं, यूसुफ (अलै.) हम तुमको बहुत नेक और भले लोगों में से देख रहे हैं, हम को इसका खुलासा और ताबीर बता दो।
- 37. यूसुफ़ (अलै.) ने फरमाया कि यहाँ जो कैद में तुम्हें खाना पीना मिलता है, उसके आने से पहले मैं तुम्हें इस ख़्वाब का खुलासा बता दूंगा, मेरे परवर दिगार ने जो मुझे सिखाया है, उसी इल्म का एक हिस्सा है। भाईयो सुन लो ! मैंने उस कौम के समुदाय को छोड़ दिया है जो अल्लाह पर ईमान से हट गयी और ये आखिरत के भी इन्कारी हो गए हैं।
- 38. मैंने तो इब्राहीम की मिल्लत का अनुकरण कर लिया है जिसकी दावत मेरे बाप दादा इब्राहीम (अलै.), इसहाक (अलै.) और याकूब (अलै.) ने जारी फरमायी, हमारी शान के खिलाफ है कि हम अल्लाह के साथ किसी चीज़ को भी शरीक बतलाएं, यह अल्लाह का हम पर और लोगों पर बड़ा एहसान है, लेकिन अक्सर लोग अल्लाह की इतनी बड़ी नेअमत का शुक्र भी अदा नहीं करते।
- 39. कैद खाने के ऐ मेरे साथियो ! बहुत से अलग अलग रब को मानना अच्छा या एक अकेले अल्लाह को मानना बेहतर जो हर तरह से ज़बरदस्त माबूद है ?
  40. ये जो अल्लाह के सिवा तुम दूसरों की इबादत करते हो, ये सब नाम ही नाम हैं, जो तुमने घड़ लिए हैं और तुम्हारे बाप दादाओं ने भी यही कुछ किया था, जिस पर अल्लाह ने कोई दलील नहीं उतारी, ख़बरदार हो जाओ कि हुक्म तो सिर्फ अकेले अल्लाह का है और उसी ने यह हुक्म दिया है कि एक अल्लाह के सिवा किसी की भी बन्दगी न करो, यही दीन है, जिससे मज़बूत बन्दोबस्त कायम होता है, लेकिन अक्सर लोग इस सीधी बात को नहीं जानते ।

- 36. And there entered with him (Yusuf), two young men in the prison. One of them said: "Verily, I saw myself in a dream squeezing wine." The other said: "Verily, I saw myself (in a dream) carrying bread on my head whereof the birds were eating. Declare to us the interpretation thereof, verily we see you of the well-doers."
- 37. "I will inform its interpretation before the food that is daily provided to you reaches here. This is of that which my LORD has taught me. Verily I have abandoned the creed of a people who do not believe in ALLAH and who are disbelievers in the Hereafter."
- 38. "I have followed the creed of my fathers, Ibrahim and Ishaque and Yaqoob; and it does not behove us to associate anything with ALLAH. This is from the Grace of ALLAH to us and to mankind, but most of mankind thank not."
- 39. "O my fellow prisoners! Are sundry Lords better or the ONE, the Irresistible?"
- 40. "You do not worship besides HIM but only names which you have forged, you and your forefathers, for which ALLAH has sent down no authority. Beware! The command is from none but ALLAH; and HE has commanded that you should worship none except HIM. That is the true, straight religion but most of the mankind know not."

11 6000 فبسفى رَبِّهُ خَمْرًا، وَأَمَّا الْأَخْرُ فَبْصَلَبُ فَنَأْكُلُ آ قا کو ستراب پلانے کی ملازمت پررہے گا ، اور دوسرا جو ہو گا اُسے پھانسی دی جائے گی پھر پرندے اس کے لبُرُمِنْ تَرْأُسِبِهُ وَفَضِي الْكَمْرِ الَّذِي فِبْهِ تَسْتَفْتِ بِنَ الْ سر کو نوج نوج مرکھائیں گے تم نے جوبات مجھسے پوتھی تقی اس کا انجام اسی طرح سامنے آئے گا وَقَالَ لِلَّذِي ظَنَّ ٱنَّهُ نَاجٍ مِّنْهُمَا اذْكُرُنِي عِنْدَارَ بِكَ ان دونوں میں سے اس شخص سے جس کے بارے میں پوسف کا کمان تھا کہ برخبات باجائے گا، بوسف نے فرمایا اپنے آقاکے فَانْسَبِهُ الشَّبْطِنُ ذِكْرَرَتِهِ فَلَبِثَ فِي السِّجْنِ بِضْعَ پاس میراتد کرد کمزاس نجات پائے والے آدمی کوشیطان نے یہ بات بھلادی کہ وہ بادشاہ کے پاس پوسف کا تذکرہ کرے بس بھر کیا تفاکن سِنِيْنَ ٢ وَقَالَ الْمَلِكُ إِنَّ أَرْحَ سَبْعَ بَقَرْتِ 000 برس پوسف اور مجبل میں ہے (٦) اور بادشاہ نے کہاکہ میں خواب میں کیا دیکھتا ہوں کہ سات موہ پی تکڑی کائیں ہیں جنھیں سات سِمَانٍ تَبْاكُلُهُنَّ سَبْعُ عِجَافٌ وَسَبْعَ سُنْبُلْتِ خُضْرِ ويلى يلى كام ماماتى بي، اوراناجى سات باليال مرى بي اور دوسرى سات باليكال سوكمى وَأَحْرَبْبِسْتِ دِبْأَتِّهَا الْهَلَا أَفْنُونِي فِي رُءْبًا يَ إِنْ ہیں ، اے اہل دربار اگرتم نواب کی تعبیر کے بارے میں کچھ بتا سکتے ہو ، تو میرے لننهُ لِلرَّيْ إِنَا تَعْبُرُونَ ﴿ قَالُوْ آصْغَانُ أَحْلَامٍ وَمُ اس تواب کا خلاصہ بتلاؤ س دربار کے لوگ بولے کہ برسینان خیالات آئے سے نَحْنُ بِتَأُونِيلِ الْأَحْلَامِ بِعَلِينُ ۞ وَقَالَ الَّذِحَ بَجُ ایسا ہوا ہو کا ادر ہم پرلیٹان خیالی کی تعبیر کے بار بے کہ جہیں جانے 💮 جیل خانے ددنوں قید ہوں سے جو رہائی مِنْهُمَا وَادْكُرْبَعْدَ أُمَّةٍ أَنَّا أُنْتَعْكُمْ بِتَأُوبُلِهِ پاکپا تھااورائسے بڑی مدّت کے بعد پوسف کاخیال آیا وہ بول پڑا کہ منتصبی اس خواب کی تعبیر کی خبرلاکر دے سکتا ہوں مجھے جیل خانہ جانے فَأَرْسِلُونِ ٢ يُوسُفُ أَبُّهَا الصِّدِّينُ أَفْنِنَا فِي ی اجازت دی جائے 🛞 جیل خانے میں پہنچ کر اس نے حضرت یو سف کو آداز دی کہ اے میرے سچ دوست سَبْعِ بَغَرْبٍ سِمَانٍ بَبْاكُمُنَّ سَبْعُ عِجَافٌ وَسَبْع ہمیں ایک خواب کا خلاصہ بتائیے کہ سات گائیں ہیں خوب موٹی تحرط می اور ان کو سات دبلی اور مربل گائیں کھا تحتیں سُنْبُلْتٍ خُضْرِوًا خُرَبْبِسْتٍ "لَعَلَّى أَرْجِعُ إِلَى النَّاسِ اورسات بالیان ہی سبز ہری بھری اور دوسری سات سوتھی ساتھی راب اس خواب کی جیر پتلادیں) "ماکہ کو کوں کے یاس جلد جاکم

جيل خابة كى زندگى تك حضرت يوسف نے یہلی باراینا تعارف کرایاکہ س مكت ابراتيم كاداعي بهول اوراس دعوت كومير دا دا الطحق اورباب يعقوب بحى برابر جارى فرمات رب کسی انسان کی شان کے خلاف ب كهوه الشرك سائة كسى كوستربب بتلات اوراوگوں كوبركا ،وكاب ك التدفي توالخيس ايخ سواكسي كابنا تہیں بنایا اور شرک سے منع کرکے الشر کسواتمام کی بندگی سے چھٹکارہ دلایا اتغ برط ففنل يرجى انسان شكرية كريتوياس كى برطى يعييي كې جائے گی، آج بھی بولوگ الشركي وحدانيت اورتنهااس ك بندكى سكترات بي ده مزارو ہزارخیالی عبودوں کے پکرمیں سترک کی گندگی میں ات بت بس ان ے جبیانات کراکونی نہیں۔ واس يوسف في سل توقيدها بز کے اپنے رفیقوں کوفالص توحیر کی دعوت دی اور بعد میں ان کے خوالو<sup>ل</sup> ې تعبير بھې تيادې ليکن په پذ کواکه تو بادشاه كى للازمت يربر قرارر بكا اورتچه کو پهانسی دی جائے گی، اشك سے فرایا کہ صاحبو ! ایک کا حال یہ بوگا اوردوسر اليرمال بوكا، معز -يوسف كما فلاقى تعليم كاايك بؤتر طريقم سامغ آیا، دوسری بات سمجینے ک ب كد شايدا بل صرمجرمول كو معانس في مے بعد اُن کی لاشوں کو دارتوں کے والے، کرتے ہوں کے بلکسی میلان اجنگ می خمینک دیتے ہوں گے مجرول کی لاشوں کوچیل کوتے اور كره وغيره نوج نوج كركها جاوي -مصرى للطنت كالجموب كحرما تق جوروية تما وهآب في ديجولياليكن آج کے جدید دور میں تکومت نے مجرمول كىلاشول كساتقالي ناردا سلوك بناكرو با محاور مذاخوت

منزل

- 41. ऐ कैदख़ाने के साथियो ! तुम दोनों में से एक जो होगा, वह अपने आका को शराब पिलाने की मुलाज़मत पर रहेगा और दूसरा जो होगा उसे फाँसी दी जाएगी, फिर परीन्दे उस के सर को नोच नोच कर खाएँगे, तुम ने जो बात मुझसे पुछी थी, उसका अन्जाम इसी तरह सामने आएगा।
- 42. उन दोनों में से उस शख्स से, जिसके बारे में यूसुफ़ (अलै.) का गुमान था कि यह नजात पा जाएगा, यूसुफ (अलै.) ने फ़रमाया, अपने आका के पास मेरा परिचय करा देना, मगर उस मुक्ति पानेवाले आदमी को शैतान ने यह बात भुला दी कि वह बादशाह के पास यूसुफ़ (अलै.) का तज़किरा करे, बस, फिर क्या था, कई बरस यूसुफ़ (अलै.) और भी जेल में रहे।
- 43. और बादशाह ने कहा कि मैं ख़्वाब में क्या देखता हूँ कि सात मोटी तगड़ी गायें हैं जिन्हें सात दुबली पतली गायें खा जाती हैं और अनाज की सात बालियाँ हरी हैं और दूसरी सात बालियाँ सूखी हैं, ऐ अहले दरबार अगर तुम ख़्वाब के खुलासे के बारे में कुछ बता सकते हो, तो मेरे इस ख़्वाब का खुलासा बताओ।
- 44. दरबार के लोग बोले कि परेशान ख़यालात आने से ऐसा हुआ होगा,और हम परेशान ख़याली की ताबीर के बारे में कुछ नहीं जानते।
- 45. जेलखाने के दोनों कैदियों में से जो रिहाई पा गया था और उसे बड़ी मुद्दत के बाद यूसुफ़ (अलै.) का खयाल आया, वह बोल पड़ा कि मैं तुम्हें इस ख्वाब की ताबीर की खबर लाकर दे सकता हूँ, मुझे जेलखाना जाने की इजाज़त दी जाए।
- 46. जेलखाने में पहुँच कर उसने हज़रत यूसुफ़ (अलै.) को आवाज दी कि ऐ मेरे सच्चे दोस्त हमें एक ख़्वाब का खुलासा बताइये कि सात गायें हैं खूब मोटी तगड़ी और उनको सात दुबली और मरियल गायें खा गयीं और सात बालीयाँ हैं सब्ज़ हरी भरी और दूसरी सात सूखी साखी (आप इस सपने की ताबीर बतला दें) ताकि लोगों के पास जल्द जाकर बयान करूं कि उन लोगों को भी मालूम हो जाए।

- 41. "O two companions of the prison! As for one of you, he will pour out wine for his master to drink; and as for the other, he will be crucified and birds will eat from his head. Thus is decreed the affair of which you two enquired."
- 42. And he said to the one whom he knew to be saved: "Mention me to your master." But Shaitan made him forget to mention it to his lord; and hence he stayed in the prison for several years.
  - 5 7 15
- 43. And the king said: "Verily I saw in a dream seven fat cows, whom seven lean ones were devouring and seven green ears of corn, and seven others dry. O chiefs! Give me an answer in regard to my dream, if a dream you are at all able to interpret."
- 44. The counsellors said: "that could have been the outcome of confused and jumbled thoughts! And we are not skilled in the interpretation of dreams."
- 45. Then the man who was released, one of the two who were in prison, now at length remembered and said: "I shall declare to you interpretation thereof; so allow me to go forth to the prison."
- 46. (HE said): "O Yusuf! The man of truth! Explain to us the dream of seven fat cows whom seven lean ones were devouring, and of seven green ears of corn, and seven others dry; that I may return to the people, and that they may know."

٢١ . د سع ومامن دابتها ~ Jio عَلَى يَعْلَمُونَ ٢ فَالَ تَزْرَعُونَ سَبْعَ سِنِينَ دَابًا، یانے والے مجرم کی لاکش کو دارتوں ے والے ردیا جاتا ہے یہ اس تعلیم کا بیان کروں کہ ان لوکوں کو بھی علوم ہوجانے 🕤 یوسف فے اس کی بات شن کر خواب کی تعبیر یہ بتائی کہ تھیں سات سال تک اتر ب وحضرت محد صلى الشرعليه و لل فَهَا حَصَلُ تُنْمُ فَنَارُوْهُ فِي سُنْبُلِهِ إِلَّا قَلِبُ لَا مِّهَا ادرأب كے سبخ بيروكار خلفا خاشدن فرمارى فرانى كريج م جرم كى يورى مسلسل نوب محنت کے ساتھ تھیتی باڑی کرناصروری ہوگا، بھرتم جواناج کالڑ اس کا الیوں ہی بین دخیرہ جمع رکھنا مگرکھانے کے لئے جو لگے سزايان كيعددنياك كحاظت تَأْكُلُونَ ٢ ثُمَّ يَأْتِي مِنْ بَعْدِ ذَلِكَ سَبْعُ شِكَ ا كنه كارتبيس رمتنا اكرمسلم بوتواس مت إجناره اور تدقين اسلام طريقة استقورا تقورا بما ستعال كرنا (٢٠) بجراس تم بعدسات مال سخت أوي تح جن بي بهت برا قحطا وراكال يري كا، اورايسا بويكما سم ريبيل سات مال بي جود خيره تر يَّا كُلْنَ مَا قَدَّمْتُمُ لَهُنَّ إِلَّا قَلِيلًا مِّبَّا تُحْصِنُونَ ٠ ويم بم بم خواب كى السي مارى أنظامى تدبیر کی تفصیلات کن کردیں دالے کے التريمكن تنبس رباكداس تعبيركوده اينى ن جن کررکھا ہوگا <u>آن دار دوس</u>ے سابیال ہواناج کی کی کی کہ کو ل کے دہ سادا د خبرہ کھا کر پر ابر کردیں کے ہاں کر بنج کے لئے تقوراً بچا کر دکھا ہوگا تواد ہوتے ہے (<sup>1)</sup> ستخصبت كونمايال كرف ك التراتعال ثُمَّ يَأْنِي مِنْ يَعْدِ ذَلِكَ عَامَ فِيهِ بُغَانُ النَّاسُ وَ كرسك مجبور اأسي بادنثاه كحصنور كلم دربارس نواب كي تعيير بتاكر حفرت بھراس سے بعد ایک سال آدے گاجس میں رادگوں کی فرا دقبو ل کر لی جاوے گی) اور بہت اچھی بارش ہو گی حب کی بیدا دار يوسف كاتعادف كرانا صرورى فِيْهِ يَعْصِرُونَ ٥ وَقَالَ الْمَلِكُ انْتُونِي بِهِ ، فَلَتَ الوكيا-یں لوگ توب رس پخوڑیں کے 🤄 اپنے خواب کی یہ تعبیر شن کر با دینا ہ نے قور اصلح عباری کیا کہ اوسف کو میرے پاس لے وصح سان سال اور انتظام ساتھ بامشقت کھینی کرنا ہوگا اور وَلا الرَّسُولُ قَالَ ارْجِعْ إِلَى رَبِّكَ فَسْعَلْهُ مَا بَالُ اس محبعدي سات سال خشك الى ک اور بھیا تک تنگی کے بعد بندر ہوں آؤ، پس میسے بی بادشاہ کا قاصد پوسف کودرباریں لانے کے لتے جیل خانے پہنچا، پوسف نے اس سے کہا اپنے بادشاہ کے سال عوام كوراحت بوكى اورأى ك النِّسُوَةِ الَّتِى قَطَعْنَ ٱبْدِيهُنَّ النِّسُوَةِ الَّتِي تَبْيُ بَكَيْدِهِنَّ فريادكوالتدقبول فرائ كااوراس يندر بوس سال مي ايسى بابركت یاس واپس جاؤ اوراس سے پوتھو کہ ان عورتوں کا کیا حال بنا جنھوں نے اپنے ہا تھ کاٹ کرز ٹمی کرتے تھے ، بیشک میرایر ور دگار اُن کے عَلِبُمْ ، قَالَ مَا خَطْبُكُنَّ إِذْ رَاوَدُنْنَ يُوسُفَ عَنْ نَفْسِهُ بارش ہوگی جس میں اناج کی بھردادر يبدا دار ہوگی ساتھ ہی گئے بھل فرد ط كالوك اليحى طرح رس نجو ل ي اور فریب کونوب جانا ہے وا جب یا دشاہ نے ان عورتوں کوبلا کر پر بھاکداس دفت کیا دا تعات میں آئے جب تم نے ایسی حرکتیں کرے پوسف تیل کے نیچ خوط کرروش دارغذابھی قُلْنَ حَاشَ بِتْهِ مَاعَلِمُنَاعَلَيْهِ مِنْ سُوَةٍ قَالَتِ امْرَاتُ بر متعدادس ماص كرسكير مح اور كسى چېزىكى ىندر بىچى -كويكسلانا جا با تحاكداس كاجى ذكمكا جات تب ان عورتول نے كها بزرگى توبس التر بح لتح ب يوسف ميس تم في ترانى كى طف كونى تحكا قر فف شاہی دربار کا افسرر بان کا بوانہ الْعَزِيْزِ الْمَنْ حَصْحَصَ الْحَقُّ أَنَارَا وَدُنَّهُ عَنْ تَفْسِهُ الحكر لوسف كودرمادس لافكال جيل فاردكياليكن حفزت يوسف فليستكل نہیں <sup>ر</sup>یما' تب پیچ سر بھی *جرب مجمع میں بول اُنظی کہ جب پچ*ی بات ظاہر ہو پی کئی ہے دنومیں بھی گواہی دتی *ہو*ں کہ ) یوسف یا کدامن ایسے یوسف کا دل بیخایہ كاغيرت في يركوارا مذكيا اوركهاكجب وَإِنَّهُ لَمِنَ الصَّدِقِبْنَ ۞ ذٰلِكَ لِبَعْلَمَ آَنِيْ لَمُرْ أَخُنُهُ تك بحرير لكات كم الزام في تفقيق بوكر محصاب كتاه بسليم كيامات كا ہوماتے اس کے لئے بین نے پی یخیں کی سل نے کی کوشش کی تقی بیٹی بنا پالدامنی میں سیتج ثابت یسے () اس بات کا ملاصداس لئے کیا کیا کہ عزیز تفریو معلوم ہو یں شاہی دربارس آنے کے لئے تیار بِالْعَبْبِ وَأَنَّ اللهُ لَا جَدِي كَيْدَ الْحَابِينِ ٢ نہیں ، بہاں یہ بات تحصف ک ہے کہ حفرت يوسف يرجحونا الزام لكاني ب مائے کہ من نے اس کے ملق بیچھے کوئی خیانت نہیں کی اور یہ بات بھی سب جان لیں کہ اللہ تعالیٰ خیانت کرتے دالوں کے فریب کو چلینے نہیں دنیا 🝘 بيل توبيكم عزيز في كم اور يوراطوفان أسى فكمراكيا تقاليكن معزت يوسف فتحق يرورش كا مسان كاخيال قراكر بيم عزيزكانا تهي بيا بلكه برم فحراف كم عرى فواتين كى طرف بادشاه كوتوجة ولائى -338

- 47. यूसुफ़ (अलै.) ने उस की बात सुनकर सपने की ताबीर यह बतायी कि तुम्हें सात साल तक लगातार खूब मेहनत के साथ खेती बाड़ी करना ज़रूरी होगा फिर तुम जो अनाज काटो उसका बालियों ही में ज़खीरा (संग्रह) जमा करना, मगर खाने के लिए जो लगे उसे थोडा थोडा ही इस्तेमाल करना।
- 48.फिर इसके बाद सात साल सख्त आवेंगे, जिन में बहुत बड़ा आकाल पड़ेगा, और ऐसा हो सकता है कि पहले सात साल में जो ज़खीरा तुमने जमा कर रखा होगा आने वाले दूसरे सात साल जो अनाज की भारी तंगी के होंगे वह सारा ज़खीरा खा कर बराबर कर देंगे, हाँ मगर बीज के लिए थोड़ा बचाकर रखा होगा तो और बात है। 49.फिर इसके बाद एक साल आवेगा, जिस में (लोगों की फ़रियाद कबूल कर ली जाएगी) और बहुत अच्छी बारिश होगी, जिसकी पैदावार में लोग खूब रस निचोड़ेंगे।
- 50. अपने ख्वाब की ताबीर सुनकर बादशाह ने फौरन हुक्म जारी किया कि यूसुफ़ (अलै.) को मेरे पास ले आओ, बस, जैसे ही बादशाह का राजदूत यूसुफ़ (अलै.) को दरबार में लाने के लिए जेलखाना पहुँचा, यूसुफ़ (अलै.) ने उससे कहा अपने बादशाह के पास वापस जाओ और उस से पूछो कि उन औरतों का क्या हाल बना, जिन्होंने अपने हाथ काट कर ज़ख्मी कर लिए थे, बेशक मेरा परवरदिगार उन के फ़रेब को खूब जानता है।
- 51. जब बादशाह ने उन औरतों को बुलाकर पूछा कि उस वक्त क्या वाकेआत पेश आए, जब तुम ने ऐसी हरकतें कर के यूसुफ (अलै.) को फुसलाना चाहा था कि उसका जी डगमगा जाए, तब उन औरतों ने कहा बुजुर्गी तो बस अल्लाह के लिए है, यूसुफ (अलै.) में हमने बुराई की तरफ कोई झुकाव नहीं देखा, तब बेगम अज़ीज़ भी भरे मजमे में बोल उठी कि जब सच्ची बात ज़ाहिर हो ही गयी है (तो मैं भी गवाही देती हूँ कि) यूसुफ़ (अलै.) पाक दामन रहे, यूसुफ़ (अलै.) का दिल बेक़ाबू हो जाए इसके लिए मैंने ही उन्हें फुसलाने की कोशिश की थी, बेशक वह पाक दामनी में सच्चे साबित रहे।
- 52. इस बात का खुलासा इसलिए किया गया कि अजीजे मिस्र को मालूम हो जाए कि मैंने उसके पीठ पीछे कोई विश्वासधात नहीं किया और यह बात भी सब जान लें कि अल्लाह ख़यानत करने वालों के फरेब को चलने नहीं देता।

- 47. (Yusuf) said: "For seven consecutive years, you shall sow as usual with all skill; and the harvest which you reap you shall leave in ears-, all, except a little of it which you may require to eat."
- 48. "Thereafter will come seven hard years of draught famine of long duration, which will devour what you have laid up before hand for them, all, except a little which you shall preserve (for seeding purposes)."
- 49. "Then thereafter will come an year in which (peoples' petition will be accepted, and) they shall have abundant rain and in which they will yield fruitful crops.

6 7 16

- 50. (Having known the wonderful interpretation of his dream,) the king said: "Bring him to me." But when the messenger came to him, (Yusuf) said: "Return to your lord and ask him, 'what happened to the women who cut their hands? Surely my LORD (ALLAH) is well-Aware of their guile.""
- 51. (The king) said (to the women): "What was the matter with you when you did seek to seduce Yusuf?" the women said: "ALLAH forbid! We know not of any evil against him." Then the wife of Al-Aziz said: "Now the truth is manifest (to all), it was I who sought to seduce him, and he is surely of the truthful."
- 52. (Then Yusuf) said: "I asked for this enquiry in order that Al-Aziz may know that I betrayed him not in secret. And verily, ALLAH guides not the guile of betrayers."

#### Mr. Abdul Ghafoor Parekh

Is available on Website & YouTube

With Discourses, Dars e Qur'an,

Lectures, Seminars, Classes

Alongwith other speakers like

Abdul Majid Parekh, Dr. Shaheena Khatib,

Hamid Quraishi, Salahuddin Shaikh & others

Also world renown Scholar

# Padmabhushan Maulana Abdul Karim Parekh

On

Website: <u>www.explore-quran.com</u> <u>www.iqramedia.net</u> <u>www.functional-arabic.com</u> YouTube.com: Explore-Quran Arabic Classes on: <u>www.understandquran.com</u>



2158, M.P. Street, Pataudi House, Darya Ganj, New Delhi-2 Phone : 23289786, 23289159 Fax : 23279998 Res. : 23262486 e\_mail : farid@ndf.vsnl.net.in●farid\_export@hotmail.com Website: www.faridexport.com● www.faridbook.com